नवबिहार टाइम्स

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

गढ़वा में ममेरे भाई-बहन की सांप के डसने से मौत

• बोकारो, शनिवार, 19 जुलाई 2025 • वर्ष : 09 • अंक : 63 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

बिहार के विकास के लिए केन्द्र और राज्य सरकार प्रतिबद्ध : मोदी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मोतिहारी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज मोतिहारी में 7 हजार करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास, उद्घाटन और राष्ट्र को समर्पित किया। सावन के पवित्र महीने में बाबा सोमेश्वरनाथ के चरणों में शीश झुकाते हुए प्रधानमंत्री ने बिहार के सभी निवासियों के जीवन में सुख और समृद्धि की कामना की। श्री मोदी ने कहा कि यह चम्पारण की भूमि है, एक ऐसी धरती जिसने इतिहास रचा है। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान, इसी भूमि ने महात्मा गांधी को नई दिशा दी थी। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि इसी भूमि से मिली प्रेरणा अब बिहार के नए भविष्य को आकार देगी। सरकार के इस संकल्प की पुष्टि की कि आने वाले समय में पूर्व में मोतिहारी का स्थान पश्चिम में मुंबई की तरह ही प्रमुख स्थान बन जाएगा। श्री मोदी ने गया में गुरुग्राम जैसे समान अवसर, पटना में पुणे जैसा औद्योगिक विकास और संथाल परगना में सूरत जैसा विकास सुनिश्चित करने का संकल्प लिया। श्री मोदी ने जोर देकर कहा कि पूर्वी भारत को आगे बढ़ाने के लिए, बिहार को एक विकसित राज्य में रूपांतरित होना होगा।

उन्होंने कहा कि बिहार में आज तीव्र प्रगति संभव है, क्योंकि केंद्र और राज्य दोनों में बिहार के विकास के लिए प्रतिबद्ध सरकारें हैं। उन्होंने इस तथ्य के समर्थन में अंतर को दर्शाने के लिए आंकड़ों का हवाला दिया। पिछली सरकारों के 10 वर्षों के दौरान जब वे केंद्र में सत्ता में थे, बिहार को केवल लगभग 2 लाख करोड़ रुपये मिले। उन्होंने कहा कि यह नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार के विरूद्ध राजनीतिक प्रतिशोध का एक रूप था। प्रधानमंत्री ने कहा कि 2014 में सत्ता में आने के बाद, उनकी सरकार ने बिहार के विरूद्ध प्रतिशोध की इस राजनीति को समाप्त कर दिया। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में उनके शासन में, बिहार के विकास के लिए लगभग 9 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि यह पिछली सरकार के तहत प्रदान की गई राशि से चार गुना अधिक है। श्री मोदी ने यह भी रेखांकित किया कि पिछले 11 वर्षों में, देश भर में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 4 करोड़ से अधिक घर बनाए गए हैं, जिनमें से लगभग 60 लाख अकेले बिहार में बने हैं।

श्री मोदी ने कहा कि सरकारी योजनाओं का धन अब सीधे इन खातों में स्थानांतरित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि श्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार सरकार ने हाल ही में बुजुर्गों, दिव्यांगों और विधवा माताओं के लिए मासिक पेंशन 400 रुपए से बढ़ाकर 1,100 रुपये कर दी है। प्रधानमंत्री ने बताया कि यह धनराशि सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में जमा की जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि पिछले डेढ़ महीने में ही बिहार में 24,000 से अधिक स्वयं सहायता समूहों को 1,000 करोड़ रुपये से अधिक की सहायता प्राप्त हुई है, जिसका श्रेय माताओं और बहनों के जन धन खातों द्वारा प्रदान की गई वित्तीय सशक्तीकरण को दिया जा सकता है। उन्होने नीतीश कुमार द्वारा शुरू की गई 'जीविका दीदी' योजना की प्रशंसा की, जिसने बिहार की लाखों महिलाओं के आत्मनिर्भर बनने का मार्ग प्रशस्त किया है।

प्रधानमंत्री ने घोषणा की कि केंद्र सरकार ने हाल ही में निजी क्षेत्र में पहली बार रोजगार की आकांक्षा रखने वालों की सहायता के लिए एक बड़ी योजना को स्वीकृति दी है। इस योजना के तहत किसी निजी कंपनी में पहली नियुक्ति पाने वाले युवाओं को केंद्र सरकार द्वारा 15,000 रुपये दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि यह योजना 1 अगस्त से लागू होगी और इस पर केंद्र द्वारा एक लाख करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस पहल से बिहार के युवाओं को अत्यधिक लाभ होगा। श्री मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि दूसरे दलों के नेता कभी रोजगार नहीं दे सकते, खासकर वे जो रोजगार के नाम पर लोगों की जमीन हड़प लेते हैं। उन्होंने जनता से लालटेन के जमाने और नई उम्मीदों से जगमगाते आज के बिहार के बीच के अंतर को याद रखने का आग्रह किया। प्रधानमंत्री ने हाल के वर्षों में नक्सलवाद के विरुद्ध की गई निर्णायक कार्रवाई पर प्रकाश डाला, जिससे बिहार के युवाओं को अत्यधिक लाभ हुआ है। उन्होंने कहा कि चम्पारण, औरंगाबाद, गया और जमुई जैसे ज़िले, जो कभी माओवादी प्रभाव से घिरे थे, अब वहां उग्रवाद में कमी दिख रही है। उन्होंने कहा कि कभी माओवादी हिंसा से घिरे इलाकों में, युवा अब बड़े सपने देख रहे हैं। इस कार्यक्रम में राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी, गिरिराज सिंह, राजीव रंजन सिंह, चिराग पासवान, रामनाथ ठाकुर, नित्यानंद राय, सतीश चंद्र दुबे, डॉ. राज भूषण चौधरी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

बिरहोर समुदाय की व्यथा सुन भावुक हुए उपायुक्त

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। हजारीबाग समाहरणालय में शुक्रवार को आयोजित जनता दरबार में केरेडारी प्रखंड के पगार गांव से आए बिरहोर जनजाति के लोगों ने अपनी समस्याएं उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह के समक्ष रखीं। जनजातीय समुदाय की दुश्वारियों को गंभीरता से सुनते हुए उपायुक्त ने कई समस्याओं के समाधान के लिए मौके पर ही अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। बिरहोर समुदाय के प्रतिनिधियों ने बताया कि उनके गांव तक सड़क नहीं है, खनन कार्य की ब्लास्टिंग से घरों में दरारें आ गई हैं, बिजली आपूर्ति अनियमित है, रोजगार के लिए ड्राइविंग लाइसेंस की जरूरत है, कई कच्चे मकान जर्जर हो चुके हैं। इन मुद्दों को सुनते हुए उपायुक्त ने निर्देश दिया कि पेंशन, आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र और ड्राइविंग लाइसेंस जैसी सुविधाओं के लिए विशेष शिविर लगाया जाए। सड़क निर्माण, मकानों की मरम्मत और बिजली आपूर्ति को प्राथमिकता पर लेकर संबंधित विभाग समन्वय बनाकर शीघ्र कार्य शुरू करें। उपायुक्त श्री सिंह ने कहा कि आदिम जनजातियों की समस्याओं का समाधान हमारी शीर्ष प्राथमिकता है। बिरहोर जैसे समुदायों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना प्रशासन की जिम्मेदारी है, जिसे हम हर हाल में निभाएंगे।

उपायुक्त ने किया हजारीबाग सम्प्रेक्षण गृह का निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग। उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह ने शुक्रवार को हजारीबाग स्थित सम्प्रेक्षण गृह का निरीक्षण कर वहां की सुरक्षा, शिक्षा और अन्य व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने मुख्य द्वार पर आगंतुक पंजी और सीसीटीवी फुटेज की जांच कर सुरक्षा प्रबंधों का जायजा लिया। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त कक्षाओं में पहुंचे, जहां उन्होंने बच्चों से सीधा संवाद कर उनकी पढ़ाई, शिक्षकों की उपलब्धता और स्मार्ट क्लास जैसी आधुनिक सुविधाओं का लाभ मिलने की जानकारी ली। उन्होंने बच्चों से खेलकूद, योगा और अन्य सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में भागीदारी के बारे में भी पूछा। इसके बाद उपायुक्त ने रसोईघर और छात्रावास कक्षों का निरीक्षण करते हुए भोजन की गुणवत्ता और सफाई व्यवस्था की समीक्षा की। रात्रिकालीन सुरक्षा व्यवस्था को लेकर उन्होंने निर्देश दिया कि कर्मियों की प्रतिनियुक्ति रोस्टर के अनुसार सुनिश्चित की जाए। साथ ही पेयजल सुविधा और भवन की मरम्मत से जुड़ी समस्याओं को शीघ्र दूर करने के आदेश भी दिए। मौके पर उपस्थित सामाजिक सुरक्षा पदाधिकारी श्रीमती निवेदिता राय ने जानकारी दी कि बच्चों के स्वास्थ्य और नेत्र जांच के लिए विशेष चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया है। निरीक्षण के बाद उपायुक्त ने कहा, ìसम्प्रेक्षण गृह में रह रहे बच्चों को सुरक्षित वातावरण, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और समुचित सुविधा देना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इनके सर्वांगीण विकास हेतु हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं।

हजारीबाग खनन विभाग में इडी की छापेमारी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। खनन विभाग हजारीबाग में शुक्रवार सुबह प्रवर्तन निदेशालय की छापेमारी से प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया। इडी की पांच सदस्यीय टीम ने सुबह करीब 10 बजे जिला खनन कार्यालय पहुंचकर कार्यालय को सील कर अंदर जरूरी दस्तावेजों की जांच शुरू की। यह कार्रवाई अवैध खनन और मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े मामलों की जांच के सिलसिले में की जा रही है। सूत्रों के अनुसार ईडी अधिकारी जिला खनन पदाधिकारी समेत अन्य कर्मियों से पूछताछ कर रहे हैं और विभाग के वित्तीय लेनदेन व परियोजनाओं का गहन परीक्षण कर रहे हैं।

बताया जा रहा है कि यह छापेमारी झारखंड में चल रहे बहुचर्चित खनन घोटाले की एक कड़ी हो सकती है, जिसमें कई ठेकेदारों, दलालों और सरकारी अधिकारियों की संलिप्तता की आशंका जताई जा रही है। हालांकि अभी तक कोई आधिकारिक गिरफ्तारी या बयान जारी नहीं हुआ है। इडी की इस अचानक कार्रवाई से खनन विभाग की पारदर्शिता पर सवाल उठने लगे हैं, और पूर्व में हुए ठेकों, अनुमतियों और राजस्व वसूली की प्रक्रिया को लेकर भी नई चर्चाएं शुरू हो गई हैं। फिलहाल जांच जारी है और सभी की निगाहें ईडी की अगली कार्रवाई पर टिकी हुई हैं।

थानाध्यक्ष अलीशा कुमारी का जाति प्रमाण पत्र रद्द, फर्जीवाड़े का आरोप साबित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

धनबाद। झारखंड सरकार के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग ने धनबाद जिले की राजगंज थाना प्रभारी अलीशा कुमारी का जाति प्रमाण पत्र रद्द कर दिया है। यह निर्णय बोकारो निवासी प्रदीप कुमार रे की शिकायत और बाद में न्यायालय के निर्देश के आलोक में लिया गया है। शिकायतकर्ता प्रदीप कुमार रे ने आरोप लगाया था कि अलीशा कुमारी ने फर्जी जाति प्रमाण पत्र के आधार पर आरक्षण का लाभ प्राप्त किया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए उन्होंने झारखंड हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। कोर्ट ने इस प्रकरण को जाति छानबीन समिति के पास भेजने का निर्देश दिया था। जांच में यह प्रमाणित हुआ कि अलीशा कुमारी का परिवार गिरिडीह जिले के डुमरी प्रखंड अंतर्गत जामताड़ा पंचायत का स्थायी निवासी नहीं है, जैसा कि उनके जाति प्रमाण पत्र में दर्शाया गया था। विवादित प्रमाण पत्र संख्या जेएचसीसी/2017/229784, अलीशा को डुमरी के तत्कालीन अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा जारी किया गया था, जिसमें उन्हें बनिया (पिछड़ा वर्ग-2) की श्रेणी में दिखाया गया था।

एक ही परिवार के पांच लोगों ने खाया जहर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बिहारशरीफ। नालंदा जिले के पावापुरी में शुक्रवार शाम एक दर्दनाक घटना सामने आई, जहां एक ही परिवार के पांच सदस्यों ने सामूहिक रूप से जहर खाकर आत्महत्या का प्रयास किया। घटना पावापुरी जलमंदिर के पास किराये के मकान में रहने वाले परिवार की है, जो पिछले कई महीनों से आर्थिक तंगी से जूझ रहा था। बताया जा रहा है कि यह परिवार शेखपुरा जिले के पुरनकामा सिक्करपुर गांव का निवासी है और छह महीने से पावापुरी में रह रहा था। परिवार के मुखिया कपड़े का कारोबार करते थे, लेकिन भारी नुकसान और लगभग 5 लाख रुपये के कर्ज के बोझ तले दबे हुए थे। साहुकारों का दबाव भी लगातार बढ़ता जा रहा था, जिससे परेशान होकर परिवार ने यह कदम उठाया।

शुक्रवार की शाम जब पड़ोसियों को अनहोनी की आशंका हुई, तो उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस और स्थानीय प्रशासन की मदद से सभी पीड़ितों को भगवान महावीर विम्स अस्पताल, पावापुरी में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। यह घटना समाज में फैली आर्थिक असमानता और मानसिक तनाव की भयावह स्थिति को उजागर करती है। स्थानीय प्रशासन ने परिवार की हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया है।

FOR REGISTRATION : ISO, TRADE MARK, PATENT
DESIGN AND COPYRIGHT, ATTORNEY
GLOBAL VISION
(A Complete Solution in Professional Services)
: Regd. Office/ Head Office :
Manaitand, Near Water Tank
Dhanbad, Jharkhand- 826001
Command Office : Jagat Trade Centre, Patna
Contact No.- 9835333441, 8210823092
E-Mail : globalvision96@yahoo.in

दक्षिण बिहार की कई नदियां उफनाई, जहानाबाद में बाढ़, आकाशीय 'बिजली से 12 लोगों की मौत'

पटना/जहानाबाद, एजेंसी। दक्षिण बिहार में भारी बारिश के बाद हालात बिगड़ गए हैं। फल्गु नदी के बाद अब दरधा, बलदइया और मोरहर नदी का जलस्तर बढ़ने से जहानाबाद जिले के कई गांवों में बाढ़ का पानी प्रवेश कर गया है। जिले में कई जगहों पर तटबंध टूट जाने से खेत जलमग्न हैं। जहानाबाद शहर के निचले इलाकों में भी बाढ़ का पानी प्रवेश कर गया है। उधर, राज्य में गुरुवार को पटना सहित बिहार के 14 जिलों में झमाझम बारिश हुई। वज्रपात से शेखपुरा, भागलपुर, वैशाली, गयाजी समेत अन्य जिलों में 12 लोगों की मौत हो गई।

जहानाबाद जिले में फल्गु के बाद अब दरधा, बलदइया और मोरहर नदी भी पूरे उफान पर है। एनएच 33 पर लगातार दूसरे दिन भी आवागमन ठप रहा। करीब 7 साल बाद दक्षिण बिहार की नदियों में इतना अधिक पानी आया है। एसएस कॉलेज जाने वाली सड़क से आवाजाही ठप हो है। फल्गु और बलदइया नदी

का तटबंध कई जगहों पर टूटने से खेत जलमग्न हो गए। गया जी के टिकारी में मोरहर नदी में अचानक पानी का बहाव तेज होने से सोलहदाम तटबंध कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त हो गया। कैमूर में सिकरी-सिकरवार का संपर्क भंग हो गया है।

जहानाबाद शहर में घुसा नदी का पानी – शहर से बहने वाली दरधा नदी में कई सालों बाद काफी अधिक पानी आया है। इससे निचले इलाके में कुछ लोगों को परेशानी हुई। शहर के हारिलगंज और जाफरगंज मोहल्ले में नदी का पानी घुस गया। श्याम नगर पुलिया पर भी पानी चढ़ गया जिससे जाफरगंज मोहल्ला के लोगों को घोसी मोड होते हुए शहर में आने जाने की मजबूरी बनी रही। हालांकि नदी में आए पानी से उन्हीं लोगों को परेशानी हुई जो बिल्कुल नदी के किनारे या जल जमाव वाले इलाके में मकान बनाए हुए हैं। नदी में आई बाढ़ को देखने के लिए शहरवासियों का हुजूम उमड़ा रहा।

बिहार में वज्रपात से 12 लोगों की मौत – राज्य में बीते 24 घंटे के भीतर ठनका गिरने से अलग-अलग जिलों में 10 लोगों की मौत हो गई। शेखपुरा जिले में अलग-अलग स्थानों पर वज्रपात से चार, नालंदा, बांका और भोजपुर जिले में एक-एक की मौत हो गई। भागलपुर जिले के बाथ थाना क्षेत्र की करहरिया पंचायत स्थित बड़हरा बहियार में गुरुवार को ठनका के चपेट में आ जाने से एक युवती की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। नाथनगर की शंकरपुर पंचायत के वार्ड नंबर तीन दियारा स्थित खेत में गुरुवार को परवल तोड़ने गए चार लोगों में एक की ठनका गिरने से मौके पर ही मौत हो गई। वहीं तीन लोग गंभीर रूप से घायल हैं। गया जी के अतरी में जानवर चराने गए वृद्ध की वज्रपात से मौत की सूचना है। वहीं, वैशाली जिले में आकाशीय बिजली गिरने से राजापाकड़ थाना क्षेत्र में दो लोगों की मौत हुई।

संक्षिप्त समाचार

दरभंगा में ठेकेदार के स्टाफ को अपराधियों ने मारी गोली पेट में लगी, बांध निर्माण के दौरान हुआ था विवाद

दरभंगा, एजेंसी। दरभंगा में बुधवार देर रात अपराधियों ने एक ठेकेदार के स्टाफ को गोली मार दी। गंभीर हालत में परिजनों ने अस्पताल में भर्ती कराया। चार्ली गैंग पर जानलेवा हमला करने का आरोप लगाया है। घटना बहादुरपुर थाना क्षेत्र के ओझौल बांध के पास की है। घायल सूरज पासवान(25) के भाई अमरजीत ने बताया कि मेरा भाई ठेकेदार के साथ काम करता है। चार्ली गैंग के लड़कों ने हमला किया है। चेहरा किसी का पहचान में नहीं आया है। बांध पर निर्माण कार्य को लेकर विवाद हुआ था। पहले भी ठेकेदार से मारपीट हुई थी। सूरज ने बीच-बचाव किया था। बाद में अकेला देखकर गोली मार दी। बुलेट पेट के बाएं हिस्से को छूकर निकल गई है। पोकलेन मशीन के ड्राइवर को धमकी दी गई थी। फिर रमन नाम का दूसरा ड्राइवर समझाने गया तो उसकी भी पिटाई कर दी। शिकायत करने पर केस में फंसाने की धमकी दी गई। डर से किसी ने कुछ नहीं बोला। कुछ दिन बीतने के बाद सूरज को गोली मार दी गई। मिक्सर मशीन के ठेकेदार के साथ रहता है। आवेदन के आधार पर एफआईआर वहीं, बहादुरपुर थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि युवक को पेट के पास गोली लगी है। एफआईआर दर्ज कर ली गई है। आवेदन के आधार पर छानबीन की जा रही है। सीसीटीवी भी देखा जा रहा है।

मध्यस्थता अभियान 30 सितंबर चलेगा, उठाएं लाभ

दरभंगा, एजेंसी। सर्वोच्च न्यायालय की मध्यस्थता व सुलभ परियोजना समिति व राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) के तत्वाधान में मध्यस्थता अभियान दरभंगा जिला व्यवहार न्यायालय परिसर स्थित जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष प्रधान जिला व सत्र न्यायाधीश शिव गोपाल मिश्र की अध्यक्षता में 30 सितंबर तक चलेगा। इसे लेकर गुरुवार को श्री मिश्र की अध्यक्षता में कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इसमें उन्होंने कहा कि कार्यक्रम का आयोजन वादी-प्रतिवादी को लाभ प्राप्त कराने के लिए किया गया है। इसकी अवधि तीन महीना है। इसके लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकार की सचिव आरती कुमारी व कार्यक्रम के नोडल पदाधिकारी नागेश प्रसाद सिंह हैं। वे कार्यक्रम में सहयोग करेंगे। आपसी मध्यस्थता के माध्यम से मामलों का निष्पादन करने से पक्षकारों को सुविधा होगी। इसके लिए पक्षकारों को महत्वपूर्ण सुविधा भी दी गई है। इसमें पक्षकारों का सदेह उपस्थित होना अनिवार्य नहीं है। ऑनलाइन तथा दरभंगा जिले से बाहर रहकर भी लाभ उठाने का प्रावधान है। उन्होंने कहा कि मीडियेटर हर समय उपलब्ध रहेंगे। उनके माध्यम से वैवाहिक, दुर्घटना संबंधी दावा वाद, घरेलू हिंसा संबंधी वाद सहित अन्य सिविल मामलों का निष्पादन पक्षकारों की आपसी मध्यस्थता व सुलह के आधार पर होगा। अपर जिला व सत्र न्यायाधीश सुमन कुमार दिवाकर ने मध्यस्थता के माध्यम से मामलों के निष्पादन के संबंध में विशेष जानकारी दी तथा अधिवक्ताओं से सहयोग का आग्रह किया। कार्यक्रम में प्रथम अपर जिला व सत्र न्यायाधीश संतोष कुमार पांडेय, अपर सत्र न्यायाधीश श्रीराम झा, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी जुनैद आलम, जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष चंद्रधर मल्लिक, महासचिव कृष्ण कुमार मिश्र, मीडियेटर जितेंद्र नारायण झा, अनिल प्रसाद व अन्य अधिवक्ता थे। संचालन प्राधिकर की सचिव आरती कुमारी ने किया।

पवन, लिच्छवी समेत पांच ट्रेनों का प्रयागराज में बदला समय

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। जंक्शन से गुजरने वाली पवन, लिच्छवी एक्सप्रेस सहित पांच एक्सप्रेस ट्रेनों का उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज जंक्शन पर पहुंचने के समय में बदलाव किया गया है। गुरुवार को उत्तर मध्य रेलवे की ओर से इसकी जानकारी दी गयी है। यह बदलाव 15 सितंबर से लागू होगा। मुजफ्फरपुर से गुजरने वाली पांच सहित 90 ट्रेनों के परिचालन व्यवस्था में उत्तर मध्य रेलवे ने बदलाव किया है। सीतामढ़ी से आनंद विहार के बीच चलने वाली 14005 लिच्छवी एक्सप्रेस, 11062 पवन एक्सप्रेस, 11034 दरभंगा-पुणे एक्सप्रेस, 15267 रक्सौल-लोकमान्य तिलक टर्मिनल व 15559 दरभंगा-अहमदाबाद (साप्ताहिक) का समय बदला है। इन प्रमुख ट्रेनों का बदला समय : ट्रेन का नंबर व नाम वर्तमान समय नया समय 11062 पवन एक्सप्रेस सुबह 3.00-3.30 बजे अहले सुबह 2.55-3.15 बजे 11034 दरभंगा-पुणे एक्स सुबह 6.45-7.10 बजे सुबह 6.45-7.10 बजे 14005 लिच्छवी एक्सप्रेस शाम 6.00-6.10 बजे शाम 5.55-6.05 बजे।

चुनाव से पहले कुनबा बढ़ा रहे प्रशांत किशोर, जन सुराज में शामिल होंगे पूर्व आईपीएस और भोजपुरी स्टार

पटना, एजेंसी। जन सुराज पार्टी के सूत्रधार प्रशांत किशोर बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से पहले अपना कुनबा बढ़ा रहे हैं। एक पूर्व आईपीएस अधिकारी और एक भोजपुरी स्टार शुक्रवार को जन सुराज का दामन थामेंगे। पीके ने पटना में इस संबंध में सुबह 11 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई है। सारण (छपरा) के रहने वाले हिमाचल प्रदेश के पूर्व एडीजीपी जेपी सिंह के पीके की पार्टी में शामिल हो सकते हैं। उन्होंने पिछले सप्ताह ही वीआरएस (ऐच्छिक सेवानिवृत्ति) लेकर आईपीएस की नौकरी छोड़ी थी। पिछले दिनों चर्चित यूट्यूबर मनीष कश्यप ने भी भारतीय जनता पार्टी को छोड़कर जन सुराज का दामन थामा था। प्रशांत किशोर ने ही उन्हें सदस्यता दिलाई

थी। कुछ समय से भोजपुरी स्टार पवन सिंह के भी जन सुराज पार्टी में शामिल होने की अटकलें राजनीतिक गलियारों में चल रही हैं। प्रशांत किशोर ने पिछले साल 2 अक्टूबर को जन सुराज पार्टी का गठन किया था। इससे पहले उन्होंने करीब दो साल तक गांव-गांव में जाकर पदयात्रा निकाली थी। पार्टी बनाने के बाद पीके ने राज्य की सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़ने का ऐलान किया। उन्होंने जन सुराज को एनडीए और महागठबंधन का विकल्प बताया है। चुनाव आयोग से पीके की पार्टी को स्कूल बैग चुनाव चिह्न मिला हुआ है।

बिहार में आगामी महीनों में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में सभी पार्टियां जोर-शोर से अपने संगठन को मजबूत करने में जुटी है। पीके भी लगातार इस ओर कदम उठा रहे हैं। कई पूर्व अधिकारी पार्टी में आ चुके हैं। बक्सर से लोकसभा चुनाव लड़ चुके पूर्व आईपीएस आनंद मिश्रा ने भी प्रशांत किशोर की पार्टी ज्वाइन की थी। हालांकि, बीते कुछ समय से वे पार्टी की गतिविधियों से दूर चल रहे हैं।

मंदिर में चोरी करने से पहले भगवान को किया प्रणाम:नवादा में किराना दुकानों में की चोरी

नवादा, एजेंसी। नवादा में एक अनोखा चोरी का मामला सामने आया है। काशीचक बाजार स्थित दुर्गा मंदिर में चोर ने चोरी का प्रयास करने से पहले भगवान को प्रणाम किया। यह पूरी घटना मंदिर के सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। मंदिर का ताला नहीं तोड़ पाने के बाद चोर ने आसपास की फल और किराना दुकानों को निशाना बनाया। यह घटना 15 जुलाई 2025 की रात की है। सीसीटीवी फुटेज की मदद से पुलिस ने चोर की पहचान काशीचक निवासी मुरारी कुमार के रूप में की। वह श्रीकांत सिंह का बेटा है।

24 घंटे में आरोपी गिरफ्तार– थाना प्रभारी बसंत कुमार ने बताया

कि घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच की गई। मंदिर के पुजारियों ने ताले को तोड़ने का प्रयास देखा था। सीसीटीवी फुटेज में एक युवक को चोरी का प्रयास करते हुए देखा गया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए क्षेत्र में नाकाबंदी कर दी। 24 घंटे के अंदर ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आरोपी से अन्य स्थानों पर की गई चोरी के बारे में भी पूछताछ की। पुलिस ने काशीचक थाने में धारा 331(4)/305 बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया है। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

12 लाख के जेवरात और 3 लाख कैश ले भागे चोर

पूर्णिया में बंद घर से 15 लाख की चोरी: मेन डोर का लॉक तोड़कर अंदर घुसे चोर

पूर्णिया, एजेंसी। पूर्णिया में बेखौफ चोरों ने बंद घर को निशाना बनाया है। सोने-चांदी जेवरात, कैश समेत 15 लाख की चोरी हुई है। पीड़िता ने पड़ोस में रहने वाले पर युवक पर चोरी का आरोप लगाया है। थाने में आवेदन देकर जांच की मांग की है। घटना शहर मधुबनी थाना क्षेत्र के मेहता चौक की है।

बच्चों के साथ बाजार गई थी–पीड़िता निर्मला देवी ने बताया कि एक साल पहले पति की मौत हो गई थी। घर में 2 बच्चों के साथ रहती हूं। बुधवार को बच्चों को शॉपिंग कराने के लिए दोपहर करीब 3:30 बजे बाजार गई थी। ढाई घंटे बाद शाम 6 बजे घर पहुंचे। मेन डोर का लॉक टूटा हुआ था। अंदर कमरे का भी लॉक खुला था। पूरा सामान इधर-उधर बिखरा हुआ था। अलमारी से 12 लाख के जेवरात और 2 लाख कैश गायब थे। चोरी में पड़ोस में रहने

वाले एक युवक का हाथ है। घटना की जानकारी सबसे पहले अपने रिश्तेदारों को दी, उसके बाद थाने पर कॉल किया। पति की मौत के बाद चोरी की घटना से टूट गई हूं।

सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस -वहीं, इस संबंध में मधुबनी थानाध्यक्ष ने बताया कि चोरी की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर जांच के लिए पहुंची थी। पीड़िता ने आवेदन दिया है। आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाला जा रहा है। जल्द ही मामले का खुलासा कर दिया जाएगा।

पटना से दिल्ली के लिए 31 जुलाई से रोजाना चलेगी अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन

पटना, एजेंसी। पटना से नई दिल्ली के लिए अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन का शुक्रवार को उद्घाटन होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मोतिहारी से इस ट्रेन को वर्चुअल माध्यम से हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। हालांकि, शुक्रवार को यह उद्घाटन स्पेशल बनकर चलेगी। इसके बाद 31 जुलाई से इसका नियमित परिचाल शुरू होगा। ट्रेन नंबर 22361 राजेंद्रनगर-नई दिल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस 31 जुलाई से रोजाना चलेगी। वहीं नई दिल्ली से इसका नियमित परिचालन 1 अगस्त से शुरू हो जाएगा।

गुरुवार को इस ट्रेन का सफल ट्रायल पटना जंक्शन से आरा तक किया गया। यह ट्रेन पटना के प्लेटफॉर्म नंबर 4 से दोपहर 2:30 बजे खुली और दानापुर रुकते हुए आरा दोपहर 3:35 बजे पहुंच गई। वापसी में इस ट्रेन को ट्रायल के तौर पर शाम 4:10 बजे आरा स्टेशन से

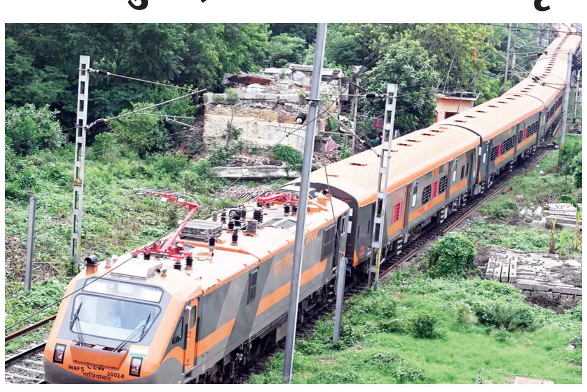

रवाना किया गया और 5:35 बजे पटना जंक्शन आई। रेलवे प्रशासन के अनुसार ट्रायल पूरी तरह से सफल रहा है। ट्रेन 65 मिनट में पटना से आरा पहुंची। इस दौरान ट्रेन की स्पीड कहीं 45, कहीं 70 तो कहीं अधिकतम 100 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से दर्ज की गई।

अमृत भारत ट्रेन में पटना से दिल्ली का किराया– पटना से नई दिल्ली के बीच नई अमृत भारत ट्रेन की बुकिंग गुरुवार से शुरू कर दी गई। दोपहर में जैसे ही सर्वर खुला तेजी से बुकिंग शुरू हो गई। इस ट्रेन में कुल 559 स्लीपर के बर्थ हैं। पटना से दिल्ली के लिए इस किराया 560 रुपये है। वहीं पटना जंक्शन से आरा 165, बक्सर 165, डीडीयू 190, सुबेदारगंज 270, गोविंदपुरी 380, गाजियाबाद का 555 रुपये किराया रखा गया है। कुल 22 कोच हैं। यह ट्रेन पूरी तरह गैर वातानुकूलित है। इसके आगे और पीछे दोनों तरफ इंजन है, जो पुश-पुल तकनीक से ट्रेन की स्पीड को बढ़ाएंगे।

यात्रियों को मिली पटना-दिल्ली के बीच नई ओवरनाइट ट्रेन–गाड़ी संख्या 22361 राजेंद्रनगर-नई दिल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस 31 जुलाई से रोजाना शाम 07:45 बजे खुलकर 8 बजे पटना जंक्शन, 08:23 बजे दानापुर, 08:54 बजे आरा, 089:38 बजे बक्सर, 11:35 बजे डीडीयू, 2 बजे सूबेदारगंज, सुबह 4:25 बजे गोविंदपुरी, दोपहर 12:23 बजे गाजियाबाद रुकते हुए अगले दिन दोपहर में 01:10 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी। वहीं, वापसी में 1 अगस्त से नियमित नई दिल्ली से रात 07:10 बजे खुलेगी और संबंधित स्टेशनों पर रुकते हुए सुबह 10:50 बजे पटना जंक्शन और 11:45 बजे राजेंद्र नगर टर्मिनल पहुंचेगी।

स्व. जगदीश साह के नाम पर बेंता चौक का होगा नामकरण

दरभंगा, एजेंसी। नगर निगम की सशक्त स्थायी समिति की बैठक गुरुवार के महापौर अंजुम आरा की अध्यक्षता में नगर निगम स्थित सभागार में हुई। इसमें स्व. जगदीश साह के नाम पर बेंता चौक का नामकरण करने पर विचार किया गया। इसके अलावा बैठक में कुल 14 एजेंडों पर चर्चा की गई।

बैठक में मुख्य रूप से गत आठ मई को हुई सशक्त स्थायी समिति की बैठक की कार्यवाही की संपुष्टि की गई। उप महापौर द्वारा दिये विचारणीय विषय सीआरपी का मानदेय बढ़ाने की स्वीकृति पर विचार और दरभंगा नगर निगम के अन्तर्गत स्थित गंदी बस्ती में नये भवन के निर्माण के लिए भवन निर्माण विभाग, दरभंगा को पत्र भेजने की स्वीकृति पर विचार किया गया।

साथ ही नगर निगम के अन्तर्गत कार्यालय परिसर में कैन्टीन की व्यवस्था करने की स्वीकृति पर विचार हुआ। दरभंगा नगर निगम के स्थायी एवं सेवानिवृत्त कर्मियों को वित्त विभाग, पटना के पत्र के आलोक में गत एक जवनरी के प्रभाव से महंगाई भत्ता राहत 53 के स्थान पर 55 प्रतिशत भुगतान के घटनोत्तर स्वीकृति पर विचार हुआ।

दरभंगा नगर निगम के संविदा एवं दैनिक कामगार यूनियन की छह सूत्री मांगों की स्वीकृति पर भी विचार हुआ। विभागीय पत्र के आलोक में दरभंगा नगर निगम कार्यालय में कार्यरत डाटा इंट्री ऑपरेटरों (बेलट्रॉन) को अप्रैल 2025 से मानदेय का भुगतान आंतरिक संसाधन से करने की स्वीकृति पर विचार हुआ।

दरभंगा नगर निगम में कार्यरत सफाई कर्मियों यथा संविदा, दैनिक एवं स्थायी को हैंडवाश, मास्क, कैप, रबड़, ग्लव्स व एप्रन उपलब्ध कराया गया है। इसके व्यय की घटनोत्तर स्वीकृति पर विचार हुआ। इसके अलावा मे. पवन फिलिंग सेन्टर, दोनार रोड से प्राप्त विपत्र के आलोक में किये गये भुगतान की राशि की स्वीकृति पर विचार हुआ।

कार्यपालक अभियंता, पीएचईडी के वित्तीय वर्ष 2024-25 में नगर निगम, दरभंगा क्षेत्रान्तर्गत मुख्यमंत्री शहरी पेयजल निश्चय योजनानागंत दरभंगा जलापूर्ति योजना के संचालन एवं रखरखाव के लिए एक करोड़ 79 लाख 94 हजार पांच सौ रुपए की अधियाचना की स्वीकृति पर भी विचार हुआ। संवेदक सोनी झा द्वारा नगर निगम क्षेत्रान्तर्गत कराये जा रहे कार्य में अनियमिता के कारण उनके रजिस्ट्रेशन को डीवार कर दिया गया है।

डीवारमुक्त करने के लिए आवेदन दिया गया है। आवेदन के आलोक में डीवारमुक्त करने की स्वीकृति पर विचार किया गया। महापौर अंजुम आरा ने बताया कि गुरुवार को सशक्त स्थाई समिति की बैठक बुलाई गई थी। इसमें एक दर्जन से अधिक एजेंडों पर चर्चा की गई।

बाजपट्टी में शराब पार्टी के दौरान युवक की हत्या बुलेट सवार तीन अपराधियों ने पुल पर दी वारदात को अंजाम

सीतामढ़ी, एजेंसी। सीतामढ़ी जिले के बाजपट्टी थाना क्षेत्र अंतर्गत बाबू नरहा गांव में एक युवक की गुरूवार की रात गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान डुमरा थाना क्षेत्र के बेली गांव निवासी सूर्य नारायण ठाकुर के 26 वर्षीय पुत्र आदित्य कुमार के रूप में हुई है। घटना रात 8:30 से 9:00 बजे के बीच की है। आदित्य अपने ननिहाल बाबू नरहा में रह रहा था। वह ननिहाल से एक किलोमीटर दूर चौर क्षेत्र में स्थित पुल पर कुछ दोस्तों के साथ शराब पार्टी कर रहा था। पार्टी के दौरान किसी बात को लेकर विवाद हो गया।

इसी दौरान बुलेट सवार तीन अपराधियों ने गोली चला दी। घटनास्थल से पुलिस ने 6 खोखा बरामद किए हैं। पुल पर दो पटिया बिछी मिली। वहां शराब की बोतलें, ढक्कन, भुजिया और अन्य खाने-पीने का सामान भी मिला। एक जोड़ी चप्पल, खून से सनी एक

गंजी और एक शर्ट भी बरामद की गई है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, मृतक का आपराधिक इतिहास रहा है। उस पर शराब तस्करी समेत कई आपराधिक मामले बाजपट्टी और अन्य थानों में दर्ज हैं। पुलिस अपराधियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। साथ ही मृतक के आपराधिक इतिहास की भी जांच की जा रही है।

बड़े भाई की तेरहवीं से पहले छोटे भाई की मौत

कैमूर में बाइक से लौट रहा था सामान खरीदकर, ट्रक ने मारी टक्कर साथी गंभीर

कैमूर, एजेंसी। कैमूर के मोहनिया थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। ह॥-19 पर देवकली के पास तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में अभिजीत पांडे की मौके पर ही मौत हो गई। उनके साथी ओमप्रकाश गुप्ता को गंभीर हालत में उच्च चिकित्सा केंद्र रेफर किया गया। घटना गुरुवार की रात की है। अभिजीत अपने बड़े भाई की तेरहवीं के लिए मोहनिया से सामान खरीदकर अपने गांव दुर्गावती थाना क्षेत्र के अवरिया लौट रहे थे। उनके बड़े भाई की तेरहवीं शुक्रवार को होनी थी। कांग्रेस महिला प्रकोष्ठ की जिला अध्यक्ष नीतू कुमारी घटनास्थल पर पहुंचीं। उन्होंने घायलों

को अनुमंडल अस्पताल मोहनिया पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने अभिजीत को मृत घोषित कर दिया।

घायल को बनारस किया रेफर -मोहनिया की जिला परिषद सदस्य गीता पासी ने बताया कि पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भभुआ भेज दिया है। घायल ओमप्रकाश को बनारस के ट्रामा सेंटर रेफर किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

आरा में 2 दोस्त आपस में भिड़े:एक ने ब्लेड से किया हमला दूसरे ने ईंट से सिर फोड़ा

समोसे के पैसे को लेकर हुआ था विवाद

आरा (भोजपुर), एजेंसी। आरा में समोसे के विवाद में दो दोस्त आपस में भिड़ गए। एक दोस्त ने ब्लेड से हमला कर दिया। दूसरे से ईंट से मारकर सिर फोड़ दिया। मामले की सूचना पर पुलिस मौक पर पहुंची। दोनों को इलाज के लिए सदर अस्पताल में एडमिट कराया गया है। घायलों की पहचान टाउन थाना क्षेत्र के भलुहीपुर निवासी सोनू कुमार(17) और चंदन कुमार(18) के तौर पर हुई है। । घटना नवादा थाना क्षेत्र के पूर्वी गुमटी के पास की है।

पैसे देने को लेकर हुआ था विवाद - अस्पताल में भर्ती सोनू ने बताया कि दोस्त चंदन के साथ समोसा खाने दुकान पर गया था। खाने के बाद पैसा देने को लेकर

विवाद हो गया। बात इतनी बढ़ गई कि चंदन ने ब्लेड से वार कर दिया। मैंने भी ईंट से मारा। वहीं, चंदन ने बताया कि समोसे के दुकान पर पैसे को लेकर कहासुनी हुई थी।

पहले सोनू ने ही ईंट से मारा था। ऑन ड्यूटी डॉक्टर ने बताया कि ब्लेड से कटने के कारण खून बहा है। दोनों का प्राथमिक उपचार कर दिया गया। खतरे से बाहर है। पुलिस अपने स्तर से मामले की छानबीन कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

चतरा के नावाटांड में हाथियों का कहर

चतरा, एजेंसी। चतरा जिले के टंडवा प्रखंड

अंतर्गत राहम पंचायत के नावाटांड गांव में बुधवार देर रात हाथियों के एक झुंड ने भारी तबाही मचाई। करीब 10 हाथियों का झुंड देर रात गांव में घुस आया और करीब एक घंटे तक उत्पात मचाया। इस दौरान हाथियों ने कई घरों को नुकसान पहुंचाया और खेतों में खड़ी फसलों को रौंद डाला। गांव में दहशत का माहौल है और लोग पूरी रात भयभीत रहे। ग्रामीणों के अनुसार, हाथियों का झुंड बुधवार रात करीब 1 बजे गांव में दाखिल हुआ। सबसे पहले उन्होंने घरों को निशाना बनाना शुरू किया। कई कच्चे और पक्के मकानों की दीवारें तोड़ दी गई और खिड़कियों को भी नुकसान पहुंचा। एक घर की खिड़की तोड़कर हाथी भीतर घुसने ही वाला था, लेकिन गनीमत रही कि समय रहते घरवालों की नींद खुल गई और वे शोर मचाकर किसी तरह बाहर निकलने में सफल रहे। ग्रामीणों ने मशाल जलाकर और शोर मचाकर हाथियों को गांव से बाहर खदेड़ा। हालांकि, ग्रामीणों में अब भी भय का माहौल बना हुआ है कि कहीं हाथियों का झुंड दोबारा न लौट आए। हाथियों ने घरों में रखा अनाज खा लिया और खेतों में लगी मक्का, धान जैसी फसलों को भी बर्बाद कर दिया। इससे किसानों को भारी नुकसान हुआ है। हाथियों के हमले के बाद ग्रामीणों ने तुरंत वन विभाग को घटना की जानकारी दी है। लोगों की मांग है कि वन विभाग प्रभावित परिवारों को मुआवजा दे और हाथियों को गांव से दूर रखने की ठोस व्यवस्था करे। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह पहली बार नहीं है जब गांव में हाथियों ने उत्पात मचाया हो। अक्सर जंगली हाथियों का झुंड भोजन की तलाश में रिहायशी इलाकों में घुस आता है। इससे न केवल संपत्ति का नुकसान होता है, बल्कि जान का भी खतरा बना रहता है। ग्रामीणों ने वन विभाग से अपील की है कि हाथियों के हमले से स्थायी समाधान निकाला जाए।

जामताड़ा पर से हटेगा अपराध का कलंक

जामताड़ा, एजेंसी। जिले को साइबर अपराध मुक्त बनाने के लिए जिला प्रशासन ने 72 साइबर सिक्योरिटी क्लब बनाने का फैसला लिया है। जहां साइबर योद्धा लोगों को जागरूक करेंगे और स्कूली बच्चों को साइबर से कैसे बचे, बताने और जागरूक करने का काम करेंगे। इसके लिए 72 मास्टर ट्रेनर तैयार किए जा रहे हैं। साइबर अपराध के लिए जामताड़ा हब माना जाता है। पूरे देश में साइबर अपराधियों के लिए जामताड़ा बदनाम है। इस बदनामी के दाग को मिटाने के लिए जामताड़ा जिला प्रशासन ने 72 साइबर सिक्योरिटी क्लब खोलने का फैसला किया है, जहां मास्टर ट्रेनर साइबर योद्धा के रूप में स्कूली बच्चों और लोगों को साइबर अपराध से बचाव के सिए जागरूक करेंगे। इसके लिए जिला प्रशासन ने पूरी तैयारी शुरू कर दी है। पूरे देश में साइबर सिक्योरिटी के क्षेत्र में काम कर रही आईएसईए संस्था को इसकी जिम्मेदारी सौंपी गई है। जिसके पदाधिकारी मास्टर ट्रेनर तैयार कर 72 साइबर सिक्योरिटी क्लब के द्वारा जागरूकता फैलाने का काम करेंगे। तकनीकी और डिजिटल युग में किस तरह साइबर अपराध से बचा जा सके इसके लिये संस्था स्कूली बच्चों को भी प्रशिक्षण देकर जागरूक करेगी। साइबर सिक्योरिटी क्लब किस तरह जागरूक करेगी, कैसे काम करेगी इसके बारे में जानकारी देते हुए जामताड़ा के उपायुक्त रवि आनंद ने बताया कि साइबर सिक्योरिटी क्लब खोलने का मुख्य उद्देश्य जामताड़ा से साइबर अपराध को समाप्त करना है और जिला जो इसके लिए बदनाम है उस बदनामी के दाग को मिटाना है। उन्होंने कहा कि साइबर सिक्योरिटी क्लब के माध्यम से बेहतर ट्रेनर तैयार किये जा रहे हैं जो क्लब में प्रशिक्षण देकर लोगों को जागरूक करेंगे। आईएसईए संस्था के पदाधिकारी ने बताया कि वो साइबर अपराध के क्षेत्र में जागरूकता को लेकर पूरे देश भर में काम कर रहे हैं। इसी को लेकर जामताड़ा में 72 साइबर सिक्योरिटी क्लब खोलकर प्रशिक्षण देकर लोगों को जागरूक करने का काम किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जामताड़ा साइबर हब है। जो देश भर में बदनाम है और प्रशिक्षण देकर इसमें काफी हद तक रोक लगाई जा सकती है जो काफी चुनौतीपूर्ण है।

कलेक्टर के लिए नहीं रोका जाता ट्रैफिक

रांची, एजेंसी। भगवान बिरसा मुंडा की 125वीं पुण्यतिथि पर 9 जून को रांची में एक फर्जी वीडियो तेजी से वायरल हुआ. फर्जी वायरल वीडियो में बताया गया कि बारिश के बावजूद रांची डीसी (कलेक्टर) की गाड़ी (काफिला) पार कराने के लिए ट्रैफिक को रोक दिया गया था. वाहन चालक बारिश में भींग रहे थे. इससे वे भड़क गए और ट्रैफिक पर तैनात पुलिस अधिकारी से भिड़ गए. दोनों के बीच काफी बहस हुई. एक मिनट चार सेकंड के इस फर्जी वीडियो पर रांची डीसी मंजूनाथ भजंत्री ने सोशल मीडिया पर एक्स पर टिप्पणी की है. उन्होंने कहा है कि कलेक्टर के लिए ट्रैफिक नहीं रोका जाता।
एक फर्जी वायरल वीडियो पर रांची डीसी मंजूनाथ भजंत्री ने सोशल मीडिया पर कहा है कि इस तथाकथित वीडियो में कलेक्टर नहीं हैं, ना ही कलेक्टर की गाड़ी है. कलेक्टर के लिए ट्रैफिक नहीं रोका जाता है. अन्य कोई वीडियो को दर्शाते हुए गलत तथ्यों को कृपया पेश नहीं करें. आम नागरिकों में भ्रम की स्थिति पैदा नहीं करें।

चक्रधरपुर रेल मंडल में फिर रेल हादसे का बना नया रिकॉर्ड

एक मालगाड़ी दो बार हुई दुर्घटनाग्रस्त

चक्रधरपुर, एजेंसी। चक्रधरपुर रेल मंडल में रेल हादसों का दौर थमता नजर नहीं आ रहा है। आए दिन रेल हादसों की खबर अखबारों में सुर्खियां बटोर रही है, लेकिन जिम्मेदार लोग इसे रोकने में नाकाम हैं। ताजा मामले में चक्रधरपुर रेल मंडल के अंतर्गत आने वाले मुर्गा महादेव स्टेशन यार्ड में गुरुवार की दोपहर दो बजे के करीब एन/सीबीएसपी नामक मालगाड़ी जो देवझर साइडिंग से आयरन ओर लोड कर जा रही थी वह दुर्घटनाग्रस्त हो गई।

सबसे चिंता का विषय यह है की दुर्घटना के बाद आधी सुरक्षित मालगाड़ी को ले जा रही ट्रेन भी देवझर स्टेशन के समीप हादसे का शिकार हो गई। देवझर में मालगाड़ी के दो वैगन पटरी से उतरकर पलट गयी। यानि की एक दिन में एक मालगाड़ी चंद घंटे के अंदर दो जगह रेल हादसे का शिकार हुई। इस घटना के बाद ट्रेनों का परिचालन चार घंटे तक ठप रहा। मुर्गा महादेव स्टेशन यार्ड के समीप आयरन ओर लदी हुई मालगाड़ी का एक डिब्बा पटरी से उतरकर पलट गया। घटना के बाद चक्रधरपुर रेल मंडल मुख्यालय के ट्रेन कंट्रोल रूम से चार हूटर बजाया गया। इसके बाद चक्रधरपुर से और डांगुवापोसी से घटना स्थल की ओर 140 टन क्रेन के साथ एक्सीडेंट रिलीफ वेन के रेलकर्मी घटना स्थल की ओर रवाना हुए। वहीं, चक्रधरपुर रेल मंडल के डीआरएम तरुण हुरिया रेल अधिकारियों के संग स्पीक नामक निरीक्षण स्पेशल ट्रेन से घटना स्थल पहुंचे। डीआरएम के संग एडीआरएम इंफ्रा, सीनियर डीसीएम, सीनियर डीएमई, सीनियर डीएसओ, डीएसटीई, डीईईजी सहित अन्य रेल अधिकारी घटना स्थल पर पहुंचकर राहत बचाव कार्य का अवलोकन किया।

हादसे के बाद मुर्गा महादेव में मेन लाइन पर ट्रेनों की आवाजाही रोक दी गई। इसके बाद डाउन लाइन में शाम 06-25 बजे परिचालन शुरू किया गया, लेकिन इसके कुछ ही देर बाद देवझर में उसी मालगाड़ी का पिछला हिस्सा वापस ले जाते समय फिर से रेल हादसे का शिकार हुई। इस बार मालगाड़ी के दो वैगन पटरी से उतरकर पलट गयी और इससे ओएचई तार और खंबे को भी नुकसान पहुंचा।

जिसके कारण दोनों मेन लाइन पर शाम सात बजे ट्रेनों पुरी तरह से ठप पड़ गया। दो-दो बार मालगाड़ी कैसे दुर्घटनाग्रस्त हुई है इसका पता नहीं चल पाया है। लेकिन इस मामले को लेकर जांच के भी आदेश दे दिए गए है। मालगाड़ी के दुर्घटना ग्रस्त होने से डाउन रेल लाइन में ट्रेनों का परिचालन दोपहर 02-20 बजे से शाम 06-30 बजे तक ठप रहा। इसी दौरान ट्रेन नंबर 20891 टाटानगर ब्रह्मपुर वंदे भारत एक्सप्रेस दो घंटे और ट्रेन नंबर 18416 पुरी बड़बील एक्सप्रेस तीन घंटे तक मुर्गा महादेव रोड स्टेशन में खड़ी रही। वंदे भारत एक्सप्रेस मुर्गा महादेव रोड स्टेशन में दोपहर 04-27 बजे से लेकर शाम 06-32 बजे तक खड़ी रही, जबकि पुरी बड़बील एक्सप्रेस दोपहर 02 बजे से लेकर 05:50 बजे तक खड़ी रही। एक रेल लाइन के क्लियर होने के बाद वंदे भारत एक्सप्रेस और इंटरसिटी एक्सप्रेस गंतव्य के लिए रवाना हुई।

चक्रधरपुर रेल मंडल में लगातार हो रहे ट्रेन दुर्घटना को लेकर मंडल में सुरक्षित ट्रेन परिचालन पर कई सवाल खड़े हो रहे है। आये दिन मंडल के विभिन्न रेल खंडो से ट्रेन हादसे की खबर सुर्खियों बन रही है। हादसे के बाद जांच के भी आदेश दिए जा रहे हैं, लेकिन मंडल में ट्रेन हादसे रुक नहीं रहे है। जानकार बताते हैं की चक्रधरपुर रेल मंडल में मालगाड़ियों के परिचालन का इतना भारी दबाव है कि सुरक्षा को भी ताक पर रखकर ट्रेन परिचालन को अधिकारी से लेकर कर्मचारी मजबूर है।

एमबीबीएस में नामांकन के लिए काउंसिलिंग की प्रक्रिया शुरू

26 जुलाई तक होगा ऑनलाइन आवेदन

रांची, एजेंसी। राज्य के सरकारी एवं गैर सरकारी मेडिकल व डेंटल कॉलेजों में एमबीबीएस व बीडीएस में नामांकन के लिए काउंसिलिंग की प्रक्रिया शुरू हो गई है। झारखंड संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा पर्षद ने स्वास्थ्य विभाग की अनुशंसा पर काउंसिलिंग के विभिन्न चरणों की तिथियां घोषित कर दी हैं।

एमबीबीएस में नामांकन के लिए नीट-यूजी के प्राप्तांकों के आधार पर राज्य मेधा तैयार होगी, जिसके अनुसार अभ्यर्थियों को सीटें आवंटित की जाएगी। इसके माध्यम से एमबीबीएस, बीडीएस तथा बीएचएमएस में नामांकन होगा। पर्षद द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार, नीट-यूजी उत्तीर्ण अभ्यर्थी राज्य मेधा सूची में सम्मिलित होने के लिए 26 जुलाई तक पर्षद के पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन करेंगे। इसकी अंतिम तिथि 26 जुलाई निर्धारित की गई है। 27 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन में किसी प्रकार का संशोधन होगा। राज्य मेधा सूची का प्रकाशन 29 जुलाई को किया जाएगा। इसके बाद 30 जुलाई से पहली काउंसिलिंग शुरू होगी। पहली काउंसिलिंग के बाद रिक्त रह जाने वाली सीटों को भरने के लिए 11 अगस्त से दूसरी काउंसिलिंग शुरू होगी।

काउंसिलिंग में सम्मिलित होनेवाले अभ्यर्थियों को निर्धारित सुरक्षा राशि जमा करनी होगी। सरकारी मेडिकल कालेजों के लिए यह राशि 20 हजार (एससी, एसटी, ओबीसी तथा दिव्यांग के लिए 10 हजार रुपये) रुपये है। निजी संस्थानों के मामले में एमबीबीएस के लिए यह राशि दो लाख तथा बीडीएस के लिए एक लाख रुपये है। दूसरी काउंसिलिंग के बाद नामांकन नहीं लेने पर यह राशि जब्त हो जाएगी। नामांकन लेने पर यह राशि वापस हो जाएगी।

रांची में बड़ा हादसा

भर-भराकर गिरी स्कूल की छत, एक की मौत, रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची में शुक्रवार की सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया. सुखदेवनगर थाना क्षेत्र के पिस्का मोड़ के पास अचानक एक स्कूल की छत गिर गयी. मलबे में दबने से एक बुजुर्ग की मौके पर ही मौत हो गयी. जबकि एक या दो लोग अभी भी मलबे में दबे हुए हैं. घायलों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है. मौके पर सुखदेवनगर थाना पुलिस पहुंची है.घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार आज शुक्रवार की सुबह स्कूल के पास कई लोग खड़े थे, तभी अचानक स्कूल की छत भर-भराकर गिर गयी. मलबे में दबने से एक बुजुर्ग की मौके पर ही मौत हो गयी. जबकि कुछ लोग मलबे में फंसे हुए हैं. कुछ लोगों का कहना है कि बुजुर्ग स्कूल के अंदर सो रहे थे।

पलामू में दुकानदार की सड़क हादसे में मौत, दुकान बंद कर घर लौट रहे युवक को बाइक ने मारी टक्कर

पलामू, एजेंसी। पलामू के पाटन थाना क्षेत्र के किशनपुर गांव में एक दुकानदार की सड़क हादसे में मौत हो गई। मृतक की पहचान रजहरा गांव निवासी 28 वर्षीय मोहम्मद गुलाम वारिस के रूप में हुई है। वारिस किशनपुर में श्रृंगार स्टोर चलाता था। गुरुवार की रात को दुकान बंद करने के बाद वह एक ठेले के पास खड़ा था। इसी दौरान एक तेज रफ्तार बाइक ने पीछे से उसे टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

दुर्घटना में शामिल वाहन जब्त - स्थानीय लोगों और परिजनों ने तुरंत उसे मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शुक्रवार को पोस्टमॉर्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया गया। पाटन थाना पुलिस ने दुर्घटना में शामिल वाहन को जब्त कर लिया है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है। घटना के बाद से परिजनों की हालत बेहद दुखद है।

गिरिडीह-बिरनी मुख्य मार्ग पर ट्रक से टकराई बाइक

सिरसिया के होम्योपैथिक डॉक्टर की मौत

गिरिडीह, एजेंसी। गिरिडीह-बिरनी मुख्य मार्ग पर बाघमारा के पास गुरुवार दोपहर एक सड़क हादसे में सिरसिया के होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ. अभिषेक भारद्वाज की मौत हो गई। बाइक से जा रहे डॉ. भारद्वाज को एक तेज रफ्तार मालवाहक ट्रक ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि उनकी मौके पर ही मौत हो गई। लोगों ने ट्रक चालक को पकड़कर पिटाई कर दी घटना के बाद स्थानीय लोगों ने ट्रक चालक को पकड़कर पिटाई कर दी। सूचना मिलते ही मुफ्फसिल थाना प्रभारी श्याम किशोर महतो पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने चालक को भीड़ से बचाकर हिरासत में लिया और ट्रक को जब्त कर लिया। स्थानीय लोगों के अनुसार, डॉ. अभिषेक क्षेत्र के लोकप्रिय और सेवाभावी चिकित्सक थे। उनकी मौत से इलाके में शोक की लहर है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए गिरिडीह सदर अस्पताल भेज दिया है। स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन से दुर्घटनास्थल पर ट्रैफिक नियंत्रण की उचित व्यवस्था की मांग की है। घटना की सूचना मिलने पर मृतक के परिजन मौके पर पहुंचे।

निकाय चुनाव को लेकर राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग कर रहा ट्रिपल टेस्ट, अक्टूबर-नवंबर में चुनाव होने की संभावना

हजारीबाग, एजेंसी। झारखंड में जल्द से जल्द निकाय चुनाव कराने की तैयारी चल रही है। हजारीबाग पहुंचे राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष जानकी यादव ने यह जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि ट्रिपल टेस्ट की प्रक्रिया चल रही है। हजारीबाग में एक उच्चस्तरीय बैठक भी हुई। साथ ही 5 वार्डों का भौतिक सत्यापन भी हो चुका है। उन्होंने बताया कि बीएलओ द्वारा सूची जारी कर दी गई है और उसकी जांच की जा रही है। जिसमें जाति वर्ग समेत सभी बिंदुओं पर गौर किया जा रहा है। आयोग बहुत जल्द चुनाव आयोग को रिपोर्ट सौंपेगा। इस बार चुनाव में ओबीसी वर्ग को आरक्षण मिलना है। इस कारण रिपोर्ट काफी महत्वपूर्ण है। उम्मीद है कि राज्य में अक्टूबर-नवंबर तक निकाय चुनाव संपन्न हो जाएंगे।

जानकी यादव ने कहा कि हेमंत सरकार की मंशा साफ है कि वह विकास योजना को धरातल पर उतारे, इसलिए निकाय चुनाव काफी महत्वपूर्ण हैं। चुनाव संपन्न नहीं होने से विकास कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि 15 दौरे चल रहे हैं। जिसमें 15 जिलों में इस संबंध में बैठक भी की जाएगी और भौतिक जानकारी ली जाएगी। दरअसल, हजारीबाग में झारखंड मुक्ति मोर्चा जिला कमेटी की बैठक आयोजित की गई।

जमशेदपुर में बढ़ रहे डेंगू के मरीज

जमशेदपुर, एजेंसी। शहर में डेंगू ने एक बार फिर दस्तक दे दी है। गुरुवार को एमजीएम मेडिकल कॉलेज की रिपोर्ट में पांच लोगों में डेंगू की पुष्टि हुई है, जबकि सात अन्य संदिग्ध मरीजों की पहचान की गई है।

इस सीजन में अब तक कुल 14 डेंगू मरीज सामने आ चुके हैं, जिससे स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है।स्थिति की गंभीरता को देखते हुए सिविल सर्जन डॉ. साहिर पाल ने सभी अस्पतालों को अलर्ट पर रखा है और निर्देश दिया है कि जैसे ही डेंगू संदिग्ध मरीज सामने आएं, उसकी तत्काल सूचना विभाग को दें।

रिपोर्ट के अनुसार, जिन पांच मरीजों में डेंगू की पुष्टि हुई है, उनमें से चार छोटा गोविंदपुर के शेषनगर और बालाजी नगर के निवासी हैं, जबकि एक बिरसानगर क्षेत्र से है। सभी का इलाज टाटा मोटर्स अस्पताल और मानगो के गुरुनानक अस्पताल में चल रहा है। सात संदिग्ध मरीजों के नमूने भी जांच के लिए भेजे गए हैं। 2023 में डेंगू का जबरदस्त विस्फोट हुआ था, जिसके मुकाबले इस वर्ष अभी तक संख्या कम है, लेकिन लगातार बढ़ते मामलों ने प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है।

स्थानीय लोगों में विभाग की लापरवाही को लेकर नाराजगी है। जिला परिषद सदस्य डॉ. परितोष सिंह ने खुद गोविंदपुर क्षेत्र में एंटी लार्वा छिड़काव अभियान शुरू करवाया। उन्होंने कहा कि हर साल यही क्षेत्र डेंगू का केंद्र बनता है। जलजमाव, गंदगी और साफ-सफाई की कमी बनी रहती है। बावजूद इसके विभाग समय रहते सक्रिय नहीं होता। जब मरीज बढ़ने लगते हैं, तब खानापूर्ति शुरू होती है। यह सब %आग लगने पर कुआं खोदने% जैसा है। डेंगू एक वायरल संक्रमण है, जो एडीज एजिप्टाई नामक मच्छर के काटने से फैलता है। यह मच्छर दिन में काटता है और साफ पानी में पनपता है, जैसे कूलर, गमले, टायर आदि।

वरिष्ठ फिजिशियन डॉ. आरएल अग्रवाल ने बताया कि डेंगू का कोई विशेष एंटीवायरल इलाज नहीं है। मरीज को भरपूर आराम, तरल पदार्थ और पैरासिटामोल दी जाती है। एस्पिरिन और ब्रूफेन जैसी दवाएं नहीं लेनी चाहिए। प्लेटलेट्स की सतर्क निगरानी जरूरी है। गंभीर मामलों में अस्पताल में भर्ती अनिवार्य है।

10 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने चढ़ाया जल, 6 दिन में करोड़ों की आय

रांची, एजेंसी। राजकीय श्रावणी मेले में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है. अब तक 10 लाख से अधिक शिव भक्तों ने जलार्पण किया है. रोजाना 1 लाख से अधिक श्रद्धालु जलार्पण करने पहुंच रहे हैं. इधर अब सावन का दूसरा सोमवार आने वाला है. प्रशासन सोमवारी की तैयारियों में जुट गया है। इस साल सावन में पिछले छह दिनों में 10 लाख 5 हजार 561 लाख श्रद्धालुओं ने बाबा बैद्यनाथ मंदिर में जलार्पण किया. मेले में बाबा मंदिर की आय 67 लाख पार हो गयी है. दूसरी ओर बाबा मंदिर सहित विभिन्न विभागों की राजस्व वसूली के आंकड़े देखें, तो इस बार छह दिनों में प्रशासन की आय 4.15 करोड़ पार हो गयी है.

बाबा मंदिर को सर्वाधिक आय शीघ्रदर्शनम से प्राप्त हुई है. पिछले छह दिनों में 14,958 श्रद्धालुओं ने शीघ्रदर्शनम की सुविधा का लाभ उठाया. यह जानकारी डीसी नमन प्रियेश लकड़ा ने

गुरुवार को आरएल सर्राफ स्कूल परिसर में मीडिया सेंटर में प्रेस कांफ्रेंस में दी. उन्होंने जानकारी दी कि इस बार श्रावणी मेला में राज्य संयुक्त कर से अभी तक 2 करोड़ 54 लाख 40 हजार आय हुई है. इसमें सर्वाधिक आय एसजीएसटी दो करोड़ से अधिक हुई है।

स्कूली बच्चों से मिलीं कल्पना सोरेन, कहा - सफलता का शॉर्टकट नहीं

गिरिडीह, एजेंसी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी और गांडेय विधायक कल्पना मुर्मू सोरेन क्षेत्र के दौरे पर हैं। गुरुवार को उन्होंने बेंगाबाद में विभिन्न स्थानों पर आयोजित कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। उन्होंने यहां कई योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी किया। इस दौरान विधायक ने महिलाओं को संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि झारखंड की महिलाएं किसी से कम नहीं हैं। समूह से जुड़कर महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं। महिलाएं आटा चक्की चला रही हैं। तैयार आटे की मार्केटिंग कर अच्छी आय अर्जित कर रही हैं। राज्य की हेमंत सरकार महिलाओं को आगे बढ़ने के पर्याप्त अवसर दे रही है। समूह की महिलाओं को प्रशिक्षण के साथ-साथ ऋण की व्यवस्था भी उपलब्ध कराई जा रही है ताकि वे स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ सकें। कहा कि आधी आबादी को आगे बढ़ाने का सपना साकार होता दिख रहा है। यहां की समूह की महिलाओं की कार्यप्रणाली और स्वरूप को दूसरे राज्यों में अपनाया जा रहा है।

छात्रों से की बातचीत कल्पना सोरेन गुरुवार को बेंगाबाद प्लस टू उच्च विद्यालय पहुंचीं। यहां छात्राओं ने विधायक कल्पना का स्वागत किया। यहां स्कूली छात्राओं ने अपनी कला से तैयार एक चित्र कल्पना सोरेन को भेंट किया। पेंसिल से उकेरी गई कल्पना सोरेन की तस्वीर देखकर विधायक काफी प्रभावित हुईं। यहां कल्पना सोरेन ने छात्राओं से बातचीत की। कल्पना सोरेन ने बच्चों के साथ पढ़ाई के दौरान के अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि सफलता का रास्ता कभी

शॉर्टकट नहीं होता। अनुशासन, कड़ी मेहनत और आत्मविश्वास ही सफलता की ओर ले जाता है। ईमानदार प्रयास ही तरक्की की ओर ले जाते हैं।

बच्चों ने विधायक कल्पना सोरेन से खुलकर बातचीत की और कई सवाल भी पूछे, जिनका जवाब उन्होंने बेहद सहजता से दिया। स्कूली छात्राओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य सरकार स्कूलों को बेहतर बनाने के साथ-साथ बेहतर शिक्षा व्यवस्था बहाल कर रही है।

हेमंत सोरेन सरकार ने सीएम एक्सीलेंस स्कूल की स्थापना की है जहाँ सीबीएसई पैटर्न पर पढ़ाई हो रही है। प्रेरणा सत्र के बाद, स्कूल प्रबंधन के अनुरोध पर उन्होंने स्कूल के लैब, कक्षा-कक्ष, पुस्तकालय और अन्य कमरों का निरीक्षण किया और शिक्षकों व छात्राओं से जानकारी ली।

इन कार्यक्रमों में भी रहीं शामिल- यहां कार्यक्रम के दौरान विधायक ने कर्णपुरा और चपुआडीह पंचायत सचिवालय में महिला समूह की महिलाओं के बीच बैंक से प्राप्त दो करोड़ रुपये से अधिक की राशि वितरित की। कर्णपुरा में उन्होंने महिला समूह द्वारा संचालित आटा चक्की का उद्घाटन किया। इसके बाद विधायक कर्णपुरा में बनने वाले मिनी स्टेडियम के स्थल पर पहुंचे और स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने उपायुक्त रामनिवास यादव से भी आवश्यक जानकारी ली।

विधायक ने महुआर में बन रहे महिला कॉलेज का भी निरीक्षण किया। उन्होंने ठेकेदार और अधिकारियों को काम में तेजी लाने को कहा। कहा कि समय सीमा के अंदर इसे पूरा करें ताकि महिलाओं को डिग्री की पढ़ाई करने में कोई परेशानी न हो। इस दौरान एसपी डॉ। विमल कुमार, जिला 20 सूत्री उपाध्यक्ष सह झामुमो जिलाध्यक्ष संजय सिंह, डीडीसी स्मृति कुमारी, डीएसई वसीम अहमद के अलावा स्थानीय जनप्रतिनिधि, शिक्षा विभाग के अधिकारी और स्कूल के शिक्षक भी मौजूद थे।

New page 4_page 12 29.05.2025.qxd 18-07-2025 21:50 Page 1

उपायुक्त ने की आपूर्ति विभाग के कार्यों की समीक्षा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी समीरा एस ने शुक्रवार को आपूर्ति विभाग द्वारा किये जा रहे कार्यों की समीक्षा की।समाहरणालय के सभाकक्ष में आयोजित बैठक में उपायुक्त ने विभिन्न एजेंडों पर विस्तार पूर्वक चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।इस दौरान उन्होंने एनएफएसए,ग्रीन कार्ड,सोना-सोबरन धोतीसाड़ी योजना,आदिम जनजाति परिवार कल्याण योजना,आदि का प्रखंडवार समीक्षा करते हुए शत-प्रतिशत योग्य लाभुकों को लाभान्वित करने के निर्देश दिये। बैठक में डीएसओ प्रीति किस्कू ने बताया कि जिले में 95 प्रतिशत खाद्यान्न का वितरण किया जा रहा है।बैठक में राशन कार्ड डिलिशन के अनुरूप वेकैंसी क्रिएट नहीं होने को लेकर डीसी ने डीएसओ को राज्य स्तर से समन्वय स्थापित कर इसका निराकरण करने की बात कही।इसके पश्चात उपायुक्त द्वारा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम अंतर्गत जून एवं जुलाई माह में किये

गये खाद्यानों की समीक्षा किया गया।इस दौरान उन्होंने सदर मेदिनीनगर,हैदरनगर,मोहम्मदगंज एवं तरहसी प्रखंडों में राशन वितरण कार्य में बढ़ोतरी लाने के निर्देश दिये।इसी तरह एनएफएसए अंतर्गत माह सितंबर 25 का खाद्यान्न के उठाव एवं डीएसडी की गोदामवार समीक्षा की गयी।

बैठक में उपायुक्त द्वारा पीवीटीजी योजना अंतर्गत खाद्यान्न वितरण की समीक्षा करते हुए पीवीटीजी समूहों के बीच शतप्रतिशत राशन वितरण कराने की बात कही।

उन्होंने कहाकि एक भी पीवीटीजी लाभुक बगैर राशन के नहीं रहे,यह सुनिश्चित करने पर बल दिया।बैठक में उपायुक्त ने बीएसओ लॉगिन में पेंडिंग एप्लीकेशन की समीक्षा की,इस दौरान चैनपुर में सबसे अधिक आवेदन पेंडिंग पाया गया वहीं पीजीएमएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों में पाटन सबसे अव्वल रहा।उपायुक्त ने दोनों एमओ को उनके लॉगिन में पड़े आवेदनों को आगे फॉरवर्ड/निष्पादन करने की बात कही।इसी तरह धान अधिप्राप्ति, सीसीएमआर जमा किये जाने,राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम अंतर्गत जुलाई 2025 का राशन उठाव एवं वितरण, चीनी-चना दाल वितरण सहित अन्य मामलों आदि की विस्तृत समीक्षा कर संबंधितों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया।इस अवसर पर विभिन्न एजीएम व एमओ उपस्थित रहे।

दुकानदार को बंधक बनाकर लूटपाट

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अस्थावां। थाना क्षेत्र अंतर्गत जंगीपुर गांव में बीती रात हथियारबंद अपराधियों ने एक किराना दुकानदार के घर में घुसकर सदस्यों को बंधक बनाकर दो लाख रुपये की संपत्ति लूट ली। पीड़ित रंजीत साव के अनुसार, गुरुवार की देर रात करीब 12 बजे छह अपराधी छत के रास्ते घर में घुसे और पूरे परिवार को बंधक बना लिया। अपराधियों ने घर में रखे गल्ले से लगभग 40 हजार रुपए नकद और कुछ कीमती जेवरात निकाल लिए और मुख्य द्वार से फरार हो गए। घटना के समय परिवार के सभी सदस्य रात्रि भोजन कर सो रहे थे। सूचना मिलते ही अस्थावां थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। मौके पर विधि विज्ञान प्रयोगशाला की टीम व डॉग स्क्वायड को बुलाया गया। घटनास्थल से एक देसी कट्टा बरामद किया गया है। जब अपराधी भाग रहे थे तो कट्टा गिर गया था। एसडीपीओ नुरुल हक ने बताया कि कुछ महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए गए हैं। डॉग स्क्वायड द्वारा भी घटनास्थल की सूक्ष्मता से जांच की जा रही है। शीघ्र ही घटना का उद्भेदन कर लिया जाएगा।

घर के बाहर सोये 80 वर्षीय वृद्ध की गला काटकर हत्या

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गयाजी। बिहार में अपराधियों का तांडव लगातार जारी है। हर दिन अपराधी वारदातों को अंजाम देकर पुलिस को चुनौती दे रहे हैं। ताजा घटना गयाजी से सामने आई है, जहां बदमाशों ने हत्या की खौफनाक वारदात को अंजाम दिया है। इमामगंज प्रखंड के कोठी थाना क्षेत्र के तेलवारी गांव में अपराधियों ने एक वृद्ध को घर के दरवाजे पर सोए अवस्था में गला काट कर हत्या कर दिया।

इस संबंध मंझोली पंचायत के मुखिया उत्तमदीप यादव और ग्रामीण बताते है कि जगदीश साव की उम्र करीब 80 साल है। उनसे किसी को कोई दुश्मनी भी नहीं है। वे सब दिन घर के बाहर दरवाजे पर ही सोया करते थे। घटना की रात भी खाना खाने के बाद दरवाजे पर ही हर दिन की तरह खाट पर मच्छड़दानी लगा कर सो रहे थे। रात के करीब बारह

गला कटने के दो घंटे बाद तक तड़पता रहा मृतक

बजे कुछ अपराधी आए और तेज धारदार हथियार से गला काटकर भाग गए। लेकिन उनकी मौत तुरंत नहीं हुई थी। वे इस दर्दनाक घटना के बाद भी करीब दो से तीन घंटे तक तड़पते रहे। दरवाजे पर खटपट की आवाज आने के बाद घर के लोग जागे और थाना को सूचना दिया।

इस घटना के दर्दनाक सीन को देखकर लोग दंग रह गए। मृतक को मौत से पहले तड़पते देखकर स्वजनों ने ग्रामीणों के सहयोग से एंबुलेंस बुलाकर सीएचसी इमामगंज में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टरों ने देखते ही मृत घोषित कर दिया। इसके बाद पुलिस दिन में करीब छह बजे घटना स्थल पहुंची। ग्रामीण पुलिस पर आरोप लगा रहे है कि अगर पुलिस सूचना के तुरंत बाद पहुंच जाती और समय से अस्पताल में भर्ती करा दिया जाता, तो उनकी जान भी बच सकता था।

इस संबंध में थानाध्यक्ष संजीत कुमार ने बताया कि तेलवारी गांव निवासी जगदीश साव को अपराधियों ने बीते रात करीब बारह बजे घर के दरवाजे पर सोए अवस्था में गला काटकर हत्या कर दिया। उन्होंने बताया कि मृतक ओझा गुणी का काम करता था। स्वजनों का आशंका है कि उसी को लेकर किसी के द्वारा रात में गला काट कर हत्या कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के बाद स्वजनों को सौंप दिया गया है। उन्होंने बताया कि मृतक के स्वजनों के द्वारा आवेदन नहीं दिया गया है। आवेदन मिलने के बाद आगे कानूनी कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद से मृतक के स्वजनों को रो-रोकर बुरा हाल है।

पंचायत उन्नति विषय पर राज्य स्तरीय कार्यशाला

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। रांची में आज पंचायत उन्नति सूचकांक विषय पर राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस मौके पर पंचायती राज विभाग के अधिकारियों और विभिन्न जिलों से आए जनप्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। कार्यशाला के दौरान जिलों में हुए विकास कार्यों के आधार पर रिपोर्ट कार्ड को भी जारी किया गया। मौके पर पंचायती राज विभाग की निदेशक राजेश्वरी बी ने बताया कि वर्ष 2022-23 में पंचायत में हुए विकास कार्य जैसे महिला सशक्तिकरण, गरीबी उन्मूलन, आजीविका मिशन, स्वास्थ्य,क्लीन एंड ग्रीन पंचायत, चाइल्ड फ्रेंडली पंचायत और पेयजल विभाग समिति कुछ अन्य विभागों में किए गए कार्यों के आधार पर सूचकांक तैयार किया गया है। जिसे भारत सरकार के पोर्टल पर अपलोड किया जाता है। उन्होंने बताया कि अपलोड पोर्टल के आधार पर पंचायत और जिलों को विभिन्न श्रेणियां में बताकर सम्मानित किया जाता है। वर्ष 2023 24 के आंकड़ों के अनुसार राज्य में लोहरदगा जिला पहले नंबर पर है जबकि खूंटी दूसरे और चाईबासा तीसरे नंबर पर है।

इस मौके पर राज्य में पहला स्थान प्राप्त कर चुकी लोहरदगा जिला परिषद अध्यक्ष रीना कुमारी ने कहा कि विभागीय पदाधिकारी और जनप्रतिनिधियों के समन्वय से विकास कार्यों को गति मिलती है। उन्होंने कहा कि उन्हें खुशी है कि लोहरदगा जिला को अलग-अलग नो श्रेणियो में पहला स्थान मिला है।

शराब की खेप बरामद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अरवल। उत्पाद विभाग की पुलिस ने पटना-औरंगाबाद एनएच-139 पर दिलावरपुर गांव के पास से अंग्रेजी शराब की बड़ी खेप जब्त की है। शराब की यह खेप पिकअप वैन पर आलू भरी बोरियों के बीच छिपाकर झारखंड के रांची से लाई जा रही थी।

एक तिमाही के बाद भी विभागों द्वारा राशि खर्च न करना दुखद : अविनाश वर्मा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू) । भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्य समिति सदस्य अविनाश कुमार वर्मा ने कहा कि झारखंड में चल रही इंडिया गठबंधन की सरकार में शामिल कांग्रेस कोटे के मंत्रियों द्वारा चालू वित्तीय वर्ष की प्रथम तिमाही में लक्ष्य के अनुरूप राशि खर्च नहीं करने पर सवाल उठाया है। झारखंड सरकार के वर्तमान हालात पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री अपने पिता व राज्य के सबसे वरिष्ठ नेता शिबू सोरेन के इलाज के निमित्त दिल्ली में व्यस्त हैं। ऐसे में पक्ष- विपक्ष के कई लोगों का मिलने के लिए आना- जाना लगा हुआ है। ऐसे में झारखंड कोट के महत्वपूर्ण विभागों के मंत्रियों द्वारा चालू वित्तीय वर्ष में लक्ष्य के अनुरूप राशि खर्च नहीं करने पर आश्चर्य प्रकट किया है।

अविनाश वर्मा ने उदाहरण स्वरूप कहा कि ग्रामीण विकास मंत्रालय के तहत चालू वित्तीय वर्ष में जहां 1500 किलोमीटर ग्रामीण सड़कों का निर्माण होना था। मगर एक तिमाही से ऊपर हो जाने के बाद अभी तक सिर्फ 85 किलोमीटर ही सड़क का निर्माण हो पाया है। जबकि पंचायती राज विभाग में आवंटित बजट का एक प्रतिशत भी खर्च नहीं हुआ।

इसी तरह स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के बजट की राशि भी निर्णय का बाट जोह रही है। जबकि राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी बाइक एम्बुलेंस की योजना निर्णय के अभाव में फाइलों में पड़ी है। आपदा प्रबंधन की राशि भी आपदाओं से घिरे झारखंडी लोगों के पैरवी का इंतजार कर रही है। इसी तरह कृषि, पशुपालन व सहकारिता मंत्रालय की स्थिति और खराब है। गत वर्ष सूखा व इस वर्ष अत्यधिक बरसात का होना राज्य को अकाल का आइना दिखा रहा है। ऐसे में एक तिमाही गुजर जाने के बाद भी लक्ष्य के अनुरूप राशि का खर्च न करना झारखंड की भोली भाली जनता के साथ धोखा है। उन्होंने कहा कि शायद इसी से दुखी व व्यथित होकर इस राज्य के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने गत सप्ताह एक बैठक बुलाकर मंत्रियों द्वारा लक्ष्य से कम राशि खर्च करने पर सवाल उठाया था। ठीक यही सवाल 14 जुलाई को कांग्रेस पार्टी के द्वारा दिल्ली में आयोजित बैठक में राहुल गांधी के समक्ष भी कांग्रेस के विधायकों ने उठाया था।

अविनाश वर्मा ने कहा कि उन्हें ऐसा प्रतीत होता है कि कांग्रेस कोटे से शामिल कुछ मंत्रियों के कारण राज्य सरकार बदनामी के कगार पर जा रही है। इसका असर युवा व व्यवहारिक मुख्यमंत्री के साथ उनके अन्य साथियों पर भी पड़ने वाला है जो राज्य हित में उचित नहीं है। हालांकि कांग्रेस कोटे के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री राधा कृष्ण किशोर, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग मंत्री दीपिका पांडेय सिंह, स्वास्थ्य व परिवार कल्याण व आपदा प्रबंधन मंत्री डा इरफान अंसारी व कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग की मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की अपनी जिम्मेवारी के साथ कार्यरत हैं।

भूतपूर्व विधायक ओमीलाल आजाद को दी श्रद्धांजलि

गिरिडीह। ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक की ओर से गिरिडीह के भूतपूर्व विधायक और जाने-माने कम्युनिस्ट नेता कॉमरेड ओमीलाल आजाद के निधन पर उन्हें श्रद्धांजलि दी है पूर्व जिप सदस्य एवं फारवर्ड ब्लाक नेता राजेश यादव ने उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि, कॉमरेड आजाद का संघर्ष गिरिडीह के गरीब गुरबों के लिए आज भी यादगार है। खासकर माइका और कोयला क्षेत्र के मजदूर उन्हें किसी मसीहा से कम नहीं मानते थे। उन्होंने कहा कि, उनका जीवन संघर्ष निश्चित ही जनता के हक-अधिकारों की लड़ाई लड़ने वाली संघर्षशील ताकतों के लिए के लिए हमेशा प्रेरणा का स्त्रोत बना रहेगा।

अब तक लगभग 9 लाख कांवरियों ने किया जलार्पण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

देवघर। विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेला को लेकर 11 जुलाई से 16 जुलाई तक का आंकड़ा जिला प्रशासन ने पेश किया। देवघर डीसी ने बताया कि इस बार सावन की शुरूआत से लेकर 16 जुलाई तक कुल 8 लाख 70 हजार 53 कावड़िया गर्भगृह में लगे अरघा और बाह्य अरघा के माध्यम से जल अर्पण किए हैं। वही बाबा मंदिर से 11 जुलाई से 15 जुलाई तक 50 लाख 54 हजार 784 रुपए प्राप्त हुए हैं जिसमें सबसे अधिक शीघ्र दर्शन से 38 लाख 89 हजार 80 रुपए प्राप्त हुए हैं। वहीं मंदिर दान काउंटर से चांदी के सिक्के 10 ग्राम का 81 पीस बिक्री की गई। देवघर पहुंचने वाले विभिन्न राज्यों के वाहन से 37 लाख 5 हजार 725 रुपए शुल्क वसूला गया। इसके अलावा पेड़ा, सिंदूर, बर्तन, होटल वैट और अन्य प्रतिष्ठानों से राज्य कर के रूप में 2 लाख 54 हजार लिए गए हैं। देवघर नगर निगम के द्वारा अंतर राज्य बस पड़ाव बाघमारा अस्थाई वाहन पड़ाव सहित अन्य चीजों से 40 लाख 13 हजार 500 शुल्क वसूला गया। डीसी ने कहा कि कांवरियों की सुलभ जलार्पण और देवघर पहुंचने वाले कावरियों को किसी तरह की कोई परेशानी नहीं हो उसके लिए लगातार जिला प्रशासन कटिबंध है। पेयजल, शौचालय, ठहरने का उत्तम प्रबंधन सहित अन्य मूलभूत सुविधाएं कावरियों के लिए दुरुस्त की गई है।

श्रद्धालुओं ने काटा बवाल

मुंगेर। श्रावणी मेला के अवसर पर रांची से सुल्तानगंज जा रही स्पेशल ट्रेन श्रद्धालुओं के लिए परेशानी का कारण बन गई। शुक्रवार को यह ट्रेन जमालपुर स्टेशन पर तय समय से करीब दो घंटे की देरी से पहुंची। इसके बावजूद ट्रेन को स्टेशन पर एक घंटे तक खड़ा रखा गया। इससे पहले किउल स्टेशन पर भी ट्रेन को दो घंटे रोके जाने की बात सामने आई है।

उपायुक्त ने विभागों को सकारात्मक भागीदारी सुनिश्चित करने का दिया निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। उपायुक्त रामनिवास यादव स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण अभियान में सभी गिरिडीहवासी अपनी सक्रिय भागीदारी निभा रहे हैं। जिससे गिरिडीह जिला पूरे राज्य में अव्वल है। गिरिडीह जिला 25,527 सिटीजन फीडबैक के साथ पूरे राज्य में नंबर एक पोजिशन पर है। इस अवसर पर जिला उपायुक्त रामनिवास यादव ने जिले के सभी प्रबुद्ध नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण अभियान में सभी के सकारात्मक भागीदारी निभाएं। साथ ही उपायुक्त ने सभी संबंधित विभागों को निर्देश देते हुए कहा कि स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण अभियान में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लें और बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए इसे आगे बढ़ाएं। उपायुक्त ने कहा कि सभी संबंधित विभाग को जो भी दायित्व सौंपा गया है, उसका शत-प्रतिशत प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित कराएं और प्रगति सुनिश्चित करें। इसके साथ ही उपायुक्त ने सभी विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि सभी के सकारात्मक भागीदारी और प्रयास से ही गिरिडीह जिला पूरे राज्य में अव्वल आया है। उन्होंने इस पोजीशन को बरकरार रखने का निर्देश दिया है। उपायुक्त ने कहा कि स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण अभियान का उद्देश्य ग्राम स्तर पर स्वच्छता के स्तर को बढ़ाना है, साथ ही स्वच्छता में सभी लोगों की भागीदारी को सुनिश्चित करना है। जिला उपायुक्त ने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी को निर्देश दिया कि स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण हेतु प्रखण्ड स्तर पर कार्यशाला का आयोजन कर सभी पंचायती राज सदस्य को इसकी जानकारी देंगे। साथ ही अपने अधीनस्थ कर्मी को एसबीएम एसएस जी -2025 ऐप्प को गुगल प्लेस्टोर से डाउनलोड कर सिटीजन फीडबैक पर अपनी प्रतिक्रिया देने हेतु निदेशित करेंगे। सिविल सर्जन को निर्देशित किया गया कि सभी ग्रामों के स्वास्थ्य केन्द्रों एवं उप स्वास्थ्य केन्द्रों में शौचालय की उपलब्धता, हाथ धोने की सुविधा सुनिश्चित करेंगे। साथ ही अपशिष्ट निपटान की व्यवस्था की उपलब्धता एवं अपशिष्ट संग्रह की नियमितता का ध्यान रखेंगे। परिसर को कचरा मुक्त एवं परिसर में एवं उसके आसपास कोई स्थिर पानी न दिखें एवं ग्रे वाटर प्रबर्धन के लिए प्रभावी व्यवस्था करना सुनिश्चित करेंगें। वर्षा ऋतु को देखते हुए जल जनित बिमारियों से बचाव हेतु ग्राम स्तर पर स्वास्थ्य सहिया को ब्लीचिंग का छिड़काव हेतु निदेशित करेंगे। इसके अलावा उपायुक्त ने जिला शिक्षा पदाधिकारी को निर्देश दिया कि सभी विद्यालयों में शौचालय की उपलब्धता एवं हाथ धोने की उपलब्धता सुनिश्चित करायेंगे। सभी विद्यालयों का कचरा मुक्त एवं परिसर में या आरापारा कोई स्थिर पानी जमा ना हो उसका ध्यान रखेंगे। सभी सहायक अभियंता एवं कनीय अभियंता को ज्यादा से ज्यादा सिटिजन फीडबैक करने हेतु निदेशित करेंगे।

एमएमसीएच की व्यवस्था हो अपडेट : रिजवान खान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। पलामू जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष रिजवान खान के नेतृत्व में कांग्रेस का एक प्रतिनिधिमंडल पलामू के नवपदस्थापित सिविल सर्जन डॉ अनिल कुमार श्रीवास्तव से मिला। उनसे मिलकर स्वास्थ्य सुविधाओं के बारे में विचार विमर्श किया। साथ ही एमएमसीएच में आने वाले सभी रोगियों का बेहतर ढंग से इलाज सुनिश्चित कराने का आग्रह किया।

इसके पूर्व उन्होंने प्रतिनिधिमंडल के साथ नए सिविल सर्जन को बुके देकर स्वागत किया। रिजवान खान ने अस्पताल में शौचालय को ठीक कराने, कमोड पैन लगाने, फैल रहे दुर्गंध को दूर करने के लिए बेहतर साफ सफाई कराने, हरेक वार्ड में समुचित पंखा लगवाने , शुद्ध पानी की व्यवस्था कराने, हरेक वार्ड में बेड की बेहतर

▶ नए सिविल सर्जन को बुके देकर किया स्वागत
▶ स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को दूर करने का किया आग्रह

व्यवस्था कराने व रोगियों के अटेंडेंट के लिए बाहर में पानी की व्यवस्था कराने का आग्रह किया।

उन्होंने सिविल सर्जन से ब्लड बैंक में समुचित मात्रा में ब्लड की व्यवस्था कराने, नर्स व अधिनास्थ कर्मचारियों से रोगियों की समुचित देखभाल कराने सहित पूरे अस्पताल परिसर की फेनायल से सफाई कराने की मांग की।

इधर सिविल सर्जन डॉ अनिल कुमार श्रीवास्तव ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि वे प्रतिनिधि मंडल में शामिल नेताओं की मांगों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करेंगे।

प्रतिनिधिमंडल में पलामू जिला मजदूर कांग्रेस के अध्यक्ष अनिल कुमार सिंह, सरमद आलम, मिथलेश सिंह व गोपाल पासवान सहित अन्य नेता शामिल थे।

प्रतीक्षारत लाभार्थियों को आवास मुहैया कराने को लिखा पत्र

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। आवास प्लस 2018 में प्रतीक्षारत लाभार्थियों को आवास मुहैया कराने को ले पलामू सांसद विष्णु दयाल राम ने केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान को पत्र लिखा है। पत्र में सांसद ने कहा है कि झारखंड राज्य में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत आवास प्लस 2018 में प्रतीक्षारत लाभार्थियों को आवास मुहैया कराने का अनुरोध किया है।

सांसद ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में केन्द्र सरकार ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार के द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण का सफलतापूर्वक क्रियान्वयन हो रहा है। कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण की योजना अंतर्गत आवास प्लस 2018 की सूची से झारखंड राज्य को अब तक 8 लाख 15 हजार दो सौ दस घरों का लक्ष्य आवंटित किया गया। इसके विरुद्ध 7 लाख 40 हजार नौ सौ 73 लाभार्थियों को आवास स्वीकृत किया गया। तीन लाख 89 हजार दो सौ 21 आवास पूर्ण हुए हैं। परंतु अभी भी राज्य की आवास प्लस की सूची में दो लाख 22 हजार 69 पात्र लाभार्थी शेष वंचित रह गए हैं। जिन्हें घर दिया जाना अति आवश्यक है।

सांसद ने कहा कि केंद्र सरकार बजट 2024-25 के घोषणा पत्र अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में दो करोड़ अतिरिक्त आवासों का निर्माण का लक्ष्य निर्धारित किया है।

दक्षिण पूर्व रेलवे-निविदा

निविदा सूचना सं.: एसएनटी_ई_टेंडर_एडीए_25_26_05, दिनांक 17.07.2025; भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता, दक्षिण पूर्व रेलवे, आद्रा, पिन-723121, पश्चिम बंगाल द्वारा निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। **कार्य का नाम:** नीचे उल्लेखित कार्य के संबंध में अन्य गीयरों के साथ सिग्नलिंग तथा टेलीकॉम आउटडोर केबल स्थानांतरण कार्यः (i) आद्रा मंडल के तुपकाडीह-बोकारो स्टील सिटी-कोटशिला-मुरी अनुभाग में 10 अदद पुलों [पुल सं. 20, 25, 29, 65, 49, 48, 38, 41, 76 एवं 86 (5 अदद बॉक्स एवं 5 अदद पाइप पुशिंग)] का मजबूतीकरण/पुनरुद्धार/पुनः निर्माण। परियोजना आईडीः 12.01.32.24.3.50.009, (ii) आद्रा मंडल में आद्रा-आसनसोल, कोटशिला-बोकारो स्टील सिटी, तालगड़िया-बोकारो स्टील सिटी तथा दामोदर-कालीपहाड़ी अनुभाग के बीच 11 अदद पुलों (पुल सं. 35, 36, 34अप, 34डाउन, 343आरडी, 528, 528, 528, 528, 11 एवं 2बीके) 1x12.2एमजी स्पन स्टील गर्डरों का 1x12.2एमजी पीएससी गर्डर में रूपांतरण के साथ आरसीसी जैकेटिंग के लिए प्रस्ताव। परियोजना आईडीः 12.01.32.24.3.50.006, (iii) अनारा में ईआई भवन की पहली मंजिल पर नई क्रू लॉबी, क्रू प्रतीक्षालय, क्रू परामर्श कक्ष, महिलाओं तथा पुरुषों के लिए शौचालय का निर्माण। परियोजना आईडीः 12.01.16.21.1.55.002, (iv) बोकारो स्टील सिटी में मौजूदा क्रू लॉबी के विस्तार के संबंध में आकंलन। परियोजना आईडीः 12.01.16.21.1.55.002, (v) आद्रा मंडल में विभिन्न स्थानों पर अर्थ लीकेज डिटेक्टर (ईएलडी) का प्रावधान। परियोजना आईडीः 12.01.33.24.4.50.001, (vi) मिदनापुर-गरबेता अनुभाग में पाइप पुशिंग द्वारा 31 अदद पुलों का मजबूतीकरण/पुनरुद्धार/पुनर्निर्माण तथा 08 अदद पुलों का पुनरुद्धार। (परियोजना आईडीः 12.01.32.23.1.11.002), (vii) आद्रा मंडल में गरबेता में पाइप पुशिंग द्वारा 27 अदद पुलों का मजबूतीकरण/पुनरुद्धार/पुनर्निर्माण तथा 08 अदद पुलों का पुनरुद्धार। (परियोजना आईडीः 12.01.32.23.1.11. 003)। **निविदा मूल्यः** रु. 4,26,83,261.96; **निविदा बंद होने की तारीख एवं समयः** 08.08.2025 को पूर्वाह्न 11.00 बजे तक। **(PR-414)**

पूर्व रेलवे

पुनः नीलामी सूचना

सिमुलतला में रेलवे लोको ग्राउंड टैंक में मत्स्यपालन

सं. एल/2/एसटीएल टैंक/ऑक्शन/25 **दिनांकः 17.07.2025**

सहायक अभियंता, पूर्व रेलवे, जसीडीह के द्वारा **दिनांक 01.07.2025 से 30.06.2028 (03 वर्ष)** की अवधि के लिए सिमुलतला में रेलवे लोको ग्राउंड टैंक में मत्स्यपालन के प्रयोजन से लाइसेंस जारी करने के लिए पुनःनीलामी आमंत्रित की जाती है जो सहायक अभियंता, पूर्व रेलवे, जसीडीह के कक्ष में **दिनांक 25.07.2025 को 11.00 बजे** आयोजित होगी। **टैंक का स्थानः** रेलवे लोको ग्राउंड टैंक, सिमुलतला, **टैंक का क्षेत्रफलः** 2,92,500 वर्ग फीट, **मूल मूल्यः** रु.4,45,500/-

ASN-126/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (IV), पूर्व रेलवे, हावड़ा, रेलवे स्टेशन के पास डीआरएम बिल्डिंग, हावड़ा-711101 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए सिंचाई/सीपीडब्ल्यूडी/एसईबी/एमईएस या किसी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम से पंजीकृत समेत समप्रकृति के कार्य के अनुभवी एवं अपेक्षित वित्तीय संपन्न निविदाकारों से निम्नलिखित ई-निविदा आमंत्रित की जाती हैः वरिष्ठ डीईएन/4/हावड़ा। **क्रम सं. 1, ई-निविदा सं. : 99_2025-26 वरिष्ठ डीईएन/4/एचडब्ल्यूएच। कार्य का विवरण** : एईएन/रामपुरहाट के तहत रामपुरहाट-दुमका के बीच एसएसई/पी.वे/रामपुरहाट के अधीन पी.वे रखरखाव कार्य (किमी.-101/0-162/2)। **अनुमानित मूल्यः** रु. 1,76,19,256.86, **बयाना राशिः** रु. 2,38,100/-, **क्रम सं. 2, ई-निविदा सं. : 100_2025-26 वरिष्ठ डीईएन/4/ एचडब्ल्यूएच। कार्य का विवरण** : किमी.45/900 से 88/0 तक प्रांतिक और मल्लारपुर के बीच एसएसई/पी.वे/सांइथिया के अधीन पी.वे रखरखाव कार्य। **अनुमानित मूल्य :** रु. 1,53,17,817.47, **बयाना राशि :** रु. 2,26,600/-, **निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु.)**: शून्य (क्रम सं. 1 एवं 2 प्रत्येक हेतु)। **समापन अवधि** : स्वीकृति पत्र जारी करने की तिथि से 10 (दस) माह (क्रम सं. 1 एवं 2 प्रत्येक हेतु) । यदि निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लिखित अंतिम तिथि को किसी भी कारण से अवकाश/बंद/ हड़ताल घोषित किया जाता है, तो ऑनलाइन निविदा की अंतिम तिथि नहीं बदली जाएगी क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में किया गया आवेदन, निविदा की अंतिम तिथि और समय के बाद किसी भी प्रस्ताव को जमा करने की अनुमति नहीं देता है। तथापि निविदाओं का ऑनलाइन खोला जाना अगले कार्यदिवस में किया जाएगा। **निविदा की अंतिम तिथि और समय : दिनांक 07.08.2025 को 14.00 बजे** (क्रम सं. 1 एवं 2 प्रत्येक हेतु)। निविदा का विवरण वेबसाइट : **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकारों से अनुरोध किया जाता है कि अपने प्रस्ताव को उपर्युक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करें। ई-निविदा प्रणाली के मामले में, बयाना राशि जमा (ईएमडी) और निविदा कागजात की लागत का भुगतान, केवल नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे के माध्यम से उपर्युक्त वेबसाइट के माध्यम से स्वीकार किया जाएगा। **टिप्पणीः** आईआरईपीएस (ई-निविदा पोर्टल) पर आमंत्रित निविदाओं के लिए ईएमडी के रूप में कोई फिक्सड डिपॉजिट रिसीट (एफडीआर) स्वीकार नहीं की जाएगी। कोई मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार्य नहीं होगा।

HWH-200/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पुलिस ने किया हत्याकांड का खुलासा, दो गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रामगढ़। रामगढ़ पुलिस अधीक्षक सभा कक्ष में आज एक संवाददाता सम्मेलन का आयोजन हुआ जिसमें पुलिस अधीक्षक अजय कुमार ने बीते दिनों बरकाकाना ओपी क्षेत्र में हुए हत्याकांड का खुलासा किया। हत्या में शामिल दो अपराधियों को गिरफ्तार करते हुए हत्या में प्रयुक्त सामान भी बरामद किए गए।

गिरफ्तार अभियुक्तों पर पूर्व में भी हत्या के मामले दर्ज थे। घटनाक्रम के अनुसार 06 जुलाई को मो सयूब अंसारी द्वारा अपने पुत्र सउद, उम्र 24 वर्ष के लापता होने की सूचना बरकाकाना ओपी में दी गई थी। जांच में सामने आया कि मृतक की हत्या उसके चचेरे भाई आफताब अंसारी और ऐबाद उर्फ आवाद अंसारी ने की थी। आरोपियों ने मृतक को गांव से दूर ले जाकर नशीली दवा देकर गला दबाकर हत्या की और शव को बंद पड़े चिमनी भट्टा में फेंक दिया। इसके लिए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर सहायक पुलिस अधीक्षक सह अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी पतरातु के नेतृत्व में एक अनुसंधान टीम का गठन किया गया जिसमें आधे दर्जन से ज्यादा पुलिस पदाधिकारी शामिल थे।

13 जुलाई को आरोपी आफताब अंसारी को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उसने हत्या की बात स्वीकार की और आपसी रंजिश की बात बताई साथ ही हत्या में प्रयुक्त कपड़े, नशे की दवा और मोबाइल को पुलिस ने बरामद किया।

पुलिस ने वैज्ञानिक तरीके से जांच कर हत्या कांड का खुलासा किया है। पूरे मामले में पुलिस अधीक्षक अजय कुमार ने पूरे घटनाक्रम के बारे में बताया।

माले ने किया जेपी चौक पर प्रदर्शन

नव बिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह । जर्जर सड़कों और निर्माण में देरी के विरोध में भाकपा माले का विरोध गिरिडीह जिला अंतर्गत पचम्बा फोर लेन, पचम्बा रेलवे पुल रोड, न्यू गिरिडीह रेलवे स्टेशन रोड, डांडेडीह रेलवे पुल, दुखिया महादेव रोड, चैताडीह सदर अस्पताल मेन गेट के सामने की पचम्बा बाईपास रोड सहित कई प्रमुख सड़कों की जर्जर स्थिति और निर्माण कार्यों में हो रही अतिदेरी को लेकर आज भाकपा (माले) की टीम ने जेपी चौक जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। मालेके राजेश सिन्हा के नेतृत्व में दर्जनों की संख्या में लोगों ने जे.पी. चौक में प्रतिनिधि, प्रशासन और संबंधित विभाग के खिलाफ नाराजगी जताई। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि गिरिडीह के आम नागरिक लंबे समय से इन सड़कों की बदहाल स्थिति से परेशान हैं, लेकिन प्रतिनिधि,विभाग और प्रशासन की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा है।विरोध शामिल नौशाद, मजहर, निशांत, चुन्नू,एकराम,इम्तियाज ने कहा कि इन सड़कों की मरम्मत और निर्माण में हो रही देरी दुर्घटनाओं को आमंत्रण दे रही है, जिससे लोगों का जीवन संकट में है।

उपरोक्त लिखे हुए सभी रोड में बहुत दिक्कत है,जर्जर हो गई है रोड भाकपा माले ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही इन सड़कों की मरम्मत और निर्माण कार्य नहीं शुरू किया गया तो आंदोलन को और उग्र रूप दिया जाएगा। उपस्थित लोगों में नौशाद आलम, इम्तियाज, तबारक एकराम,चुन्नू, निशांत भास्कर, मजहर, शहबाज,कैफी अमन, गांधी, गुफरान,अकरम आलम, रियाज, सोनू, विवेक आदि उपस्थित थे।

38 जिलों के शहरी क्षेत्र में पाइपलाइन से पहुंचाई जाएगी रसोई गैस

राज्य में रसोई गैस के रूप में पीएनजी का अब बढ़ेगा इस्तेमाल, सरकार ने दी मंजूरी

- 30 लाख पीएनजी घरेलू गैस कनेक्शन देगी बिहार सरकार
- स्वच्छ ऊर्जा के लिए शहरी गैस नीति 2025 को मिली मंजूरी
- करीब 650 सीएनजी स्टेशनों का होगा निर्माण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। अब राज्य के सभी 38 जिलों के शहरी क्षेत्र में पाइपलाइन के जरिए प्राकृतिक गैस अर्थात पीएनजी की आपूर्ति रसोईघरों में की जाएगी। बिहार सरकार ने स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए बिहार शहरी गैस वितरण नीति, 2025 को मंजूरी दे दी है। बिहार सरकार के खाद्य एवं उपभोक्ता विभाग ने बीते 15 जुलाई को इसको लेकर अधिसूचना भी जारी कर दी है। इस नीति को मंजूरी देने के बाद शहरी क्षेत्रों में अब पीएनजी घरेलू गैस कनेक्शन दिए जाएंगे। इस नीति को मंजूरी मिलने से औद्योगिक, वाणिज्यिक, परिवहन और घरेलू उपयोग के लिए प्राकृतिक गैस मुहैया करवाना आसान होगा। इसके लिए शहरी गैस वितरण (सीजीडी) नेटवर्क का विस्तार किया जाएगा। सभी 38 जिलों में छह शहरी गैस वितरण इकाईयों के माध्यम से करीब 30 लाख पीएनजी घरेलू गैस दिए जाएंगे। साथ ही करीब 650 सीएनजी स्टेशनों का निर्माण प्रस्तावित है। शहरी गैस वितरण (सीजीडी) नेटवर्क के विस्तार के लिए संबंधित तेल कंपनियों एवं विभागों से विमर्श के बाद सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीडी) नीति तैयार की गई है। राज्य सरकार की इस नीति से घरेलू एवं औद्योगिक क्षेत्रों के लिए प्राकृतिक गैस का वितरण आसान हो जाएगा। घरेलू इस्तेमाल के लिए पीएनजी और परिवहन क्षेत्र के लिए सीएनजी का उपयोग बढ़ाने के लिए भी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। साथ ही शहरी गैस वितरण नीति, 2025 के निर्धारण से राज्य में प्राकृतिक गैस को हरित और स्वच्छ ईंधन के रूप में अपनाने को बढ़ावा मिलेगा। वहीं औद्योगिक, वाणिज्यिक, परिवहन और घरेलू उद्देश्यों के लिए इसके उपयोग को प्रोत्साहित किया जा सकेगा। इस नीति से कार्बन उत्सर्जन को कम करने में मदद मिलेगी जो कि देश की प्रतिबद्धता में भी योगदान निभाएगा। भारत सरकार की तरफ से देश में इस्तेमाल की जा रही ऊर्जा में प्राकृतिक गैस की भागीदारी वर्ष 2030 तक 6.2 प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत तक किए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस लक्ष्य को पाने में बिहार सरकार की यह पहल काफी मददगार साबित होगी। प्राकृतिक गैस के रूप में सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीडी) की आधारभूत संरचना का विस्तार ग्रामीण, शहरी एवं औद्योगिक क्षेत्रों तक विकसित किया जाना है। माना जा रहा है कि बिहार शहरी गैस वितरण नीति, 2025 को मंजूरी मिलने के बाद साफ सुथरी ऊर्जा के रूप में प्राकृतिक गैस के इस्तेमाल को बढ़ावा मिलेगा।

कैबिनेट की मुहर के साथ पक्की हुई 1.67 करोड़ परिवारों को मुफ्त बिजली : मंगल पाण्डेय

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। स्वास्थ्य मंत्री मंगल पाण्डेय ने कहा कि नीतीश कुमार कैबिनेट ने 125 यूनिट फ्री बिजली के प्रस्ताव पर अपनी मुहर लगा कर प्रदेश के 1.67 करोड़ परिवारों को रोशन करने की पक्की व्यवस्था कर दी है। यह नीतीश कुमार की नेतृत्व वाली डबल इंजन की सरकार है जिसका हर वायदा भरोसा है। यह सरकार का दृढ़ इरादा था कि बिहार के हर घर तक रौशनी पहुंचे और इसे पूरा कर सरकार ने अंधकार के उस लंबे दौर को समाप्त कर दिया है जब लोगों को कई-कई दिनों तक बिजली के दर्शन का इंतजार करना पड़ता था। श्री पाण्डेय ने कहा कि वह लूट वाली सरकार थी जो गरीबों का हक लूटकर बिहार को बदहाल, बीमार और कंगाल बना कर रखी हुई थी। आज समर्थ बिहार की डबल इंजन की सरकार है जो अपने पराक्रम व संकल्प से बिहार को खुशहाल बनाने के लिए प्रयत्नशील है। गांव-गांव बिजली पहुंचाने के बाद हर घर रोशन करने का संकल्प उम्मीद व भरोसे की सिद्धि है।

बिहार में होगा एपीडा का क्षेत्रीय कार्यालय, वैश्विक बाजार से जुड़ेगा स्थानीय उत्पादन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। उद्योग मंत्री नीतीश मिश्रा ने अत्यंत हर्ष और उत्साह के साथ कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) के क्षेत्रीय कार्यालय के बिहार में उद्घाटन की घोषणा की। इस महत्वपूर्ण पहल के लिए उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को हृदय से धन्यवाद दिया।

यह क्षेत्रीय कार्यालय बिहार के किसानों और स्थानीय उत्पादकों के लिए एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। यह न केवल बिहार के फल और सब्जियों के निर्यात को बढ़ावा देगा, बल्कि स्थानीय किसानों को नए अवसर प्रदान कर उनकी आर्थिक स्थिति को भी मजबूत करेगा। बिहार, जो अपनी समृद्ध कृषि परंपरा और विविध फसलों के लिए जाना जाता है, अब वैश्विक बाजार में अपनी उपस्थिति और मजबूत करेगा। नीतीश मिश्रा ने कहा एपीडा के क्षेत्रीय कार्यालय का उद्घाटन बिहार के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है। यह कदम हमारे किसानों को वैश्विक मंच पर ले जाएगा और उनकी मेहनत को उचित पहचान दिलाएगा। यह कार्यालय बिहार के कृषि आधारित उत्पादों, विशेष रूप से फल और सब्जियों के निर्यात को सुगम बनाएगा और स्थानीय समुदाय के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित करेगा। यह बिहार के कृषि क्षेत्र में विकास और समृद्धि की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

सोन नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर, बंजारी में स्थिति गंभीर

पुनपुन नदी भी अरवल में उफान पर, बाढ़ की आशंका बढ़ी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना/रोहतास। बिहार में मॉनसून की बारिश से नदियों का जलस्तर लगातार बढ़ता जा रहा है। केंद्रीय जल आयोग की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, सोन नदी बंजारी (रोहतास) में खतरे के निशान से ऊपर बह रही है और स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। शुक्रवार सुबह 6:00 बजे सोन नदी का जलस्तर 124.92 मीटर दर्ज किया गया जो खतरे के निशान 124.89 मीटर से 0.03 मीटर ऊपर है। नदी में प्रति घंटे 20.0 मिमी की दर से जलस्तर में वृद्धि हो रही है। हालांकि अभी यह 01 अगस्त 2021 के उच्चतम जलस्तर 125.89 मीटर से 0.97 मीटर नीचे है, लेकिन लगातार जलस्तर बढ़ने से प्रशासन की चिंता बढ़ गई है। रोहतास के बंजारी इलाके में सोन नदी के किनारे बसे गांवों में बाढ़ की आशंका गहराने लगी है। ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। प्रशासन द्वारा तटबंधों की निगरानी बढ़ा दी गई है और राहत दलों को भी अलर्ट पर रखा गया है।

पुनपुन नदी भी खतरे के निशान से ऊपर

अरवल जिले के किंजर में पुनपुन नदी भी लगातार उफान पर है। शुक्रवार सुबह 6:00 बजे इसका जलस्तर 65.08 मीटर दर्ज किया गया जो खतरे के निशान 65.0 मीटर से 0.08 मीटर ऊपर है। पुनपुन नदी में भी जलस्तर 20.0 मिमी/घंटा की दर से बढ़ रहा है। हालांकि यह स्तर अभी पुनपुन नदी के पिछले उच्चतम रिकॉर्ड 67.95 मीटर (14 सितंबर 1987) से 2.87 मीटर नीचे है, लेकिन लगातार बारिश और जलप्रवाह से स्थिति बिगड़ने की आशंका बनी हुई है।

प्रशासन अलर्ट पर

बंजारी और किंजर के आसपास के इलाकों में प्रशासन ने निगरानी बढ़ा दी है। नदियों के जलस्तर की रीयल टाइम मॉनिटरिंग की जा रही है। लोगों से अपील की गई है कि वे नदियों के किनारे न जाएं और आवश्यक वस्तुओं की पहले से व्यवस्था कर लें। राज्य सरकार की आपदा प्रबंधन टीमों और एनडीआरएफ को सतर्क रहने का निर्देश दिया गया है। नदी किनारे के निचले इलाकों में बाढ़ की संभावनाओं को देखते हुए प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां तेज कर दी गई हैं। केंद्रीय जल आयोग की रिपोर्ट के अनुसार अगर बारिश का सिलसिला यूं ही जारी रहा तो सोन और पुनपुन नदी के जलस्तर में और बढ़ोतरी हो सकती है।

मुख्यमंत्री विद्युत उपभोक्ता सहायता योजना विस्तार हेतु 3797 करोड़ रुपये की मंजूरी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार सरकार ने राज्य के घरेलू उपभोक्ताओं को बड़ी राहत देते हुए मुख्यमंत्री विद्युत उपभोक्ता सहायता योजना के विस्तार की घोषणा की है। योजना के तहत अब प्रदेश के सभी घरेलू उपभोक्ताओं को जुलाई 2025 की खपत के आधार पर 1 अगस्त 2025 से प्रतिमाह 125 यूनिट तक की बिजली खपत पर शत-प्रतिशत अनुदान दिया जाएगा। इस योजना के क्रियान्वयन और विस्तार के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 में बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी लिमिटेड को 3797 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि की स्वीकृति दी गई है। ऊर्जा विभाग के अनुसार इस निर्णय का मुख्य उद्देश्य राज्य में अक्षय ऊर्जा के उपयोग को प्रोत्साहित करना है। इससे घरेलू बिजली उपभोक्ताओं पर आर्थिक बोझ भी कम होगा और सौर ऊर्जा को बढ़ावा मिलेगा।

कुटीर ज्योति उपभोक्ताओं को मिलेगा मुफ्त सौर संयंत्र

योजना के तहत राज्य के गरीब और कुटीर ज्योति उपभोक्ताओं के लिए विशेष प्रावधान किया गया है। प्रत्येक कुटीर ज्योति उपभोक्ता को न्यूनतम 1.1 किलोवाट क्षमता के सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना के लिए पूर्ण वित्तीय सहायता दी जाएगी। इससे उन परिवारों को अब नियमित और सस्ती बिजली की सुविधा मिल सकेगी, जो अब तक सीमित साधनों के कारण बिजली से वंचित थे। कुटीर ज्योति के अलावा अन्य घरेलू उपभोक्ताओं को भी सौर संयंत्र लगाने पर अनुदान मिलेगा। सरकार का लक्ष्य है कि हर घर में सौर ऊर्जा का उपयोग बढ़े ताकि राज्य में ऊर्जा का वैकल्पिक स्रोत विकसित हो सके। इससे ग्रामीण इलाकों में बिजली की आपूर्ति में सुधार होगा और पारंपरिक बिजली पर निर्भरता भी कम होगी।

ऊर्जा सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अहम कदम

बिहार सरकार के इस फैसले से न केवल बिजली खर्च में राहत मिलेगी बल्कि ऊर्जा के स्वच्छ और टिकाऊ स्रोतों के उपयोग को भी बढ़ावा मिलेगा। सौर संयंत्र लगने से बिजली उत्पादन की लागत घटेगी और ग्रिड पर भार भी कम होगा। साथ ही कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी जो पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। ऊर्जा विभाग के अधिकारियों के अनुसार सरकार का दीर्घकालिक लक्ष्य राज्य के हर घर तक सौर ऊर्जा पहुंचाना है। खासकर ग्रामीण और पिछड़े इलाकों में यह योजना बड़े बदलाव की आधारशिला रखेगी। सरकार चाहती है कि लोग सौर ऊर्जा के प्रति जागरूक हों और भविष्य में इसकी क्षमता का अधिकतम उपयोग करें। यह योजना बिहार के ऊर्जा क्षेत्र में एक मील का पत्थर साबित होगी। इससे जहां आम लोगों को राहत मिलेगी, वहीं राज्य में ऊर्जा के सतत विकास की दिशा में भी यह एक ठोस कदम है।

पीएम कर गए बड़बोले भाषणों और झूठे वादों की भरमार : राजेश राम

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक बार फिर बिहार आए और अपने बड़बोले भाषणों और झूठे वादों की भरमार कर गए। ये कोई नई बात नहीं है। इसकी शुरुआत उन्होंने 2014 में ही कर दी थी जब मोतिहारी की बंद चीनी मिल को चालू कराने का वादा किया था। मगर आज तक वह वादा अधूरा है। सवाल है उस झूठ पर माफी मांगने की जगह क्या अब आप नया झूठ परोसने आए हैं? ये बातें बिहार कांग्रेस के अध्यक्ष राजेश राम ने आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मोतिहारी दौरे और वादों पर तंज कसते हुए कही। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि आज पीएम मोदी ने एक और सपना दिखाया–मुंबई जैसा मोतिहारी होगा, पुणे जैसा पटना और गुरुग्राम जैसा गयाजी। आपका ये भाषण सुनते ही बनारस, जहां से आप सांसद हैं, वहां के लोग पूछने लगे हैं –'काशी को क्योटो बनाने के वादे का क्या हुआ?'

सच तो ये है कि जेडीयू-बीजेपी की सत्ता की सरपरस्ती में बिहार को बर्बादी की कगार पर लाकर खड़ा कर दिया गया है। बेतहाशा पलायन, बेइंतहा गरीबी और बेशुमार अपराध यही आपकी सरकार की देन रही है। आज आपने बिहार के युवाओं के सामने एक और झांसा रखा –1 अगस्त से पहली बार प्राइवेट कंपनी में नौकरी पाने वाले को 15,000 की सहायता मिलेगी। सरकार इसके लिए 1 लाख करोड़ खर्च करेगी। चलिए मान लेते हैं कि युवा कांग्रेस के 19 जुलाई को होने वाले रोजगार मेले ने आपको इतना डरा दिया कि आपने आनन-फानन में एक और 'नौकरी जुमला' दे डाला। लेकिन बिहार का युवा अब सवाल पूछता है –आपने ऐसा ही वादा 2024-25 के केंद्रीय बजट में भी किया था। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने उस बजट में पीएम इंटर्नशिप स्कीम की घोषणा की थी जिसके तहत अगले पांच वर्षों में लगभग 1 करोड़ युवाओं को लाभ देने की बात कही गई थी। इस योजना के तहत हर इंटर्न को 5,000 मासिक भत्ता (12 माह तक) और एकमुश्त 6,000 सहायता राशि देने का वादा किया गया था। मगर इस स्कीम का हश्र क्या हुआ। 2024-25 के पायलट प्रोजेक्ट के लिए कंपनियों को 6.2 लाख से अधिक आवेदन मिले।

एलआइसी ने बैंक इंश्योरेंस के लिए एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के साथ किया टायअप

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। देश की सबसे बड़ी जीवन बीमा कंपनी, भारतीय जीवन बीमा निगम ने कॉर्पोरेट एजेंसी व्यवस्था के तहत भारत के अग्रणी लघु वित्त बैंकों में से एक, एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के साथ टाय अप किया है। इस साझेदारी की आधिकारिक शुरुआत 14 जुलाई, 2025 को आयोजित एक संयुक्त वेबकास्ट के माध्यम से हुई जिसमें दोनों संगठनों के वरिष्ठ नेतृत्व दल शामिल हुए। यह आयोजन व्यापक वित्तीय समावेशन और बीमा पहुंच के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। विशेष रूप से वंचित और ग्रामीण क्षेत्रों में जहां एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक की मजबूत उपस्थिति है। इस समझौते के माध्यम से एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक अपनी शाखाओं और डिजिटल चैनलों पर एलआईसी के जीवन बीमा उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला वितरित करेगा जिसमें वार्षिकी, यूलिप, टर्म इंश्योरेंस और बचत श्रेणी शामिल हैं। इससे एयू बैंक के ग्राहकों को एक ही छत के नीचे विश्वसनीय, व्यापक सुरक्षा और दीर्घकालिक बचत समाधान प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

कृषि अनुसंधान किसानों की मांग पर आधारित होना चाहिए : डॉ. एम. एल. जाट

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। डॉ. एम.एल. जाट, सचिव, कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग एवं महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना का दौरा किया। उन्होंने संस्थान की प्रगतिशील अनुसंधान, शिक्षा और प्रसार गतिविधियों की समीक्षा की और दो महत्वपूर्ण सुविधाओं – बहुपयोगी विक्रय केंद्र तथा जलवायु-अनुकूल कृषि अनुसंधान के लिए ओपन टॉप चैम्बर का उद्घाटन किया। डॉ. जाट ने संस्थान के विभिन्न प्रायोगिक प्रक्षेत्रों, प्रयोगशालाओं, पशुधन प्रक्षेत्र एवं मात्स्यिकी अनुसंधान इकाइयों का अवलोकन किया और पूर्वी भारत की जलवायु परिस्थितियों के अनुरूप संसाधन दक्ष कृषि मॉडल को विविधिकृत एवं सुदृढ़ करने के प्रयासों की सराहना की। संस्थान के निदेशक डॉ. अनुप दास द्वारा स्वागत भाषण के उपरांत संस्थान की बहुआयामी गतिविधियों एवं अनुसंधान, शिक्षा तथा प्रसार में उपलब्धियों पर एक संक्षिप्त प्रस्तुति दी गई। वैज्ञानिकों तथा तकनीकी एवं प्रशासनिक कर्मचारियों को संबोधित करते हुए डॉ. जाट ने संस्थान को 25 वर्षों की सराहनीय सेवा पूर्ण करने पर बधाई दी। डॉ. जाट ने कहा कि पूर्वी भारत संभावनाओं से परिपूर्ण है, किन्तु यह चुनौतिपूर्ण क्षेत्र है और इस क्षेत्र के लिए भविष्य के अनुसंधान क्षेत्रों को रेखांकित किया जिनमें प्रमुख हैं: धान-परती भूमि प्रणाली का सघनीकरण, उपयुक्त फसल किस्मों और प्रबंधन पद्धतियों के साथ प्राकृतिक खेती मॉडल का मानकीकरण, जलवायु-अनुकूल कृषि को अपनाना, ओपन टॉप चैम्बर और रेनआउट शेल्टर जैसी उन्नत संरचनाओं का बेहतर उपयोग। उन्होंने धान-परती क्षेत्रों में मिट्टी की नमी का उपयोग करते हुए एयर-सीडिंग के लिए ड्रोन के उपयोग का परीक्षण करने हेतु प्रेरित किया।

पूर्व आइपीएस अधिकारी जयप्रकाश सिंह और भोजपुरी स्टार रीतेश पांडेय जनसुराज में शामिल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले जन सुराज को विस्तार देने में जुटे पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने प्रेस कांफ्रेंस किया। इसमें उन्होंने पूर्व वरिष्ठ आइपीएस अधिकारी और एक भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री के चर्चित सितारे के पार्टी में शामिल होने की घोषणा की। आइपीएस से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेने वाले जयप्रकाश सिंह और भोजपुरी गायक व अभिनेता रीतेश पांडेय ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। आइपीएस अधिकारी रहे जयप्रकाश सिंह हिमाचल प्रदेश में अपर पुलिस महानिदेशक के पद पर कार्यरत थे। वह सारण जिले के रहने वाले हैं। जयप्रकाश सिंह ने यूपीएएस की परीक्षा में 59वीं रैंक हासिल की थी। आइपीएस अधिकारी बनने से पहले उन्होंने सेना और हवाईअड्डा प्राधिकरण में नौकरी की थी। भोजपुरी फिल्मों के स्टार रितेश पांडेय ने हाल ही में बिहार विधानसभा चुनाव लड़ने का ऐलान किया था। वह जन सुराज के टिकट पर बिहार के किसी विधानसभा सीट से चुनाव मैदान में अपनी किस्मत आजमा सकते हैं। रितेश ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने के मौके पर कहा कि बिहार के लोगों को आज भी मजदूरी के लिए मजबूर होना पड़ता है और इस सिस्टम को बदलने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि सिस्टम को बदलने के लिए जो प्रशांत किशोर निकले हैं, हम उनके साथ हैं। इस दौरान उन्होंने एक गीत भी गाया हम नया बिहार चाहते हैं, बिहार में ही रोजी-रोजगार चाहते हैं, जनता का जन सुराज हो ये चाहते हैं।

पीपीयू के नए कैंपस में बनेगा शिक्षक और शिक्षकेत्तर कर्मियों का आवास

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के नए बख्तियारपुर कैंपस के भवन निर्माण के लिए सरकार ने दो अरब 46 करोड़ 33 हजार रुपये राशि को विमुक्त कर दिया है। इसका पत्र विश्वविद्यालय को प्राप्त हो चुका है। सरकार ने नए कैंपस में विश्वविद्यालय शिक्षक, शिक्षकेत्तर कर्मियों, कुलपति आवास, अतिथि गृह सहित तमाम पदाधिकारियों के रहने के लिए भी आवास बनाया जाएगा। इसके लिए सरकार ने विश्वविद्यालय से प्रतिवेदन मांगा है। विश्वविद्यालय ने सरकार से प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए विश्वविद्यालय के इंजीनियर ने एक रिपोर्ट तैयार कर लिया है। इस रिपोर्ट को सरकार के पास अगले सप्ताह भेज दिया जाएगा। सरकार की ओर से अभी विवि को 10 एकड़ जमीन उपलब्ध कराई गई है। वहीं आवास निर्माण कार्य के लिए कुछ एकड़ जमीन की अलग से आवश्यकता पड़ सकती है। इधर पत्र प्राप्त होने के बाद ही नव नियुक्त कुलपति प्रो उपेन्द्र प्रसाद सिंह ने गुरुवार को बख्तियारपुर स्थित नए कैंपस का औचक निरीक्षण किया। यहां पर निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। कुलपति ने बताया कि यहां पर दस मंजिला भवन बनाया जाना है। अभी तक चार फ्लोर का ढलाई हो चुका है। इसके अलावा एक भव्य ऑडिटोरियम बनाया जाना है। यह पूरी तरह से हाईटेक होगा। पूरा ऑडिटोरियम वातानुकूलि के साथ इको सिस्टम युक्त बनाया जा रहा है। इसका कार्य भी प्रगति पर है। इंडोर गेम और कैंटीन एक ही भवन में होगा। यह दो फ्लोर का बनाया जाना है। यहां पर विश्वविद्यालय का एकेडिमिक और प्रशासनिक दो भवन बनाया जा रहा है। पीजी की पढ़ाई नए भवन में होगी। अभी कॉलेजों में पीजी संचालित हो रहा है। कुलपति ने बिहार राज्य आधारभूत संरचना निगम के अधिकारियों को निर्धारित समय पर भवन निर्माण का कार्य पूरा करने का निर्देश दिया। साथ ही कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का यह ड्रीम प्रोजेक्ट है। इसे समय पर पूरा करना है। निरीक्षण के दौरान टीम में विश्वविद्यालय के दो इंजीनियर, कुछ शिक्षक कई अन्य अधिकारी भी शामिल थे।

इनर व्हील क्लब पाटलिपुत्र ने लगाया स्वास्थ्य जागरूकता शिविर, दो सौ से अधिक लोगों की हुई जांच

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। इनर व्हील क्लब ऑफ पाटलिपुत्र की ओर से शुक्रवार को दानापुर प्रखंड के लखिन बीघा गांव स्थित पंचायत भवन में स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम एवं निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर लगा। क्लब की अध्यक्ष शीतू गांधी के नेतृत्व में आयोजित इस शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों, विशेष रूप से महिलाओं को एनीमिया से बचाव और समग्र स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को संतुलित आहार, साफ-सफाई, नियमित जांच और जीवनशैली से जुड़ी जानकारियां दी गईं। हेल्थ चेकअप कैंप में सामान्य जांच, ब्लड प्रेशर माप, शुगर जांच, नेत्र परीक्षण और डेंटल चेकअप जैसी सेवाएं प्रदान की गईं। साथ ही विटामिन, कैल्शियम, आयरन और आवश्यक दवाइयों का मुफ्त वितरण भी किया गया। मेडिकल टीम में डॉ. आलोक नाथ त्रिपाठी, डॉ. ओम सिंह, डॉ. मनोहर कुमार और क्लब की सदस्य डॉ. शोभा रानी सिंह ने अहम भूमिका निभाई।

डॉ भारती कुमारी, डॉ मिथिलेश कुमार एवं डॉ महेश केवट का सहायक आचार्य में चयन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। आधुनिको भव संस्कृतं वद अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं विहार संस्कृत संजीवन समाज पटना के महासचिव डॉ मुकेश कुमार ओझा ने बताया कि आधुनिको भव संस्कृतं वद अभियान के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्या डॉ भारती कुमारी, राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य डॉ मिथिलेश कुमार एवं झारखंड प्रांत के उपाध्यक्ष डॉ महेश केवट का बिहार राज्य विश्वविद्यालय सेवा आयोग द्वारा सहायक आचार्य के रुप में चयन हुआ है। ये सभी सदस्य इस अभियान के अन्तर्गत अन्तर्राष्ट्रीय अन्तर्जालीय दशदिवसात्मक संस्कृत सम्भाषण शिविर में भाग लेते थे। गोस्वामी तुलसीदास जयंती के शुभावसर पर विहार संस्कृत संजीवन समाज पटना एवं सर्वत्र संस्कृतम की ओर से आधुनिको भव संस्कृतं वद अभियान के अन्तर्गत गोस्वामी तुलसीदास स्मृति अन्तर्राष्ट्रीय अन्तर्जालीय दशदिवसात्मक संस्कृत सम्भाषण शिविर में पांचवें दिन दिवस ज्ञान के विषय में संस्कृत में अभ्यास कराते हुए अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं शिविर के प्रशिक्षक डॉ मुकेश कुमार ओझा ने कहा कि सम्पूर्ण भारत के लोगों को संस्कृत बोलना चाहिए। सरल पद्धति से संस्कृत बोलना सीखाया जाता है। शिविर के सभी सदस्यों ने दिवस ज्ञान पर सम्यक् अभ्यास किया। यह निरन्तर 34 वां अन्तर्जालीय संस्कृत सम्भाषण शिविर है। डॉ मुकेश कुमार ओझा ने इस शिविर के सहायक आचार्य में चयनित सभी सदस्यों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। अभियान के प्रधान संरक्षक एवं पूर्व गृह सचिव उत्तर प्रदेश शासन के डॉ अनिल कुमार सिंह ने सभी चयनित सदस्यों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि 34 महीने से लगातार चलने वाले सम्भाषण अन्तर्जालीय शिविर से लाभ मिला।

फिनो पेमेंट्स बैंक ने किया बिहार में यूपीआई लेनदेन को बढ़ावा देने के लिए गति खाता शुरू

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बैंकिंग को आसान, सरल और सुविधाजनक बनाने के बाद फिनो पेमेंट्स बैंक अब इस दिशा में काम कर रहा है कि ग्राहक नया खाता खोलते ही तुरंत लेनदेन शुरू कर सकें। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए फिनो पेमेंट्स बैंक ने एक नया बचत खाता 'गति' लॉन्च किया है जिसका अर्थ कई भारतीय भाषाओं में 'स्पीड' या 'तेजी' होता है। यह उत्पाद विशेष रूप से उन ग्राहकों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है जो किफायती तरीके से बैंकिंग सेवाओं के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग करना चाहते हैं। जैसे-जैसे भारत में डिजिटलकरण तेजी से बढ़ रहा है, यह ग्राहक वर्ग फिजिटल से पूरी तरह डिजिटल की ओर रुख करने को तैयार है और इसमें यूपीआई को अपनाने की बढ़ती प्रवृत्ति अहम भूमिका निभा रही है।

रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष ने किया जीवधारा-मुजफ्फरपुर-पाटलिपुत्र रेलखंड का निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हाजीपुर। सीईओ सतीश कुमार, अध्यक्ष एवं रेलवे बोर्ड 2 दिवसीय दौरे के दूसरे दिन जीवधारा-मुजफ्फरपुर-पाटलिपुत्र रेलखंड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया। विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण के दौरान उन्होंने इस रेल खण्ड पर संरक्षा, मानसून प्रीकॉशन्स, सिगनलों की दृश्यता, रेलवे ट्रैक के रख-रखाव, ट्रैक की समुचित बैलास्टिंग, ट्रैक स्क्रीनिंग, ओवरहेड ट्रैक्शन व एलाइनमेंट एवं ट्रैक फिटिंग्स आदि का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह सहित अन्य उच्चाधिकारीगण उपस्थित थे। निरीक्षण के क्रम में अध्यक्ष रेलवे बोर्ड द्वारा जीवधारा, चकिया, मोतीपुर, मुजफ्फरपुर, भगवानपुर, हाजीपुर एवं पाटलिपुत्र स्टेशनों का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने यात्री सुविधा, स्वच्छता एवं सुरक्षा आदि जायजा लिया। साथ ही उन्होंने प्लेटफार्म, सर्कुलेटिंग एरिया आदि का भी निरीक्षण किए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत स्टेशनों पर चल रहे पुनर्विकास कार्य का भी जायजा लिया। उन्होंने पुनर्विकास कार्य की प्रगति की संबंधित अधिकारियों के साथ समीक्षा की एवं निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा करने का निर्देश दिए। अध्यक्ष रेलवे बोर्ड द्वारा पाटलिपुत्र में निरीक्षण के दौरान वंदे भारत ट्रेनों के रख-रखाव हेतु बनाये जाने वाले वाशिंग पिट लाइन के नक्शे का अवलोकन किया गया तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

CMYK

संपादकीय

अहमदाबाद हादसे के बाद जागा विमानन तंत्र

अहमदाबाद में पिछले माह हुए बोइंग विमान हादसे की प्रारंभिक जांच रपट ने शासन एवं प्रशासनिक अमले की आंख खोल दी है। जांच रपट में कहा गया था कि हादसे के वक्त विमान के दोनों ईंधन नियंत्रण स्विच बंद हो गए थे। विमानन नियामक डीजीसीए ने अब इस पर गंभीरता दिखाते हुए एअरलाइन कंपनियों से अपने बोइंग 787 और 737 विमानों में ईंधन स्विच प्रणाली की जांच करने को कहा है। कुछ विमानन कंपनियों ने तो इन दिशा-निर्देशों से पहले ही अपने विमानों की जांच शुरू कर दी थी। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि विमानन नियामक व संबंधित कंपनियों ने जो सतर्कता एवं गंभीरता हादसे के बाद दिखाई है, क्या वह पहले अनुपस्थित थी। अगर नहीं, तो इसकी जरूरत अब क्यों पड़ी? फिर क्या अनिवार्य तौर पर एहतियात बरतने की यह प्रणाली भविष्य में भी सुचारु रहेगी? यह सवाल इसलिए भी अहम है कि आमतौर पर किसी हादसे के सबक का असर प्रबंधकीय तंत्र पर ज्यादा दिन तक नहीं रहता और व्यवस्था फिर उसी ढर्रे पर चलने लगती है। अहमदाबाद विमान हादसे को लेकर विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो की प्रारंभिक जांच रपट में कहा गया था कि एअर इंडिया के विमान बोइंग 787 ड्रीमलाइनर के दोनों ईंधन नियंत्रण स्विच अचानक बंद हो गए थे। रपट में 'काकपिट वायस रेकार्डिंग' के हवाले से यह भी कहा गया कि विमान के एक पायलट ने दूसरे से पूछा कि ईंधन स्विच बंद क्यों किया, तो जवाब मिला कि उन्होंने ऐसा नहीं किया। हालांकि, यह आशंका भी जताई जा रही है कि हो सकता है पायलट ने गलती से ईंधन नियंत्रण स्विच बंद कर दिए हों। मगर, विमानन क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञ इन आशंकाओं को यह कहकर खारिज कर रहे हैं कि पायलट के लिए इस स्विच को गलती से बंद कर देना आसान नहीं, क्योंकि इसमें 'मैकेनिकल गेट' लगा होता है। यानी प्रारंभिक जांच रपट में सवाल तो उठाए गए हैं, लेकिन उनका जवाब आगे की जांच पर छोड़ दिया गया है। जांच रपट में एक और हैरान कर देने वाला खुलासा किया गया है कि हादसे का शिकार हुए विमान की ईंधन नियंत्रण स्विच प्रणाली की उड़ान से पहले जांच नहीं की गई थी, क्योंकि यह कभी अनिवार्य नहीं था और वर्ष 2023 से ईंधन नियंत्रण स्विच से संबंधित कोई दोष भी सामने नहीं आया। जबकि अमेरिकी नियामक संघीय विमानन प्रशासन ने (एफएए) ने वर्ष 2018 में 787 और 737 सहित बोइंग विमानों के कुछ माडल में ईंधन स्विच प्रणाली में खराबी की आशंका का संकेत दिया था। मगर हादसे की प्रारंभिक जांच रपट में कहा गया है कि इस सूचना में कोई ऐसा संकेत नहीं था, जिससे यह मुद्दा सुरक्षा संबंधी चिंता का विषय लगे। ऐसे में यह सवाल अहम है कि जब नियमानुसार उड़ान से पहले विमान के बाकी सभी उपकरणों व प्रणालियों की जांच की जाती है तो इस दौरान एहतियाती तौर पर ईंधन नियंत्रण स्विच प्रणाली की जांच भी जरूरी क्यों नहीं हो? भारतीय विमानन कंपनियां 150 से अधिक बोइंग 737 और 787 विमानों का संचालन करती हैं। ऐसे में इस प्रणाली की जांच के महत्त्व का अंदाजा लगाया जा सकता है। बहरहाल, उम्मीद की जानी चाहिए कि डीजीसीए के ताजा दिशा-निर्देशों पर गंभीरता से अमल होगा और विमान यात्रा को पूरी तरह सुरक्षित बनाने की दिशा में बेहतर उपाय किए जाएंगे।

भारत ने वर्ष 2070 तक नेट जीरो यानी कार्बन उत्सर्जन रहित अर्थव्यवस्था का लक्ष्य तय किया हुआ है। यद्यपि पर्यावरण रक्षा में भारत के प्रयास बहुआयामी रहे हैं लेकिन यह प्रयास तब तक सफल नहीं हो सकते जब तक देशवासी प्राकृतिक संसाधनों का अनावश्यक अत्यधिक शोषण करना बंद नहीं करते। शहरों के बढ़ते तापमान की रोकथाम हेतु जरूरी है कि मौसम और वायु प्रवाह का ठीक तरह से नियोजन किया जाए। हरियाली का विस्तार, जल स्रोतों की सुरक्षा, वर्षा जल संचय, वाहनों एवं एयर कंडीशंस की संख्या की कमी से ही हम प्रचंड गर्मी को कम कर सकते हैं। पृथ्वी का तापमान घटेगा तभी मानव सुरक्षित रह पाएगा। उक्त संदर्भ में यह हम सभी भारतीयों के लिए हर्ष का विषय होना चाहिए कि हमारे देश में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जैसे संगठन मौजूद हैं जो सदैव ही सामाजिक, धार्मिक, आर्थिक एवं सेवा कार्य करने वाले संगठनों को साथ लेकर, देश पर आने वाली किसी भी विपत्ति में आगे आकर, सेवा कार्य करना प्रारम्भ कर देते हैं।

स्वच्छता एवं नशामुक्ति के क्षेत्र में अतुलनीय कार्य करते सामाजिक संगठन

(प्रह्लाद सबनानी)

बीते कुछ वर्षों में कंकरीट की इमारतों में अत्यधिक वृद्धि एवं भूमि प्रयोग में बदलाव के चलते भारत में भी तापमान लगातार बढ़ रहा है। देश के महानगर अर्बन हीट आइलैंड बन रहे हैं। अर्बन हीट आइलैंड वह क्षेत्र होता है जहां अगल-बगल के इलाकों से अधिक तापमान रहता है।

इस धरा पर जन्म लेने वाले प्रत्येक जीव के लिए प्रकृति ने पर्याप्त खाद्य पदार्थ दिए हैं परंतु अति लालच के चलते मानव ने प्रकृति का शोषण करना शुरू कर दिया है। इसमें कोई अब कोई संदेह नहीं रह गया है कि मानव ने अपनी जिंदगी को आसान बनाने के लिए पर्यावरण का अत्यधिक नुकसान किया है और इसका परिणाम आज उसे ही भुगतना भी पड़ रहा है। कई देशों में तो भयंकर गर्मी में वहां के जंगलों में आग लगने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं जिनसे जान और माल की भारी हानि हो रही है। हम पर्यावरण के सम्बंध में बढ़ चढ़ कर चर्चाएं तो करते हैं परंतु आज हमारे गावों में खेत, प्लाटों में परिवर्तित हो गए हैं। हमारे खेतों पर शोपिंग काम्प्लेक्स एवं मॉल खड़े हो गए हैं जिससे हरियाली लगातार कम होती जा रही है।

बीते कुछ वर्षों में कंकरीट की इमारतों में अत्यधिक वृद्धि एवं भूमि प्रयोग में बदलाव के चलते भारत में भी तापमान लगातार बढ़ रहा है। देश के महानगर अर्बन हीट आइलैंड बन रहे हैं। अर्बन हीट आइलैंड वह क्षेत्र होता है जहां अगल-बगल के इलाकों से अधिक तापमान रहता है। कई स्थानों पर अत्यधिक गर्मी के पीछे अपर्याप्त हरियाली, अधिक आबादी, घने बसे घर और इंसानी गतिविधियां जैसे गाडियों और गैजेट से निकलने वाली हीट आदि कारण जिम्मेदार हो सकते हैं। कार्बन डाईआक्साइड और मेथेन जैसी ग्रीन हाउस गैसों एवं कूड़ा जलाने से भी गर्मी बढ़ती है। राजधानी दिल्ली का उदाहरण हमारे सामने है। जहां चारों दिशाओं में बने डंपिंग यार्डों में आग लगी ही रहती है और लोगों का सांस लेना भी अब दूभर हो रहा है।

भारत ने वर्ष 2070 तक नेट जीरो यानी कार्बन उत्सर्जन रहित अर्थव्यवस्था का लक्ष्य तय किया हुआ है। यद्यपि पर्यावरण रक्षा में भारत के प्रयास बहुआयामी रहे हैं लेकिन यह प्रयास तब तक सफल नहीं हो सकते जब तक देशवासी प्राकृतिक संसाधनों का अनावश्यक अत्यधिक शोषण करना बंद नहीं करते। शहरों के बढ़ते तापमान की रोकथाम हेतु जरूरी है कि मौसम और वायु प्रवाह का ठीक तरह से नियोजन किया जाए। हरियाली का विस्तार, जल स्रोतों की सुरक्षा, वर्षा जल संचय, वाहनों एवं एयर कंडीशंस की संख्या की कमी से ही हम प्रचंड गर्मी को कम कर सकते हैं। पृथ्वी का तापमान घटेगा तभी मानव सुरक्षित रह पाएगा।

उक्त संदर्भ में यह हम सभी भारतीयों के लिए हर्ष का विषय होना चाहिए कि हमारे देश में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जैसे संगठन मौजूद हैं जो सदैव ही सामाजिक, धार्मिक, आर्थिक एवं सेवा कार्य करने वाले संगठनों को साथ लेकर, देश पर आने वाली किसी भी विपत्ति में आगे आकर, सेवा कार्य करना प्रारम्भ कर देते हैं। भारत के पर्यावरण में सुधार लाने की दृष्टि से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने तो बाकायदा एक नई पर्यावरण गतिविधि को ही प्रारम्भ कर दिया है। जिसके अंतर्गत समाज में विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने वाले संगठनों को साथ लेकर संघ द्वारा देश में प्लास्टिक का उपयोग बिल्कुल नहीं करने का अभियान प्रारम्भ किया गया है और देश में अधिक से अधिक पेड़ लगाने की मुहिम प्रारम्भ की गई है। साथ ही, विभिन्न शहरों को स्वच्छ एवं नशामुक्त बनाने हेतु भी विशेष अभियान प्रारम्भ किए हैं। उदाहरण के तौर पर ग्वालियर को स्वच्छ, नशामुक्त एवं प्लास्टिक मुक्त शहर बनाने का बीड़ा उठाया गया है।

इसी संदर्भ में ग्वालियर महानगर में विविध संगठनों के दायित्ववान कार्यकर्ताओं का दो दिवसीय शिविर आयोजित किया गया था। इस शिविर के एक विशेष सत्र में इस बात पर विचार किया गया कि ग्वालियर महानगर को स्वच्छ एवं नशामुक्त बनाया जाना चाहिए। उक्त शिविर के समापन के पश्चात उक्त समस्याओं के हल हेतु

विविध संगठनों के दायित्ववान कार्यकर्ताओं की तीन बैठकें आयोजित की गईं। इन बैठकों में विस्तार से विचार करने के उपरांत यह निर्णय लिया गया कि कुछ चिन्हित कार्यकर्ताओं को विभिन्न मठ, मंदिरों, स्कूलों, संस्थानों आदि में विषय प्रस्तुत करने हेतु भेजा जाए ताकि उक्त समस्याओं के हल में समाज की भागीदारी सुनिश्चित की जा सके। इस संदर्भ में चुने गए 60 कार्यकर्ताओं के लिए एक वक्ता कार्यशाला का आयोजन भी किया गया। इन चिन्हित कार्यकर्ताओं को विभिन संस्थानों में विषय प्रस्तुत करने हेतु भेजा गया था ताकि उक्त समस्याओं के हल करने हेतु समाज को भी साथ में लेकर कार्य को सम्पन्न किया जा सके।

साथ ही, ग्वालियर को प्रदूषण मुक्त सुंदर नगर बनाए जाने के अभियान को स्थानीय जनता के बीच ले जाने हेतु, माननीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी के जन्म दिवस के शुभ अवसर पर दिनांक 25 दिसम्बर 2024 को, ग्वालियर के चुने हुए 29 चौराहों पर मानव श्रृंखलाएं बनाई गई थी, लगभग 8,000 नागरिकों ने इस मानव श्रृंखला में भागीदारी की थी। इसी प्रकार, ग्वालियर को व्यसन मुक्त नगर बनाए जाने के अभियान को स्थानीय जनता के बीच ले जाने हेतु, स्वामी विवेकानंद जी के जन्म दिवस एवं अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस के शुभ अवसर पर, दिनांक 12 जनवरी 2025 को एक विशाल मेराथन दौड़ का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम के आयोजन में स्थानीय प्रशासन का भरपूर सहयोग प्राप्त हुआ एवं लगभग 6,000 नागरिकों ने इस मेराथन दौड़ में भाग लिया था।

संघ के ग्वालियर विभाग द्वारा ग्वालियर महानगर में अधिक से अधिक पेड़ लगाए जाने की मुहिम प्रारम्भ की गई। जिसके अंतर्गत ग्वालियर के कई विद्यालयों में वहां के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को साथ लेकर स्वयंसेवकों द्वारा नगर में भारी मात्रा में पौधारोपण किया गया। ग्वालियर की पहाड़ियों पर भी इस मानसून के मौसम के दौरान हजारों की संख्या में नए पौधे रोपे गए हैं। गजराराजा स्कूल, केआरजी महाविद्यालय एवं गुप्तेश्वर मंदिर की पहाड़ियों को तो पूर्णतः हरा भरा बना दिया गया है।

नगर के प्रबुद्ध नागरिकों द्वारा नगर के विद्यालयों, महाविद्यालयों, सामाजिक संगठनों, व्यावसायिक संगठनों, धार्मिक संगठनों, एवं नगर के विभिन्न चौराहों पर नागरिकों को शपथ दिलाई जा रही है कि मैं ग्वालियर नगर को प्लास्टिक मुक्त बनाने हेतु, आज से प्लास्टिक का उपयोग बिल्कुल नहीं करूंगा। अभी तक एक लाख से अधिक नागरिकों को यह शपथ दिलाई जा चुकी है। कई स्कूल, कई मंदिर एवं कई महाविद्यालय (लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शिक्षण संस्थान - एलएनआईपीई सहित) पोलिथिन मुक्त हो चुके हैं। इसी प्रकार, ट्रिपल आईटीएम प्रबंधन के प्रयास से संस्थान के आसपास दुकानदारों द्वारा मादक पदार्थों के बिक्री करना बंद कर दिया गया है। साथ ही, ग्वालियर महानगर में एक लाख से अधिक नागरिक, नशा नहीं करने का संकल्प ले चुके हैं।

विभिन्न मठ, मंदिरों एवं गुरुद्वारों में भंडारों का आयोजन किया जाता है। इन भंडारों में अब प्रसादी को दोनों, पत्तलों में परोसा जाने लगा है एवं प्लास्टिक का उपयोग लगभग बंद कर दिया गया है। साथ ही, इन मंदिरों के आसपास प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा डस्टबिन रखवाये गए हैं, ताकि कचरे को यहां वहां न फैला कर इन डस्टबीन में डाला जा सके। इससे, मठ, मंदिरों एवं गुरुद्वारों के आसपास के इलाके स्वच्छ रहने लगे हैं। ग्वालियर महानगर के जनप्रतिनिधि विभिन्न मैरिज गार्डन में जाकर इनके मालिकों से लगातार चर्चा कर रहे हैं कि इन मैरिज गार्डन में अमानक पॉलीथिन का उपयोग बिलकुल नहीं होना चाहिए। इसका असर यह हुआ है कि अब मैरिज गार्डन में होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों में प्लास्टिक का उपयोग धीरे धीरे कम होता हुआ दिखाई दे रहा है।

नागरिकों को कपड़े से बने थैले भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं, ताकि बाजारों से सामान खरीदते समय इन कपड़े के थैलों का इस्तेमाल किया जा सके और प्लास्टिक के उपयोग को तिलांजलि दी जा सके। प्लास्टिक के उपयोग को खत्म करने के उद्देश्य से गणेशोत्सव के पावन पर्व पर नगर में विभिन्न गणेश पांडालों में बच्चों द्वारा नाटक भी खेले गए। साथ ही, संघ ने अपने स्वयंसेवकों को आग्रह किया है कि संघ द्वारा आयोजित किए जाने वाले किसी भी कार्यक्रम में प्लास्टिक का इस्तेमाल बिल्कुल नहीं किया जाना चाहिए। और, अब संघ के कार्यक्रमों में इस बात का ध्यान रखा जाने लगा है कि प्लास्टिक का उपयोग बिल्कुल नहीं किया जाय। ग्वालियर के नागरिकों, विविध संगठनों, सामाजिक संस्थानों एवं प्रशासन द्वारा लगातार किए गए प्रयासों के चलते ग्वालियर महानगर को स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 के अंतर्गत राज्य स्तरीय मिनिस्ट्रीयल अवार्ड के लिए चुना गया है। यह पुरस्कार 17 जुलाई 2025 को दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू द्वारा प्रदान किया जाएगा। इसी प्रकार, सिविल अस्पताल, हजीरा, जिला ग्वालियर को स्थानीय नागरिकों को उच्च स्तर की गुणवत्ता पूर्ण संक्रमण रहित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने हेतु राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, मध्य प्रदेश से प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ है।

जब पूरे देश में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जैसे संगठन आगे आकर समाज के अन्य संगठनों को साथ लेकर देश के पर्यावरण में सुधार लाने हेतु कार्य प्रारम्भ करेंगे तो भारत के पर्यावरण में निश्चित ही सुधार दृष्टिगोचर होने लगेगा। (लेखक सेवानिवृत्त उपमहाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक है)

नशा मुक्त युवा, विकसित भारत का सारथी

डॉ. मनसुख मांडविया

कहा जाता है कि अगर किसी देश को आगे बढ़ना है, विकसित होना है, तो उसका युवा सशक्त और समर्थ होना चाहिए। विश्व में भारत ऐसा देश है, जहां सबसे अधिक युवा आबादी है। हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी कहते हैं कि अगर भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाना है, तो उसमें सबसे महत्वपूर्ण भूमिका हमारी युवा शक्ति ही निभाएगी। देश के विकास की रफ्तार युवाओं की ऊर्जा, विचार और संकल्प से ही तय होती है। लेकिन आज राष्ट्र के सामने सबसे बड़ी चुनौती है, अपने युवाओं को नशे की लत से दूर रखना। वर्तमान में युवा वर्ग नशे के घेरे में आता जा रहा है।

यह नशा न केवल उनके स्वास्थ्य बल्कि करियर, सपनों और देश की ताकत को भी प्रभावित कर रहा है। एक स्टडी के मुताबिक, भारत में 10 से 24 वर्ष की उम्र के हर 5 में से 1 युवा ने कभी न कभी ड्रग्स का सेवन किया है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS) की रिपोर्ट के अनुसार, 8.5 लाख से अधिक बच्चे ड्रग्स की लत का शिकार हैं। ये आंकड़े बेहद डरावने और चिंतन योग्य हैं।

ड्रग्स और अन्य नशीले पदार्थों के खात्मे के लिए भारत सरकार ने पिछले 11 वर्षों में कई प्रभावी कदम उठाए हैं। 2020 में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने नशा मुक्त भारत अभियान की शुरुआत की। नशे की लत को रोकने और पीड़ितों की सहायता के लिए सरकार ने राष्ट्रीय नशा मुक्ति केंद्र (IRCAs) और आउटरीच-कम-ड्रॉप-इन सेंटर (ODICs) की स्थापना की। स्कूलों और कॉलेजों में जागरूकता अभियान चलाए गए।

नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (NCB) ने ड्रग माफिया के विरुद्ध सशक्त ऑपरेशन्स किए। साथ ही, देशभर में युवाओं की काउंसलिंग हेतु हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर भी स्थापित किए गए। इसके अलावा विभिन्न राज्यों में भी स्थानीय प्रशासन, गैर-सरकारी संस्थाओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं के सहयोग से नशे के विरुद्ध कई बड़े अभियान चलाए जा रहे हैं। भारत इस लड़ाई को और मजबूत बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है।

इसी कड़ी में MY Bharat ने एक बड़ी पहल की है। बाबा काशी विश्वनाथ की धरती से 19 से 20 जुलाई तक युवा आध्यात्मिक समिट का आयोजन किया जा रहा है। इसका थीम होगा नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत।

वाराणसी के पावन घाटों पर आयोजित होने वाले इस समिट का उद्देश्य, एक ऐसी राष्ट्रीय नीति बनाना है, जो युवाओं के नेतृत्व में नशा मुक्ति अभियान को सशक्त बनाए।

इस समिट में देशभर की 100 से अधिक आध्यात्मिक संस्थाओं के युवा प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया है।

साथ ही स्वास्थ्य मंत्रालय, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, संस्कृति मंत्रालय, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो और अन्य महत्वपूर्ण संस्थाएं भी इसमें सहभागिता करेंगी। इसके माध्यम से युवाओं को एक ऐसा मंच मिलेगा, जहां वो अपनी आवाज़ को सरकार और नीति निर्माताओं तक पहुँचा सकेंगे।

इस समिट में देश की नशे के विरुद्ध लड़ाई को मजबूत करने के लिए विभिन्न सेशन्स आयोजित किए जाएंगे। इसमें नशे की प्रवृत्ति, इसकी प्रकृति, प्रकार, पीड़ितों की जनसांख्यिकी, अंतर्राष्ट्रीय प्रभाव और सरकार तथा MY Bharat के युवा स्वयंसेवकों की भूमिका जैसे विषयों पर गहन विचार-विमर्श और चर्चा होगी। साथ ही नशे की लत से उबरने वाले युवाओं की प्रेरक कहानियां और उनके अनुभव भी साझा किए जाएंगे, ताकि अन्य युवा उनसे प्रेरणा ले सकें।

अंत में एक काशी डिक्लेरेशन जारी किया जाएगा, जो अगले पांच वर्षों के लिए नशा मुक्ति अभियान का रोडमैप होगा। इसमें यह तय किया जाएगा कि युवाओं को किस प्रकार नशे से दूर रखा जाए, नशे की गिरफ्त में आए लोगों की कैसे सहायता की जाए और पूरे देश में जागरूकता अभियान को किस तरह तेज किया जाए।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी हमेशा देश की अमृत पीढ़ी के सपनों का भारत बनाने की बात करते हैं।

उनके विजन के अनुरूप, युवा मामले और खेल मंत्रालय द्वारा उठाया गया यह कदम, एक समग्र और प्रभावशाली पहल का उदाहरण बनेगा। यह पहल न केवल युवाओं को नशे से दूर रखने में मदद करेगी, बल्कि उन्हें राष्ट्र निर्माण की मुख्यधारा में भी सशक्त भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करेगी। देश को विकसित राष्ट्र बनाने की सबसे बड़ी जिम्मेदारी हमारी युवा शक्ति की है। काशी में आयोजित होने वाला युवा आध्यात्मिक समिट इस लक्ष्य की दिशा में केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय चेतना का प्रारंभ स्थल बनेगा।

यह नशे के विरुद्ध राष्ट्रव्यापी अभियान को नई दिशा और ऊर्जा देगा। साथ ही, युवाओं में नैतिक मूल्यों, सामाजिक ज़िम्मेदारी और आत्म-संयम का ऐसा भाव जागृत करेगा, जो न केवल उन्हें अपने जीवन में सार्थकता देगा, बल्कि देश को भी आत्मनिर्भर, सशक्त और विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित करने का माध्यम बनेगा। काशी की पवित्र धरती से उठने वाली यह पुकार, हर युवा के मन में जागृति और देशभक्ति का नया प्रकाश भर देगी और यही संकल्प 2047 के विकसित भारत की मजबूत नींव बनेगा।

(लेखक केंद्रीय श्रम एवं रोजगार तथा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री हैं)

निरंकुश अभिव्यक्ति से जुड़े सुप्रीम फैसलों का स्वागत हो

अशिष्ट, अभद्र, हिंसक, भ्रामक, राष्ट्र-विरोधी एवं समुदाय विशेष के लोगों को आहत करने वाली होती है, जिसका उद्देश्य राष्ट्र को जोड़ना नहीं, तोड़ना है। इन सोशल मंचों पर ऐसे लोग सक्रिय हैं, जो तोड़-फोड़ की नीति में विश्वास करते हैं, वे चरित्र-हनन और गाली-गलौच जैसी औछी हरकतें करने के लिये उद्यत रहते हैं तथा उच्छृंखल एवं विध्वंसात्मक नीति अपनाते हुए अराजक माहौल बनाते हैं।

(ललित गर्ग)

ताजा मामलों में कई राज्यों में स्वतंत्र अभिव्यक्ति के नियमन को लेकर सरकारी कार्रवाई को लेकर भी सवाल उठते रहे हैं। कई जगह विचारों की अभिव्यक्ति व कार्टून आदि बनाने को राजनीतिक दुराग्रह बताते हुए लोगों को गिरफ्तार तक किया गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने अभिव्यक्ति की आजादी एवं सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एंटी सोशल अभिव्यक्ति की सुनवाई करते हुए समय-समय पर जो कहा, वह जहां संवैधानिक और लोकतांत्रिक मूल्यों के लिहाज से खासा अहम है वहीं एक संतुलित एवं आदर्श राष्ट्र एवं समाज व्यवस्था का आधार भी है। सोशल मीडिया मंचों पर एंटी सोशल अभिव्यक्ति के चलते उपजी विभाजनकारी एवं विध्वंसकारी प्रवृत्तियों पर अंकुश की जरूरत बताते हुए देश की शीर्ष अदालत ने आत्म-नियमन, वाणी संयम एवं विचार संयम की जरूरत बतायी है। धर्म विशेष के देवी-देवताओं के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट के चलते कई राज्यों में प्राथमिकी दर्ज हुई एवं यह याचिका दायर की गई। दरअसल, जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस के. वी. विश्वनाथन की पीठ ने एक व्यक्ति द्वारा दायर इसी याचिका पर विचार करते हुए कहा कि समाज में विद्वेष, घृणा व नफरत फैलाने वाले संदेश समरसता, सौहार्द एवं सद्भावना के भारतीय परिवेश के लिये गंभीर चुनौती बने हुए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने अभिव्यक्ति की आजादी से जुड़ी इन जटिल होती स्थितियों को गंभीरता से लिया और अनेक धुंधलकों को साफ किया है। अदालत का कहना था कि नागरिकों को अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार का मूल्य समझना चाहिए। साथ ही इस अधिकार का इस्तेमाल करते हुए आत्म-संयम बरतना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने अभिव्यक्ति की आजादी व धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने से जुड़े अनेक मामलों के साथ-साथ ताजा मामले में जो फैसले किए हैं और इस दौरान जो टिप्पणियां की हैं, उसके निहितार्थों को समझते हुए इन अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के जुड़े फैसलों रूपी उजालों का स्वागत होना ही चाहिए।

आज सोशल मीडिया जैसे मंचों के बेजा इस्तेमाल की प्रवृति बढ़ रही है, फेसबुक, ट्विटर, यू-ट्यूब जैसे सोशल मंचों एवं टीवी चैनलों पर ऐसी सामग्री परोसी एवं प्रस्तुत की जा रही है, जो अशिष्ट, अभद्र, हिंसक, भ्रामक, राष्ट्र-विरोधी एवं समुदाय

विशेष के लोगों को आहत करने वाली होती है, जिसका उद्देश्य राष्ट्र को जोड़ना नहीं, तोड़ना है। इन सोशल मंचों पर ऐसे लोग सक्रिय हैं, जो तोड़-फोड़ की नीति में विश्वास करते हैं, वे चरित्र-हनन और गाली-गलौच जैसी औछी हरकतें करने के लिये उद्यत रहते हैं तथा उच्छृंखल एवं विध्वंसात्मक नीति अपनाते हुए अराजक माहौल बनाते हैं। एक प्रगतिशील, सभ्य एवं शालीन समाज में इस तरह की हिंसा, अश्लीलता, नफरत और भ्रामक सूचनाओं की कोई जगह नहीं होनी चाहिए, लेकिन विडम्बना है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता कानून के चलते सरकार इन अराजक स्थितियों पर काबू नहीं कर पा रही है।

सुप्रीम कोर्ट ने चेताया है कि यदि सोशल मीडिया पर विभाजनकारी प्रवृत्तियों पर अंकुश नहीं लगता तो सरकार को हस्तक्षेप करने का मौका मिलता है, जो एक अच्छी स्थिति नहीं होगी। आज सोशल मीडिया, समाचार चैनलों और राजनीतिक मंचों पर जिस प्रकार की उग्र भाषा, झूठे आरोप, धार्मिक विद्वेष और भावनात्मक उकसावे देखे जा रहे हैं, वे न केवल समाज को विभाजित कर रहे हैं, बल्कि लोकतांत्रिक संवाद की गरिमा को भी ठेस पहुँचा रहे हैं। यही वजह है कि कोर्ट को कहना पड़ा कि वह नियमन के लिये दिशा-निर्देश जारी करने पर विचार कर रही है। दरअसल, अदालत का मानना था कि भारत के संविधान का अनुच्छेद 19(1)(ए) नागरिकों को 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता' देता है, इसके तहत प्रत्येक नागरिक को विचार, वाणी, लेखन, चित्रण आदि के माध्यम से स्वतंत्र रूप से अपनी बात कहने का अधिकार है। लेकिन आज इस अधिकार के दुरुपयोग की घटनाएं जिस प्रकार सामने आ रही हैं, वह चिंता का विषय बन चुकी हैं। इसलिए आज जरूरत है विचार संयम और वाणी संयम की। इसीलिये अनुच्छेद 19(2) इसके कुछ 'उचित प्रतिबंध' भी निर्धारित करता है जैसे भारत की संप्रभुता और अखंडता, देश की सुरक्षा, राज्य की अखंडता, लोक व्यवस्था, शालीनता या नैतिकता, अश्लील या अनैतिक भाषण, अदालत की अवमानना, मानहानि, अपराध के लिए उकसावा एवं अन्य देशों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंधों से जुड़ी अराजकता पर प्रतिबंध, इन प्रतिबंधों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि स्वतंत्रता का उपयोग अनुशासन और राष्ट्रीय हितों की मर्यादा में हो। संविधान के अनुच्छेद 19(2) के तहत मिली आजादी असीमित कदापि नहीं है।

ताजा मामलों में कई राज्यों में स्वतंत्र अभिव्यक्ति के नियमन को लेकर सरकारी कार्रवाई को लेकर भी सवाल उठते रहे हैं। कई जगह विचारों की अभिव्यक्ति व कार्टून आदि बनाने को राजनीतिक दुराग्रह बताते हुए लोगों को गिरफ्तार तक किया गया है। जिसे राजनीतिक दलों द्वारा बदले की भावना से की कार्रवाई बताया जाता रहा है। आरोप लगाया जाता रहा है कि सत्तारूढ़ दल की विचारधारा के अनुरूप अमर्यादित एवं अशालीन अभिव्यक्ति के बावजूद कोई एक्शन नहीं लिया जाता। लेकिन दूसरे राज्य में अन्य राजनीतिक दल की सरकार में यही अभिव्यक्ति अपराध बन जाती है। कोई नहीं चाहता कि आम नागरिक की अभिव्यक्ति की आजादी को सरकार नियंत्रित करे। सही मायनों में लोगों को समझना चाहिए कि देश की एकता व अखंडता बनाये रखना मौलिक कर्तव्य ही है। अदालत ने इस बाबत सवाल भी किया कि नागरिक स्वयं को संयमित क्यों नहीं कर सकते? राजनीतिक दल, धार्मिक नेता या उग्रवादी कार्यकर्ता क्यों समाज में विषवमन करते हुए विवादास्पद एवं वर्ग-धर्म विशेष के लोगों की भावनाओं को आहत करने वाले कटू एवं कड़वे बयान देते हैं? कोर्ट का मानना था कि लोग तभी अभिव्यक्ति की आजादी का आनन्द ले सकते हैं जब यह संयमित ढंग से व्यक्त की जाए। शीर्ष अदालत की पीठ का मानना था कि नागरिकों के बीच भाईचारा होना चाहिए, तभी समाज में नफरत से मुकाबला किया जा सकता है। तभी हम गंगा-जमुनी सांझा संस्कृति के राष्ट्र एवं समाज का निर्माण कर सकते हैं। आज के दौर में हमें विचार संयम और वाणी संयम को अपनी संस्कृति और लोकतंत्र की आधारशिला बनाना होगा। जैसाकि स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि बोलने से पहले तीन बार सोचो, क्या यह सत्य है? क्या यह आवश्यक है? क्या यह दूसरों को आहत तो नहीं करेगा? संविधान हमें अधिकार देता है, लेकिन उसके साथ आत्मानुशासन और समाजहित की अपेक्षा भी करता है।

संक्षिप्त समाचार

वित्तरहित संस्थान के कर्मी 21 जुलाई को काला बिल्ला लगाकर करेंगे विरोध प्रदर्शन

मांगों को लेकर 23 जुलाई को विधान मंडल का किया जाएगा घेराव

कौआकोल/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। विभिन्न मांगों को लेकर कई वर्षों से आंदोलन कर रहे वित्तरहित शिक्षक शिक्षकेत्तर कर्मचारी संयुक्त संघर्ष मोर्चा बिहार, पटना के आहवान पर विभिन्न मांगों को लेकर एक बार फिर से आंदोलन का रूप अख्तियार किया है। इसकी जानकारी देते हुए मोर्चा के जिलाध्यक्ष व वारसी कॉलेज के प्राचार्य डॉ० बिपिन सिन्हा ने बताया कि वित्तरहित अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों,इंटरमीडिएट महाविद्यालयों तथा संबद्ध डिग्री महाविद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों एवं कर्मचारियों को वेतन,पेंशन,बकाये अनुदान का भुगतान की मांग आदि को लेकर 23 जुलाई को विधान मंडल का घेराव किया जाएगा। इसके पहले कर्मी 21 जुलाई को अपने संस्थानों में काला बिल्ला लगाकर विरोध जताएंगे। वित्तरहित शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारी संयुक्त संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष डॉ० सिन्हा ने लोगों से इस आंदोलन में शामिल होकर इसे सफल बनाने की अपील की है।

समाज सेवी व भूमि दान दाता की 38वीं पुण्य तिथि मनाई गई

सिरदला/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। प्रखण्ड के उच्च विद्यालय बेररी, बैजनाथपुर में भूमि दान दाता स्व० यमुना प्रसाद जी की 38वीं पुण्य तिथि विद्यालय प्रांगण में श्रद्धा पूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर परिवार के सदस्य एवं समाज सेवी आनन्द सिंन्हा ने बताया कि स्व.प्रसाद ने प्राथमिक विद्यालय और उच्च विद्यालय बेररी के लिए भूमि दान कर इस क्षेत्र में शिक्षा की अलख जगाई। मौके पर शिक्षिका कंचन सिन्हा, अन्जना कुमारी, प्रकरषिता, परितांश , रूद्र देव, पिन्टु कुमार, छोटू ,बालेश्वर यादव सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

ब्रजपात से चार मवेशियों की मौत

बिहारशरीफ/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सरमेरा प्रखंड क्षेत्र में लगातार होर ही बारिश से ठनका गिरने की घटना मेंअब तकप्रखंड के विभिन्न गांव में चार पशुओं की मौत हो गई है। टीवीओ डॉ. शैलेंद्र कुमार ने बताया कि पोस्टमार्टम कर दिया गया है। उन्होंने बताया किसदहा में दो, सोंडीहा एक तथा शेखड़ा मे एक पशु की मौत हुई है। इस बीच जदयू प्रखंड अध्यक्ष सह 20सूत्री अध्यक्ष विजय प्रसाद ने डीएम कुंदन कुमार से प्रभावित पशुपालकों के बीच आपदा राहत से सरकारी सहायता अविलंब मुहैया कराने की मांग की है।

पानी में डूबने से किशोरी की मौत

बिहारशरीफ/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। रहुई थाना क्षेत्र के हवनपुरा गांव में पानी में डूबकर एक किशोरी की मौत हो गई। मृतक की पहचान हवनपुरा गांव निवासी शंकर बिंद के 16 वर्षीय पुत्री पूजा कुमारी के रूप में की गई है। इस संबंध में ग्रामीणों ने बताया कि पूजा कुमारी अपने मां के साथ धान रोपने के लिए पास स्थित खेत में गई थी। खेत के पास से पाइन पानी से लबालब भरा था। धान रोपने के बाद पूजा पैर धोने के लिए पाइन में गई जहां पैर धोने के क्रम फिसल गई और गहरे पानी भरे गड्ढे में चली गई। इसी दौरान पानी में डूबने लगी। खेत में कार्य कर रहे अन्य लोगों की नजर जब पड़ी तो वह दौड़ कर लड़की को बचाने का प्रयास किए तबतक लड़की पानी में डूबकर अचेत अवस्था में पड़ी थी। वहां मौजूद लोगों ने आनन फानन में लड़की को पानी से बाहर निकालकर इलाज एक लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रहुई में लाया जहां डॉक्टरों ने जांच किया तो लड़की को मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना रहुई थाना की पुलिस को दिया गया। जहां घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस अस्पताल पहुंचकर लड़की के परिजनों को समझाने में जुट गए।

सीओ ने मृतक के परिजन को सौंपा चार लाख का चेक

बिहारशरीफ/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। मदनचक गांव निवासी 51 वर्षीय मनोज यादव की मौत हो गई थी। घटना के बाद, प्रशासन नेत्वरित कार्रवाई करते हुए मृतक के परिवार को आर्थिक संबल प्रदान किया है। शुक्रवार को

प्रखंड प्रमुख टुन्नो देवी के मौजुदगी में अंचलाधिकारी रामायण कुमार के द्वारा मृतक मनोज यादव की निकटतम आश्रित पत्नी रेखा देवी को चार लाख रुपये की अनुग्रह अनुदान राशि का चेक प्रदान किया गया। यह अनुदान राशि परिवार को इस कठिन समय में सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से दी गई है। मौके पर गाँव के कई ग्रामीण और स्थानीय लोग भी मौजूद थे।

कौआकोल में निजी स्कूल संचालक से पांच लाख रुपये मांगी रंगदारी

स्कूल में बिस्फोटक सामाग्री व रंगदारी का पर्चा भेज अंजाम भुगतने की दी चेतावनी

कौआकोल/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। कौआकोल में अज्ञात बदमाशों ने एक निजी स्कूल संचालक को मोबाइल से धमकी भरा कॉल करके पांच लाख रुपये की रंगदारी की मांग की है। वहीं नहीं देने पर संचालक समेत स्कूली बच्चों को अंजाम भुगतने की चेतावनी दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कौआकोल प्रखण्ड मुख्यालय से सटे बिझो गांव में संचालित जीवन दीप आवासीय पब्लिक स्कूल के संचालक सुभाष कुमार के पास गुरुवार की सुबह साढ़े आठ बजे लगभग मोबाइल नम्बर-7257962138 से धमकी भरा कॉल कर रंगदारी की मांग करते हुए नहीं देने पर अंजाम भुगतने की चेतावनी दी गई। वहीं इसके पूर्व दो अज्ञात व्यक्तियों के द्वारा विद्यालय परिसर में धमकी भरा पत्र एवं पटाखा के बारूद जैसा दिखने वाला विस्फोटक सामाग्री छोड़कर बाइक से फरार हो गया। घटना के बाद संचालक एवं उनके परिवार तथा विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों में दहशत का माहौल कायम हो गया है। संचालक ने बताया कि इसके पूर्व 8 जुलाई को भी इसी मोबाइल नम्बर से कॉल कर रंगदारी की मांग की गई थी। जिसकी स्थानीय सूचना थाना में दी गई। बावजूद बदमाशों का मनोबल दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है।

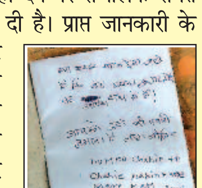

डीएम की अध्यक्षता में जनता दरबार का आयोजन

44 मामलों में से कई का ऑन स्पॉट निष्पादन

नवादा/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। शुक्रवार को समाहरणालय सभाकक्ष में जिला पदाधिकारी रवि प्रकाश की अध्यक्षता में जनता दरबार का आयोजन किया गया। जनता दरबार में जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए नागरिकों ने भूमि विवाद, पेंशन, आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य, राशन कार्ड और राजस्व संबंधी समस्याएं रखीं। कुल 44 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें सर्वाधिक मामले भूमि विवाद से संबंधित थे।जिलाधिकारी ने सभी आवेदनों को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागों को तत्क्षण कार्रवाई के निर्देश दिए। कई मामलों का ऑन स्पॉट निष्पादन कर आवेदकों को राहत प्रदान की गई। जनता दरबार में आए प्रमुख आवेदनों में थाना-मुफस्सिल के ग्राम समाय के मनोज कुमार द्वारा भूमि विवाद, गोविंदपुर प्रखंड के शिखरपुर निवासी लवकुश राजवंशी द्वारा पारिवारिक बंटवारे में जमीन नहीं मिलने की शिकायत, गुलनी निवासी महादलित शंकर चौधरी द्वारा बिना कनेक्शन के बिजली बिल मिलने की समस्या, सिरदला अंचल के ग्राम धिरौंध की रीता देवी द्वारा जमीन बंदोबस्ती, नरहट के छोटी पाली गांव के मो. एनूल हक द्वारा जमीन कब्जा एवं घेराबंदी, नारदीगंज के गोतरायन निवासी विजय कुमार विश्वकर्मा द्वारा भूमि विवाद और रोह थाना अंतर्गत मरुई गांव की नासरीन द्वारा देवर के द्वारा जमीन बेच देने संबंधी आवेदन शामिल थे। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता की शिकायतों का संवेदनशीलता एवं तत्परता से समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जनता दरबार आम लोगों की सरकार तक सीधी पहुँच है, इसका उद्देश्य पारदर्शी व त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है। जिला प्रशासन ने आम जनता से अपील की कि वे प्रत्येक शुक्रवार को आयोजित होने वाले जनता दरबार में अपनी समस्याओं के समाधान हेतु उपस्थित होकर इस जनकल्याणकारी पहल का लाभ उठाएं। जनता दरबार में अपर समाहर्ता डॉ. अनिल कुमार तिवारी,गोपनीय शाखा प्रभारी राजीव कुमार, स्थापना शाखा प्रभारी डॉ. राजकुमार सिंहा सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

फ्री बिजली की घोषणा का नेताओं ने किया स्वागत

नवादा/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जिला जनता दल (यूनाइटेड)नवादा प्रवक्ता जयशंकर चंद्रवंशी ने कहा है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के द्वारा घरेलू उपभोक्ताओं को 125 यूनिट बिजली फ्री देने की घोषणा पर मुख्यमंत्री को शुभकामनाओं के साथ बधाई के साथ आभार । उन्होंने कहां की मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का यह फैसला सभी वर्गों के प्रति न्याय एवं जन कल्याण के प्रति मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी के प्रतिबद्धता को प्रमाणित करता है। इस निर्णय से विशेष कर गरीब, निम्न मध्यवर्गीय और ग्रामीण उपभोक्ताओं के लिए वरदान साबित होगा । अब बिजली बिल देने की कोई चिंता नहीं है । गरीबों को नीतीश सरकार बहुत बड़ी राहत दिया है । यह निर्णय सत्य और न्याय एवं जवाबदेह प्रशासन का प्रमाण है । मुख्यमंत्री जी बिहार बासियों की जरूरत एवं उनके कल्याण को अपने शासन व्यवस्था में प्राथमिकता देने का काम करते रहे हैं।

बड़राजी बाजार में आभूषण दुकान से लाखों के जेवर व नकदी उड़ाए

कौआकोल में इन दिनों लगातार बढ़ रही आपराधिक घटनाएं

कौआकोल/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। कौआकोल थाना क्षेत्र के बड़राजी बाजार में एक आभूषण दुकान से गुरुवार की रात्रि अज्ञात चोरों ने लाखों रुपये मूल्य के सोने एवं चांदी के जेवर समेत एक लाख रुपये नकदी की चोरी कर ली। इस सम्बंध में पीड़ित दुकानदार बड़राजी गांव निवासी महेश प्रसाद स्वर्णकार ने बताया कि शुक्रवार की सुबह दुकान खोलने जाने पर पाया कि उनके दुकान के पीछे का दीवार तोड़कर चोर उनके दुकान में घुसकर तिजोरी में रखे लगभग 4 किलो चांदी, 30 ग्राम सोना एवं एक लाख रुपये नकदी की चोरी कर लिया। पीड़ित दुकानदार ने कौआकोल थाना में आवेदन देकर कार्रवाई की मांग करते हुए पुलिस से आभूषण एवं नकदी की बरामदगी की गुहार लगाई है। बता दें कि इन दिनों कौआकोल में आपराधिक घटनाओं में लगातार वृद्धि हो रही है। क्षेत्र में चोरी की कई घटनाएं घटित हो चुकी हैं। पन्द्रह दिन के अंदर एक निजी विद्यालय के संचालक से भी रंगदारी की मांग की जा चुकी है। जिससे लोग एक बार फिर से दहशत में जीने को विवश हो रहे हैं।

125 यूनिट फ्री बिजली देने के निर्णय का किया स्वागत

पकरीबरावां/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। राज्य सरकार द्वारा 125 यूनिट मुफ्त बिजली देने की घोषणा का जदयू मीडिया सेल के पकरीबरावां प्रखंड अध्यक्ष एवं धमौल पंचायत के सरपंच इंद्रजीत कुमार सिन्हा ने जोरदार स्वागत किया है। उन्होंने इसे गरीब और मध्यम वर्ग के लिए राहतकारी कदम बताया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का यह फैसला आमजन की जरूरतों को ध्यान में रखकर लिया गया ऐतिहासिक निर्णय है। इससे खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले किसानों, मजदूरों और निम्न आय वर्ग के उपभोक्ताओं को बड़ी राहत मिलेगी। आर्थिक महंगाई के दौर में बिजली की बचत लोगों के मासिक खर्च में सहारा बनेगी। उन्होंने कहा कि सरकार की यह योजना राज्य की जनकल्याणकारी नीति की मिसाल है। बल्कि बिजली बिल के बोझ से भी राहत मिलेगी।

शिक्षिका की दबंगई : छेड़छाड़ की शिकायत करने पर छात्रा के साथ की सरेआम मारपीट, वीडियो वायरल

हिसुआ(नवादा)/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। हिसुआ के अंदर बाजार स्थित मिडिल स्कूल में सहायक शिक्षिका की दबंगई देखने को मिली है । जिसकी वीडियो स्थानीय लोगों ने सोशल मीडिया में वायरल कर कार्रवाई की मांग किया है। जिसमें बताया गया है कि छेड़छाड़ की शिकायत करने गयी विद्यालय की छात्रा के साथ उनके विद्यालय की शिक्षिका रजनी कुमारी द्वारा मारपीट व गाली गलौच किया गया है । जिसका वीडियो सोशल मीडिया में वायरल है । विद्यालय की छात्रा निशा कुमारी ने आपबीती सुनाते हुए बताया कि शुक्रवार को कौशल कुमार एवं उसके साथियों द्वारा छेड़छाड़ एवं गाली गलौज किया गया । जिसके बाद स्थानीय लोगों एवं स्थानीय चौकीदार के साथ जब विद्यालय जाकर शिक्षकों से इसकी शिकायत किया , तो मनचलों का बचाव करते हुए उल्टा उसका हीं गलती ठहराते हुए सरेआम छात्रा से मारपीट किया और गालीगलौच करते हुए धमकी दी। जिसका वीडियो स्थानीय लोगों ने बनाकर सोशल मीडिया में लोड कर दिया। इधर मारपीट करने वाली शिक्षिका रजनी कुमारी से जब मीडियाकर्मी ने बात किया तो कुछ भी बताने से इनकार कर दिया। वहीं विद्यालय के प्रधानाध्यापक प्रमोद कुमार ने बताया कि शिक्षकों की कमी है ,शिक्षक बीएलओ ड्यूटी पर रहने के कारण विद्यालय के पास मनचलों का जमावड़ा रहता है। विद्यालय की शिक्षिका ने छात्रा के साथ जो मारपीट हुआ है ,उसका हमें खेद है। इधर खनखनापुर निवासी सुनील ठीकेदार ने बताया कि सूचना पर विद्यालय पहुंचे तब शिक्षिका एवं विद्यालय परिवार ने अपनी गलती स्वीकार कर माफी मांगा। उन्होंने बताया कि विद्यालय प्रबंधन के अनुशासनहीनता के कारण ऐसी घटना घटती है। वहीं इस घटना से स्थानीय लोगों में आक्रोश है।

दो दिवसीय क्षमता वर्धन प्रशिक्षण सफलतापूर्वक संपन्न

नवादा/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। पीसीआई की वित्तीय सहायता से ग्राम निर्माण मंडल द्वारा संचालित एम.आर.सी. परियोजना के अंतर्गत दो दिवसीय क्षमता वर्धन प्रशिक्षण का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह प्रशिक्षण ग्राम निर्माण मंडल के जिला पलायन स्रोत केंद्र कार्यालय, नवादा में आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण में परियोजना से जुड़े सभी 14 कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। प्रशिक्षण का उद्देश्य कार्यकर्ताओं को परियोजना के उद्देश्य, लक्ष्य, भूमिका और जिम्मेदारियों की विस्तृत जानकारी देना था, जिससे वे अपनी भूमिकाओं को बेहतर ढंग से समझ सकें और परियोजना को प्रभावशाली रूप से आगे बढ़ा सकें। ग्राम निर्माण मंडल के प्रधानमंत्री श्री अरविंद कुमार ने जानकारी दी कि पीसीआई की आर्थिक सहायता से नवादा जिले में एम.आर.सी. परियोजना संचालित की जा रही है। यह परियोजना जिले के चार प्रखंडों झ नवादा सदर, रजौली, नारदीगंज और हिसुआ - में क्रियान्वित हो रही है। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य प्रवासी मजदूरों के अधिकारों की रक्षा करना और उन्हें सरकारी योजनाओं से जोड़ना है, ताकि उनका आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण सुनिश्चित हो सके। इसके अंतर्गत प्रवासी मजदूरों और उनके परिवारों को सरकारी योजनाओं की जानकारी व सहायता प्रदान करने के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे। प्रशिक्षण में जन साहस संस्था के क्वालिटी एंड डेवलपमेंट विभाग से श्री सोनू कुमार ने मुख्य प्रशिक्षक की भूमिका निभाई और कार्यकर्ताओं को व्यावहारिक ज्ञान व मार्गदर्शन प्रदान किया। आपात स्थितियों और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जुड़ी सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबर 1800-120-11211 जारी किया गया है। यह मजदूर हेल्पलाइन सेवा चौबीसों घंटे (247) निशुल्क उपलब्ध है, जिसके माध्यम से मजदूर और उनके परिवार आवश्यक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

नव निर्वाचित प्रतिनिधियों का शपथ ग्रहण 24 को

कौआकोल/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। कौआकोल प्रखण्ड में 11 जुलाई को सम्पन्न हुए पंचायत उपचुनाव के नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों का शपथ ग्रहण 24 जुलाई को सभागार भवन में आयोजित किया जाएगा। इसकी जानकारी देते हुए बीडीओ डॉ० अखिलेश कुमार ने बताया कि पंचायत उपचुनाव के तहत कौआकोल प्रखण्ड के दरावां पंचायत में पंचायत समिति सदस्य,कौआकोल पंचायत के वार्ड नम्बर-03 में वार्ड सदस्य,छबैल पंचायत के वार्ड नम्बर-02 में वार्ड सदस्य एवं नावाडीह पंचायत के वार्ड नम्बर-08 में ग्राम कचहरी के पंच पद पर चुनाव होना था। जिसमें दरावां पंचायत समिति सदस्य को छोड़कर सभी पदों पर निर्विरोध निर्वाचन हो गया। 9 जुलाई को सम्पन्न हुए मतदान के बाद 11 जुलाई को हुए मतगणना में दरावां पंचायत समिति सदस्य पद पर रूपा सिंह निर्वाचित हुई। उन्होंने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग के द्वारा प्राप्त दिशा निर्देश के आलोक में 24 जुलाई को सभी चारों निर्वाचित जनप्रतिनिधियों का शपथ ग्रहण प्रखण्ड कार्यालय भवन के सभागार कक्ष में कराया जाएगा।

24 घंटे के अंदर 52 फरार अपराधियों की हुई गिरफ्तारी : एसपी

नवादा/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। नवादा पुलिस द्वारा दिन प्रतिदिन अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में सफलता मिल रही है । प्रतिदिन पांच दर्जन से अधिक वारंटी और अपराधियों को गिरफ्तार किया जा रहा है । पुलिस की इस कार्रवाई से अपराधियों में हड़कंप मचा हुआ है । एसपी अभिनव धीमान ने बताया कि 17 जुलाई को जिला में पुलिस द्वारा विभिन्न गिरफ्तारियां की गयी हैं। उन्होंने बताया कि हत्या में 02, पोक्सो एक्ट में 01, साईबर अपराध में 01, मद्य निषेध में 13 एवं अन्य गिरफ्तारी 35 कुल 52 गिरफ्तारियां हुई। शराब की बरामदगी अन्तर्गत 81 लीटर महुआ शराब एवं 360 लीटर विदेशी शराब बरामद किया गया। वारंट के निष्पादन की संख्या-08 एवं कुर्की के निष्पादन की संख्या-04 है। वाहन जॉच के क्रम में कुल 650 वाहनों की जॉच की गयी है एवं फाईन की कुल राशि 91 हजार 500 रूपया वसूला गया है। अन्य गिरफ्तारी अन्तर्गत मोबाईल 04 एवं पिकअप 01 बरामद किया गया। एसपी ने बताया कि पुलिस इस तरह के क्रुर एवं जघन्य अपराध करने वाले अपराधियों को गिरफ्तार करने एवं सजा दिलाने के लिए लगातार संकल्पित है। अपराध को अंजाम देने के बाद अन्यत्र जगह छुपकर रहने वाले अपराधियों के विरूद्ध नवादा पुलिस लगातार आसूचना संकलन कर रही है तथा कार्रवाई के लिए प्रयासरत है। नवादा पुलिस के लिए यह बड़ी सफलता है।

टास्क फोर्स की बैठक में डीएम ने की समीक्षा

नवादा/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। शुक्रवार को समाहरणालय सभाकक्ष में जिलाधिकारी रवि प्रकाश एवं पुलिस अधीक्षक अभिनव धीमान की संयुक्त अध्यक्षता में टास्क फोर्स की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में विधि-व्यवस्था, मद्य निषेध, अवैध खनन, भूमि विवाद, बाल श्रम उन्मूलन एवं किशोर श्रम निषेध जैसे विविध विषयों पर विस्तृत चर्चा एवं समीक्षा की गई। बैठक में जिला खनन पदाधिकारी द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 में खनन मद से प्राप्त राजस्व की जानकारी दी गई। निर्धारित वार्षिक लक्ष्य 16873.49 लाख के विरुद्ध अब तक 2195.86 लाख की प्राप्ति दर्ज की गई है। इस वित्तीय वर्ष में अब तक अवैध खनन के अंतर्गत 613 छापेमारी, 80 प्राथमिकी, 26 गिरफ्तारी, 151 वाहन जप्त एवं 145.33 लाख की राशि वसूली गई है। इसके साथ ही बालू घाटों की बंदोबस्ती की स्थिति एवं जप्त बालू/पत्थर की एसओआर दर पर नीलामी आदि पर भी विस्तृत चर्चा की गई।जिलाधिकारी ने अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण की रोकथाम हेतु प्रभावी एवं सतत कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि इससे जिले में विधि-व्यवस्था संधारण में भी सहायता मिलेगी।जिलाधिकारी ने अनुमंडल पदाधिकारी एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी को निर्देश दिया कि भूमि विवाद के मामलों का समाधान शांतिपूर्ण तरीके से सुनिश्चित किया जाए। मद्य निषेध की समीक्षा के क्रम में पाया गया कि 15 जुलाई तक पुलिस द्वारा 11010.565 लीटर तथा उत्पाद विभाग द्वारा 1621.400 लीटर शराब की बरामदगी की गई है। उत्पाद विभाग को गहन अभियान चलाकर गिरफ्तारी एवं बरामदगी बढ़ाने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने यह भी निर्देश दिया कि थानावार शराब की बरामदगी की तुलना गत वर्ष की समान अवधि से की जाए और अगली बैठक में विवरण प्रस्तुत किया जाए।जून एवं जुलाई माह में किसी भी चेक पोस्ट द्वारा बड़ी मात्रा में शराब बरामद नहीं होने पर जिलाधिकारी ने चिंता व्यक्त की।

बाबा मणिराम की समाधि पर ई. सुनील कुमार ने किया लंगोट अर्पण

मांगा अमन-शांति का आशीर्वाद

बिहारशरीफ/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जदयू के राष्ट्रीय महासचिव सह पूर्व विधायक इंजीनियर सुनील कुमार ने गुरुवार को बिहारशरीफ स्थित सुप्रसिद्ध बाबा मणिराम अखाड़ा में पहुंचकर श्रद्धा के साथ लंगोटा चढ़ाया और जिले में अमन, शांति एवं समृद्धि के लिए बाबा से आशीर्वाद मांगा। ईंजीनियर सुनील कुमार ने कहा, मैंने बाबा से कामना की है कि 2025 में एक बार फिर एनडीए की सरकार बने और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार प्रगति के पथ पर आगे बढ़े। उन्होंने नीतीश कुमार को शांति और विकास का प्रतीक कहा उन्होंने जात-पात और धर्म से ऊपर उठकर पूरे बिहार को एकजुट करने का कार्य किया है। नीतीश कुमार गरीबों के सच्चे हितैषी हैं। उन्होंने वृद्धा पेंशन 400 से बढ़ाकर 1100 कर दिया, जिससे लाखों बुजुर्गों को राहत मिली। ई सुनील कुमार ने विश्वास जताया कि नीतीश कुमार ही वह नेतृत्व हैं जो हर दिल में बसते हैं और आने वाले समय में फिर से मुख्यमंत्री पद को सुशोभित करेंगे। इस मौके पर पूर्व विधायक चंद्रसेन कुमार, वार्ड पार्षद प्रमोद कुमार, रंजू कुमार, प्रदुमन कुमार, नारायण, साजन, राजद मुखिया राकेश कुमार, जदयू अध्यक्ष रहुई राजेश गुप्ता, मेहरू यादव, अश्वनी मुखिया अरूण मुखिया, जदयू नेता मनोज, उज्जवल यादव, वंटी, अमन सिंह, प्रमोद सिंह, दुगार्पुर के राकेश मुखिया सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग एवं समर्थक उपस्थित रहे।

मालदा टाउन से गोमतीनगर ट्रेन को विधायक ने दिखायी हरी झंडी

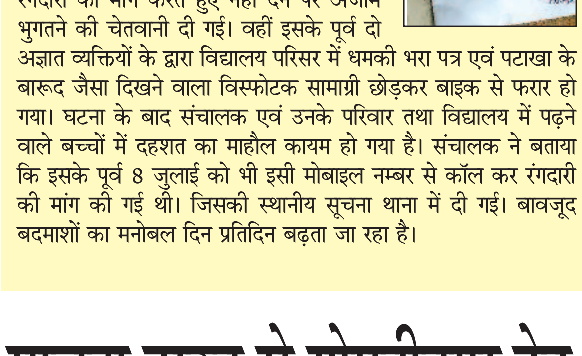

नवादा/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। नवादा रेलवे स्टेशन पर मालदा टाऊन - गोमती नगर अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन को भाजपा जिलाध्यक्ष अनिल मेहता, नवादा की विधायक विभा देवी, जदयू जिलाध्यक्ष मुकेश विद्यार्थी, आर एल म के जिलाध्यक्ष राजेंद्र मुखिया ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया । अनिल मेहता ने केंद्र सरकार, स्थानीय सांसद विवेक ठाकुर, एवं रेल मंत्रालय का आभार जताया और कहा की क्षेत्रीय विकास और यात्रियों की सुविधा को ध्यान मे रखते हुए यह एक सराहनीय पहल है इस ट्रेन का ठहराव से स्थानीय लोग को काफी लाभ मिलेगा। विधायक विभा देवी ने कहा की नवादा के लिए गर्व की बात है की यहाँ अब कई नई ट्रेनों का परिचालन हो रहा जिसमे लोगो काफी सहूलियत होंगी । जदयू जिलाध्यक्ष मुकेश विद्यार्थी ने कहा की ये डबल इंजन की सरकार के कारण संभव हो रहा नवादा के लोग के लिए खुशी का क्षण । इस मौके पर रेलवे के कई अधिकारी, भाजपा के निर्वतमान जिलाध्यक्ष संजय मुन्ना, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य विजय पाण्डेय,भाजपा के जिला महामंत्री अरविन्द गुप्ता, नंदकिशोर चौरसिया, उपाध्यक्ष विनोद भोली, तेजस सिन्हा, मुकेश कुमार, जदयू के उपाध्यक्ष शशि कुमार शेष,व्यवसाई प्रकोष्ठ के संयोजक सुधीर सिंह,मंडल अध्यक्ष गरीवन महतो,शिवरानी केशरी,पूर्व उपाध्यक्ष माधुरी वर्णनवाल, मनोज सिंह सहित सैकड़ो लोग मौजूद थे ।

स्काउट एंड गाइड का 6 दिवसीय प्रशिक्षण समापन समारोह आयोजित

नवादा/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बिहार राज्य भारत स्काउट और गाइड जिला मुख्यालय नवादा के अंतर्गत उच्च माध्यमिक इंटर विद्यालय भदोखरा में चल रहे छ दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का समापन समारोह मनाया गया ।समापन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला कार्यक्रम पदाधिकारी माध्यमिक ,वर्षा जी को स्काउट एवं गाइड गार्डऑफ ऑनर देकर गेट से मंच तक कलर पार्टी पहुंचाया,कार्यक्रम के शुरूआत झंडातोलन कर के कार्यक्रम को आगे बढ़ाया गया। इस अवसार पर बच्चों ने स्वागत गीत गाकर सभी का मनमोह लिया।

मुख्यातिथि जिला कार्यक्रम पदाधिकारी,और जिला सचिव राम अकवाल शर्मा,जितेन्द्र कुमार प्रधानाध्यापक संजय कुमार ,रविजी संयुक रूप से दीप प्रज्वलित किए। आगत अतिथि को विद्यालय प्रधानाध्यापक संजय कुमार और मैडम मिलकर शाल ,और पौधा देकर सम्मानित किए। कार्यक्रम को सफल संचालन अमरजीत कुमार के देख रेख में प्रशिक्षण दिया गई । मंच संचालन संतु कुमार राष्ट्रपति स्काउट सह एडवांस स्काउट प्रशिक्षक और बिपिन बिहारी मिल कर कर रहे थे।प्रशिक्षण में, अनुशासन, स्वावलंबन, देश भक्ति, मार्च पास्ट,कदमताल, रस्सी की जानकारी एवं गठे, नियम, प्रतिज्ञा प्रार्थना प्राथमिक सहायता झंडू तोलन की जानकारी नौ नियम इस वर्ष पर कुल 10 टोली भाग लिया । इस अवसार पर जिला कार्यक्रम पदाधिकारी ने जिला सचिव को अवगत कराए कि आप सभी विद्यालय में इस तरह स्काउट गाइड का प्रशिक्षण होना चाहिए, जिससे बच्चों में अनुशासन, स्वावलंबन लम्बन का जागरूकता होती है। हर संभव हम स्काउट गाइड टीम को मदद करेंगे। स्काउट प्रशिक्षक राजीव कुमार, सौरव कुमार मुरली धर संतु कुमार राजीव कुमार, विशाल कुमार, टोली नायक, निशा, श्वेता, कोमल, रितिका, श्रृष्टि, संदीप कुमार, शिक्षक शिक्षिका उपस्थित थे सुरेश कुमार, शिवनंदन, अजय कुमार, जागृति कुमारी मौजूद रहे ।

सिर्फ 5 लाख से 10.5 करोड़ का सफर...

कैसे एक काम ने बदल कर रख दी ठेकेदारों की दुनिया

नई दिल्ली, एजेंसी। महाराष्ट्र के सोलापुर जिले के शिवकुमार बोराडे और अश्वजीत वानखेड़े ने घर से काम करके सिर्फ 5 लाख रुपये के निवेश से माईटेक नाम की कंपनी शुरू की। 2025 तक यह कंपनी 10.5 करोड़ रुपये के टर्नओवर वाली टेक स्टार्टअप बन गई। माईटेक एक, द्ब- आधारित इपीसी (इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और कंस्ट्रक्शन) और मैन्युफैक्चरिंग मार्केटप्लेस है। यह कंपनी प्रोजेक्ट के लिए बोली लगाने वालों को ठेकेदारों से जोड़ती है। साथ ही प्रोजेक्ट के सभी पहलुओं को मैनेज करने में मदद करती है। इसमें कर्मचारी, मशीनरी, उपकरण, सामग्री और तकनीक शामिल हैं। आइए, यहां शिवकुमार बोराडे और अश्वजीत वानखेड़े की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

सिर्फ 5 लाख की पूंजी से शुरुआत

कोरोना महामारी के दौर में जब दुनियाभर में लोग घरों से काम कर रहे थे, दो दूरदर्शी उद्यमी शिवकुमार बोराडे और अश्वजीत वानखेड़े ने एक साहसिक कदम उठाया। उन्होंने सिर्फ 5 लाख रुपये के शुरुआती निवेश के साथ अपने घरों से ही माईटेक नाम की इन्फ्राटेक स्टार्टअप कंपनी की नींव रखी। आज, यह कंपनी एक सफल व्यवसाय में बदल चुकी है। नवी मुंबई में रजिस्टर्ड यह एआई-आधारित ईपीसी (इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और कंस्ट्रक्शन) और मैन्युफैक्चरिंग मार्केटप्लेस है। इसका उद्देश्य सरकारी या अन्य एजेंसियों से वर्क ऑर्डर प्राप्त करने वाले प्रोजेक्ट बोलीदाताओं को कॉन्ट्रैक्टरों और सब-कॉन्ट्रैक्टरों से जोड़ना है। इसके प्रमुख ग्राहक वे हैं जो सरकार या अन्य एजेंसियों से काम के ऑर्डर तो ले लेते हैं, लेकिन पैसे,

सब-कॉन्ट्रैक्टरों की कमी या संसाधनों के अभाव के कारण उन्हें निष्पादित करने में सक्षम नहीं होते या फिर वे काम को सबलेट करना चाहते हैं। यहीं पर माईटेक की भूमिका आती है। यह स्टार्टअप एक ऐसा मंच प्रदान करता है जो वर्कफोर्स, मशीनरी, उपकरण, सामग्री और प्रौद्योगिकी सहित परियोजना के सभी पहलुओं का प्रबंधन करने में मदद करता है। कंपनी मुख्य रूप से एमएसएमई और ए+ ग्रेड की कंपनियों को सेवाएं देती है। यह सिविल वर्क, आईटी और आईटीईएस, दूरसंचार, ऑटोमोबाइल और आर्किटेक्चर तथा मैकेनिकल-इलेक्ट्रिकल-प्लंबिंग जैसे क्षेत्रों पर केंद्रित है। माईटेक वर्तमान में महाराष्ट्र, पंजाब, कर्नाटक, गोवा और तेलंगाना में अपनी मजबूत उपस्थिति रखती है। वैसे पूरे भारत में इसके ऑपरेशन हैं।

क्लाइंट के जरिये हुई मुलाकात

शिवकुमार की मुलाकात अश्वजीत वानखेड़े से एक क्लाइंट के माध्यम से हुई। अश्वजीत के पास मार्केटिंग और एचआर में एमबीए की डिग्री है। उनके पास एनआईआईटी, टीसीएस, और यूएसटी ग्लोबल जैसी बहुराष्ट्रीय कंपनियों में काम करने का अनुभव है। वह तुरंत माईटेक की क्षमता से आश्वस्त हो गए। शुरुआती दिनों में उनका ऑफिस मुंबई के चेंबूर में एक कैफे था। कुछ महीनों में जब कॉफी का खर्च 30,000 रुपये महीना तक पहुंच गया तो उन्हें एहसास हुआ कि यह अपना खुद का ऑफिस लेने का समय है। उन्होंने माईटेक प्लेटफॉर्म विकसित करने से पहले बोलीदाताओं, ठेकेदारों, उप-ठेकेदारों और निवेशकों जैसे प्रमुख हितधारकों को इस कॉन्सेप्ट को पेश करने पर ध्यान केंद्रित किया ताकि उन्हें साथ लाया जा सके।

ऐसे आया आइडिया

शिवकुमार बोराडे का सफर संघर्षों से भरा रहा है। महाराष्ट्र के सोलापुर जिले के बगलकोट से आने वाले शिवकुमार ने कम उम्र से ही परिवार की आय बढ़ाने के लिए अलग-अलग काम किए। इनमें वेल्डिंग, गैराज में काम करना, पेंटिंग, कराटे सिखाना और यहां तक कि अखबार बेचना तक शामिल हैं। उन्होंने यशवन्त राव चव्हाण ओपन यूनिवर्सिटी से उच्च शिक्षा प्राप्त की क्योंकि उनके परिवार के पास सीमित संसाधन थे। सरकारी नौकरी की बजाय अपना व्यवसाय शुरू करने का उनका जुनून ही माईटेक की नींव बना। सीआइएसएफ और आइसीआइसीआइ बैंक में काम करने के अनुभव के बाद स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में भी उन्होंने काम किया, जहां उन्होंने सरकारी कार्यालयों के साथ बातचीत करते हुए परियोजना बोलीदाताओं के सामने आने वाली चुनौतियों को करीब से देखा। यहीं से उन्हें माईटेक का आइडिया आया।

तीन गुना से ज्यादा बढ़ा सोलर कंपनी का मुनाफा

नई दिल्ली, एजेंसी। सोलर इंडस्ट्री से जुड़ी कंपनी वारी रिन्यूएबल टेक्नोलॉजीज के शेयर कमजोर बाजार में भी रॉकेट बने हुए हैं। वारी रिन्यूएबल टेक्नोलॉजीज के शेयर शुक्रवार को बीएसई में 4 पर्सेंट से अधिक के उछाल के साथ 1239.50 रुपये पर जा पहुंचे हैं। पिछले 5 दिन में सोलर कंपनी के शेयरों में 25 पर्सेंट से ज्यादा की तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयरों में यह तेज उछाल पहली तिमाही के शानदार नतीजों के बाद आया है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में वारी रिन्यूएबल टेक्नोलॉजीज का मुनाफा तीन गुना से ज्यादा बढ़ा है।

तीन गुना से ज्यादा बढ़ा है सोलर कंपनी का मुनाफा– वारी रिन्यूएबल टेक्नोलॉजीज का मुनाफा पहली तिमाही में तीन गुना से ज्यादा बढ़ा है। कंपनी को चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 86.44 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट हुआ है। एक साल पहले की समान अवधि के मुकाबले वारी रिन्यूएबल टेक्नोलॉजीज का मुनाफा सालाना आधार पर 205 पर्सेंट बढ़ा है। एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी को 28.30 करोड़ रुपये का प्रॉफिट हुआ था। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू सालाना आधार पर 155 पर्सेंट बढ़कर 603.18 करोड़ रुपये पहुंच गया है। एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी का रेवेन्यू 236.35 करोड़ रुपये था।

भारत में तेजी से बढ़ रहा मेडिकल टूरिज्म

देश को चिकित्सा केंद्र बनाने के लिए प्रोत्साहन देना जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत को 2035 तक वैश्विक चिकित्सा केंद्र बनाने के लिए अंतरराष्ट्रीय मरीजों का इलाज करने वाले अस्पतालों के लिए कर छूट देने और स्वास्थ्य क्षेत्र में स्टार्टअप को बढ़ावा देने की जरूरत है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत का मेडिकल टूरिज्म बाजार 2025 के 18.2 अरब डॉलर से बढ़कर 2035 तक 58.2 अरब डॉलर होने की उम्मीद है। यह बाजार सालाना 12.3 फीसदी की चक्रवृद्धि दर से बढ़ रहा है।
फेडरेशन ऑफ होटल एंड रेस्टोरेंट – सोसिएशन ऑफ इंडिया (एफएचआरएआई) एवं केपीएमजी की रिपोर्ट में दूतावासों, प्रदर्शनियों और डिजिटल मंचों का लाभ उठाकर

वैश्विक ब्रांडिंग अभियान के साथ राष्ट्रीय-राज्य स्तर पर हील इन इंडिया मिशन शुरू करने की सिफारिश की गई है।
फेडरेशन के अध्यक्ष के श्यामा राजू ने कहा, हील इन इंडिया केवल एक स्वास्थ्य पहल नहीं, बल्कि भारत की ब्रांडिंग का अवसर है। हम इस पहल को देखभाल के साथ संस्कृति, सुविधा के साथ विश्वसनीयता को जोड़ने का मौका मानते हैं। निवेश जुटाने और सेवा वितरण में सुधार के लिए भारत को राजकोषीय एवं गैर-राजकोषीय प्रोत्साहनों का मिश्रण प्रदान करना चाहिए।
स्टार्टअप व संगठनों को दी जाए सब्सिडी
रिपोर्ट में स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी, चिकित्सा अनुसंधान और डिजिटल स्वास्थ्य समाधानों में काम करने वाले स्टार्टअप्स एवं संगठनों के लिए लक्षित सब्सिडी और अनुदान देने की सिफारिश की गई है, जो सीधे मेडिकल टूरिज्म का समर्थन करते हैं।

सोने-चांदी के भाव में फिर बड़ा बदलाव

1300 उछली चांदी

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने-चांदी के भाव में आज बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। आज दोनों कीमती धातुओं के तेवर फिर से गरम हो गए हैं। 18 जुलाई शुक्रवार को सर्राफा बाजारों में चांदी के भाव में 1300 रुपये का उछाल है। जबकि, सोना 375 रुपये उछला है। जीएसटी के साथ 24 कैरेट सोना जहां 100762 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट से बिक रहा है तो चांदी 115669 रुपये किलो बिक रही है। गुरुवार को चांदी 111000 रुपये प्रति किलो और सोना 97453 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था। आज 24 कैरेट गोल्ड 97828 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट से खुला। जबकि, चांदी 112300 प्रति किलो के रेट पर खुली।

जुलाई में कितना महंगा हुआ सोना

जुलाई में चांदी की रफ्तार सोने के मुकाबले काफी तेज रही। इस अवधि के सोना जहां 1942 रुपये प्रति दस ग्राम उछला तो

चांदी के रेट में उछाल 5490 रुपये की रही। आईबीजेए रेट के मुताबिक 30 जून को सोना 95886 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव से बंद हुआ था। जबकि, चांदी 105510 रुपये प्रति किलो के रेट से बिकी। इसमें जीएसटी नहीं जुड़ा है। इस साल सोना 22088 और चांदी 26283 रुपये चढ़ी

सर्राफा बाजारों में इस साल सोना करीब 22088 रुपये और चांदी 26283 रुपये महंगी हो चुकी है। 31 दिसंबर 24 को सोना 76045 रुपये प्रति 10 के रेट से खुला था और चांदी 85680 रुपये प्रति किलो से। इस दिन सोना 75740 रुपये पर बंद हुआ। चांदी भी 86017 रुपये प्रति किलो पर बंद हुई थी।

क्या हैं 18 कैरेट से 23 कैरेट तक के गोल्ड के रेट

आईबीजेए रेट्स के मुताबिक 23 कैरेट गोल्ड भी 375 रुपये महंगा होकर 97436 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव से खुला। जीएसटी संग इसकी कीमत अब 100359 रुपये हो गई है। अभी इसमें मेकिंग चार्ज नहीं जुड़ा है। 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 89610 रुपये प्रति 10 ग्राम है। जीएसटी संग यह 92298 रुपये है। आज 18 कैरेट गोल्ड की कीमत 281 रुपये बढ़कर 73371 और जीएसटी के साथ यह 75572 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई है।

कौन जारी करता है सोने-चांदी के भाव

सोने-चांदी के हाजिर भाव इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन ने जारी किए हैं। हो सकता है आपके शहर में इससे 1000 से 2000 रुपये का अंतर आ रहा हो। आईबीजेए दिन में दो बार रेट जारी करता है। एक बार दोपहर 12 बजे के करीब दूसरा 5 बजे के आसपास।

1 शेयर पर 229 रुपये का डिविडेंड दे रही है चर्चित कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की चर्चित कंपनी एमआरएफ लिमिटेड एक्स-डिविडेंड ट्रेड कर रहा है। कंपनी की तरफ से 229 रुपये का फाइनल डिविडेंड देने का ऐलान किया गया है। यानी आज जिन निवेशकों का नाम कंपनी के रिकॉर्ड बुक में रहेगा उन्हें डिविडेंड का लाभ होगा।
हर शेयर पर 229 रुपये का लाभ– एक्सचेंज को दी जानकारी में एमआरएफ लिमिटेड ने बताया था कि एक शेयर पर 229 रुपये का डिविडेंड बांटा जाएगा। इस डिविडेंड के लिए कंपनी ने पहले ही 18 जुलाई की तारीख को रिकॉर्ड डेट घोषित कर दिया था। बता दें, रिकॉर्ड डेट वह तारीख होती है जब कंपनी अपने रिकॉर्ड बुक में निवेशकों का नाम चेक करती है। डिविडेंड, बोनस शेयर आदि का लाभ लेने के लिए रिकॉर्ड डेट से एक कारोबारी दिन पहले शेयरों को खरीदना पड़ता है।

शहरी उपभोक्ता वैल्यू खोज रहे, वहीं ग्रामीण भारत ब्रांड के प्रति जागरूक हुआ; रिपोर्ट में खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में लोगों के पैसे खर्च करने का तरीका बदल रहा, खासकर शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में। शहरी और ग्रामीण उपभोग के बीच पारंपरिक अंतर बदल रहा है। एमके रिसर्च की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार शहरी उपभोक्ता अब ब्रांड के प्रति अधिक उदासीन हो रहे हैं और वैल्यू पर ध्यान केंद्रीत कर रहे हैं। वहीं ग्रामीण उपभोक्ता तेजी से ब्रांडों को अपना रहे हैं और ब्रांड के प्रति अधिक जागरूक हो रहे हैं।

शहरी उपभोक्ताओं का रुझान– शहरों में उपभोग की मात्रा धीमी हो रही है और लोग अब पैकेजिंग, मूल्य निर्धारण और सुविधा पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं। मानसिकता में यह बदलाव शहरी उपभोक्ताओं को बेहतर मूल्य वाले उत्पादों को

चुनने के लिए प्रेरित कर रहा है, भले ही इसका मतलब लोकप्रिय ब्रांडों से दूर जाना हो।

शहरों में गैर-जरूरी वस्तुओं पर खर्च में आई कमी

हालांकि प्रीमियम उत्पादों की मांग अभी भी बनी हुई है, लेकिन हाल ही में प्रीमियमीकरण की दर धीमी हो गई है। साथ ही, शहरी उपभोक्ता मूल्य, गति और सुविधा पर अधिक ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। इस बदलाव के कारण गैर-जरूरी वस्तुओं पर खर्च में भी कमी आ रही है।
शहरी और ग्रामीण उपभोग के बीच की रेखा हुई धुंधली– रिपोर्ट में एक और दिलचस्प बात यह बताई गई है कि शहरी और ग्रामीण उपभोग के बीच की रेखा धुंधली होती जा रही है। ग्रामीण समाज के उच्च वर्ग और शहरों में रहने वाले मध्यम आय वर्ग के लोगों की खरीदारी का पैटर्न अब एक जैसा हो गया है। इससे पता चलता है

मुकुल अग्रवाल ने फार्मा कंपनी में खरीदी बड़ी हिस्सेदारी

सुस्त शेयर ने भरी उड़ान

नई दिल्ली, एजेंसी। तत्व चिंतन फार्मा के शेयरों में शुक्रवार, 18 जुलाई यानी आज जबरदस्त उछाल देखने को मिल रहा है। शुरुआती कारोबार में ही शेयर करीब 12 प्रतिशत की उड़ान भर लिए। यह उछाल कंपनी के ताजा शेयरहोल्डिंग पैटर्न में एक बड़े निवेशक का नाम सामने आने के बाद आया है। जून तिमाही के लिए जारी ताजा शेयरधारक पैटर्न से पता चला है कि अनुभवी निवेशक मुकुल अग्रवाल ने अप्रैल से जून के बीच कंपनी में 1.28 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी है। हैरानी की बात यह है कि मार्च तिमाही खत्म होने तक कंपनी के शेयरधारकों में मुकुल अग्रवाल का नाम नहीं था। यानी उन्होंने पिछले तीन महीनों में यह हिस्सेदारी खरीदी।

- **गोल्डमैन सैक्स बरकरार**– वहीं गोल्डमैन सैक्स, अपने फंड गोल्डमैन सैक्स इंडिया इक्विटी पोर्टफोलियो के जरिए, जून तिमाही के अंत तक तत्व चिंतन में 2.59 प्रतिशत हिस्सेदारी बनाए हुए है।
- **रिटेल निवेशकों की संख्या घटी**–छोटे या रिटेल निवेशकों (जिनके पास 2 लाख तक के शेयर होते हैं) की संख्या घटकर 73,930 रह गई है, जो मार्च में 75,486 थी। हालांकि, उनकी कुल हिस्सेदारी लगभग 15 प्रतिशत पर पहले जैसी ही बनी हुई है।
- **लिस्टिंग के बाद से निराशा**– तत्व चिंतन फार्मा शेयर बाजार में लिस्ट होने (जुलाई 2021) के बाद से निवेशकों को निराश करता रहा है। कंपनी के शेयरों का आईपीओ प्राइस 1,083 प्रति शेयर था। शुक्रवार को बढ़त के बावजूद भी शेयर का भाव इस आईपीओ प्राइस से अभी नीचे ही चल रहा है। हालांकि, शुक्रवार की यह तेजी शेयर को साल-दर-साल के हिसाब से 23 प्रतिशत की बढ़त दिलाने में कामयाब रही है।

प्रमोटर और दूसरे बड़े निवेशक की हिस्सेदारी

जून तिमाही के अंत तक तत्व चिंतन फार्मा के प्रमोटर्स के पास कंपनी में 72 प्रतिशत हिस्सेदारी बनी हुई है। दूसरे सार्वजनिक शेयरधारकों की बात करें तो भारत के घरेलू म्यूचुअल फंड्स ने अपनी हिस्सेदारी थोड़ी कम की है। मार्च में उनकी हिस्सेदारी 5.34 प्रतिशत थी, जो जून में घटकर 5.07 प्रतिशत रह गई। खासकर आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल ने अपना हिस्सा कम किया है, जो पहले 2.03 प्रतिशत था और अब 1.79 प्रतिशत है।

मलेशिया के सबसे दौलतमंद शख्स की बेटी के हाथ में 18843 करोड़ की कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। शांगरी-ला एशिया ने कुओक हुई क्वॉन्ग को 1 अगस्त से अपना नया सीईओ नियुक्त किया है। 16 जुलाई को एक रेगुलेटरी फाइलिंग में यह घोषणा की गई। कुओक वर्तमान में कंपनी की चेयर और एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर हैं। अब वह कंपनी की टॉप ऑपरेशनल भूमिका भी संभालेंगी। यह नियुक्ति दिसंबर 2022 में लिम बेंग ची के सीईओ पद से हटने के बाद हुई है। लिम बेंग ची लगभग छह साल तक इस पद पर रहे थे। हालांकि, वह बोर्ड में नॉन-एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर के रूप में बने रहेंगे। कुओक हुई क्वॉन्ग के नेतृत्व में कंपनी की लीडरशिप अब एकजुट होगी। कंपनी के अनुसार, कुओक को चेयरमैन और सीईओ दोनों की भूमिकाएं सौंपने से कंपनी की रणनीति और कामकाज में तालमेल बढ़ेगा। इससे सभी स्तरों पर एक समान नजरिया सुनिश्चित होगा। 47 साल की कुओक हुई क्वॉन्ग कई सालों से शांगरी-ला एशिया के बोर्ड में महत्वपूर्ण शखसियत रही हैं। वह जून 2016 में एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर के रूप में शामिल हुईं और जनवरी 2017 में चेयर बनीं। कंपनी का कहना है कि उन्होंने रणनीतिक प्राथमिकताओं को तय करने और दीर्घकालिक लक्ष्यों को निर्देशित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। एससीएमपी की रिपोर्ट के अनुसार,पिछले साल उनके भाई के पद छोड़ने के बाद उन्होंने चुपचाप समूह का नेतृत्व संभाला था। इससे पहले वह छह महीने तक डिप्टी चेयर के रूप में काम कर चुकी थीं।

कुओक हुई क्वॉन्ग ने हार्वर्ड यूनिवर्सिटी से ईस्ट एशियन स्टडीज में बैचलर डिग्री हासिल की है। वह शांगरी-ला के संस्थापक और मलेशिया के सबसे धनी व्यक्ति रॉबर्ट कुओक हॉक-निएन की आठ संतानों में से छठी हैं। फोर्ब्स के अनुसार, उनकी कुल संपत्ति 11.4 अरब डॉलर है। हॉस्पिटैलिटी के अलावा, उन्होंने टॉप एडिटोरियल रोल भी संभाले हैं। वह जनवरी से जून 2012 तक साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की सीईओ भी रहीं। बाद में 2015 में अलीबाबा ने इस अखबार और इसके पैरेंट एससीएमपी ग्रुप का अधिग्रहण कर लिया। इससे पहले इस पर केरी होल्डिंग्स का नियंत्रण था, जो कुओक परिवार की प्रमुख कंपनी है।

बेहद बड़ा है कारोबारी साम्राज्य

शांगरी-ला एशिया हांगकांग और सिंगापुर दोनों में लिस्टेड है। यह शांगरी-ला, केरी होटल्स, जेन और ट्रेडर्स जैसे चार ब्रांडों के तहत दुनिया भर में 100 से अधिक होटल संचालित करता है। कंपनी की शुरुआत 1971 में सिंगापुर में एक होटल से हुई थी। अब यह 13.2 अरब डॉलर की संपत्ति का प्रबंधन करती है। कुओक परिवार की इनमें से 77 संपत्तियों में हिस्सेदारी है। समूह के वाइन, गोल्फ कोर्स और रियल एस्टेट में भी संबंधित उद्यम हैं। 2024 में शांगरी-ला एशिया ने 2.19 अरब डॉलर (करीब 18843 करोड़ रुपये) का राजस्व दर्ज किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 2 फीसदी अधिक है। हालांकि, शुद्ध लाभ 12.3 फीसदी घटकर 16.14 करोड़ डॉलर हो गया। 2023 के अंत तक समूह में लगभग 25,500 कर्मचारी थे।

घर बैठे सिगरेट और तंबाकू भी झटपट पहुंचा रहे हैं ई-कॉमर्स

नई दिल्ली, एजेंसी। किराने का सामान चुटकियों में पहुंचाने वाले ऑनलाइन ऐप्स अब सिगरेट और तंबाकू भी झटपट घर पहुंचा रहे हैं। मगर यहां दिक्कत है। ये ई-कॉमर्स ऐप्स सिगरेट को बिना

ब्रांड नाम दिखाते हैं और ग्राहक से सिर्फ एक बटन दबाकर खुद ही कहने को कहते हैं कि वह 18 साल से बड़ा है। इस वजह से तंबाकू जैसी चीजों की ऑनलाइन बिक्री पर बवाल मच गया है। सुनीरा टंडन और धीरेंद्र कुमार की रिपोर्ट...

नियम क्या कहते हैं– देश में तंबाकू का विज्ञापन करना बंद है। सिर्फ 18 साल से ऊपर के लोग ही इसे खरीद सकते हैं। स्कूल-कॉलेज के 100 गज के दायरे में भी इसकी बिक्री मना है, लेकिन इन सबके बावजूद कई ऑनलाइन ऐप्स सिगरेट घर-घर पहुंचा रहे हैं। इससे डर ये है कि कहीं नाबालिग बच्चे भी आसानी से तंबाकू मंगा न लें। कानून जानने वालों का कहना है कि देश में अभी ऑनलाइन तंबाकू बेचने को साफ-साफ रोकने वाला कोई कानून नहीं है।

ऐप्स कैसे बच निकलते हैं

गूगल प्ले स्टोर पर तंबाकू बेचने वाले ऐप्स बैन हैं, इसलिए कई क्विक कॉमर्स कंपनियां लाइट ऐप या वेबसाइट का इस्तेमाल करती हैं। कानूनी एक्सपर्ट्स बताते हैं कि ग्राहक का खुद ही हां, मैं 18 साल का हूं बटन दबा देना, असल कानून (सिगरेट और तंबाकू उत्पाद कानून, 2003) को पूरा नहीं करता। ये कानून दुकानदार की जिम्मेदारी बताता है कि वो नाबालिग़ को तंबाकू न बेचे। मगर ये ऐप्स ये जिम्मेदारी ग्राहक पर डाल देते हैं।

शादी को लेकर समाज की सोच बदल रही, अब पहले जैसा दबाव नहीं

अभिनेत्री फातिमा सना शेख ने समाज में महिलाओं और शादी को लेकर बदलते नजरिए पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि 30 साल की उम्र के बाद भी शादी न करने वाली महिलाओं को लेकर समाज में अभी कुछ हद तक पुरानी सोच बनी हुई है, लेकिन अब पहले जैसा दबाव नहीं रहा। फातिमा ने बताया कि लोग अब व्यक्तिगत पसंद और रिश्तों में बदलाव को ज्यादा स्वीकार करने लगे हैं। दंगल अभिनेत्री ने कहा कि पहले एक निश्चित उम्र तक शादी करने का दबाव ज्यादा था, लेकिन अब समय बदल रहा है और रिश्तों का मतलब भी बदल गया है। आजकल लोग खुद पर और अपने करियर पर ध्यान देना पसंद कर रहे हैं या अकेले रहने का फैसला कर रहे हैं। समाज धीरे-धीरे इसे स्वीकार करना सीख रहा है। अभिनेत्री ने कहा कि अब रिश्तों का मतलब बदल गया है। कई लोग अकेले रहने में सहज हैं या दूसरी चीजों पर ध्यान दे रहे हैं। समाज इसे स्वीकार कर रहा है। मुझे नहीं पता कि यह सही है या गलत, लेकिन अब इस पर पहले जैसी पाबंदी नहीं रही। फातिमा सना शेख ने अपने पहले प्यार की याद भी साझा की। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने कभी किताबों में फूल रखे या ऐसे रोमांटिक पल जिए, तो उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, हां, बिल्कुल। उन्होंने बताया कि उनके तत्कालीन पार्टनर ने उनके जन्मदिन पर एक खास सरप्राइज प्लान किया था, जिसमें दरवाजे से कमरे तक का रास्ता फूलों से सजाया गया था। उन्होंने कहा कि चारों तरफ फूल थे और केक के आसपास मोमबत्तियां जली हुई थीं। लेकिन, यह सरप्राइज पूरी तरह वैसा नहीं रहा जैसा सोचा गया था, क्योंकि जब तक वह वहां पहुंची, ज्यादातर मोमबत्तियां पिघल चुकी थीं। हंसते हुए उन्होंने कहा कि हमें बाद में सब साफ करना पड़ा। उस पल को याद करते हुए फातिमा ने कहा कि यह एक खास और सच्चा प्यार था। उन्होंने यह भी बताया कि उस समय वह बहुत छोटी थीं और तब उनके पास फेसबुक या इंस्टाग्राम भी नहीं था। करियर की बात करें तो, फातिमा हाल ही में आर माधवन के साथ रोमांटिक कॉमेडी आप जैसा कोई में नजर आईं। विवेक सोनी के निर्देशन से सजी यह फिल्म 11 जुलाई को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी।

....आखिर क्यों जरीन ने ठुकरा दिया सलमान खान का शो 'बिग बॉस'

अभिनेता सलमान खान के साथ बॉलीवुड में करियर की शुरू करने वाली एक्ट्रेस जरीन खान ने हाल ही में बिग बॉस शो को लेकर अपनी राय दी है। इसक अलावा उन्होंने बताया कि आखिर क्यों उन्होंने इस शो में शामिल होने के ऑफर को ठुकरा दिया था। चलिए जानते हैं एक्ट्रेस जरीन खान ने क्या बताया।

'बिग बॉस' को लेकर जरीन खान की क्या है राय?

अभिनेत्री जरीन खान हिंदी रश के साथ एक इंटरव्यू में शामिल हुईं। वहां उन्होंने बिग बॉस के बारे में कहा, 'मुझे वो शो बहुत पसंद है। बीच में मैंने शायद सिर्फ दो-तीन सीजन ही मिस किए हों, लेकिन मैं उसे देखती हूं।' आगे उन्होंने शो को ठुकराने को लेकर बताया, 'सबसे पहले तो मेरे ऊपर बहुत सारी जिम्मेदारियां हैं, इसलिए मैं खुद को तीन महीने के लिए कहीं अलग करके रहने के बारे में सोच भी नहीं सकती। मुझे नहीं लगता कि मेरा घर मेरे बिना चल पाएगा, मैं आर्थिक रूप से बात नहीं कर रही हूं। मुझे 10 हजार चीजों का ध्यान रखना पड़ता है। अगर मैं एक दिन के लिए भी बाहर जाती हूं, तो मैं अपनी मां को पांच-सात बार फोन करके उनकी सेहत और दूसरी चीजों के बारे में पूछती हूं। तो, यही सबसे पहला फैक्टर है।'

मेरा हाथ उठ जाएगा

आगे बातचीत के दौरान जरीन खान ने कहा, 'दूसरी बात, मुझे नहीं लगता कि मैं इतने सारे लोगों के साथ एक घर में रह सकती हूं जिन्हें मैं नहीं जानती। मैं दोस्त बनाने में समय नहीं लगाती, लेकिन मुझे नहीं पता कि मैं कितनी सहज रहूंगी। इसके अलावा, एक बड़ा कारण यह है कि बेकार बात मुझे बर्दाश्त नहीं होती। मैं दुर्व्यवहार बर्दाश्त नहीं कर पाऊंगी। मेरा हाथ उठ जाएगा, फिर मुझे बाहर ही फेंक देंगे। इसलिए, बेहतर है कि मैं न जाऊं। मैं जानती हूं कि मेरा हाथ उठ जाएगा।'

एक नजर जरीन खान के करियर पर

अभिनेत्री जरीन खान ने साल 2010 में बॉलीवुड में कदम रखा था। उनकी पहली फिल्म का नाम था वीर, जिसमें वो अभिनेता सलमान खान के साथ नजर आईं थीं। हालांकि, यह फिल्म उम्मीदों के मुताबिक नहीं चली। इसके अलावा उन्होंने 'रेडी', 'अक्सर 2', 'हेट स्टोरी 3' और 'हाउसफुल 2' जैसी फिल्मों में भी काम किया है। अभिनेत्री इस समय कुछ रिजनल फिल्मों में काम कर रही हैं। उन्होंने 'डाका' और 'जट्ट जेम्स बॉन्ड' सहित कुछ पंजाबी फिल्मों में काम किया है।

शॉर्ट फिल्म व्यर्थ के साथ दर्शकों का दिल जीतने को तैयार हैं कुशा कपिला

इंटरनेट सेंसेशन कुशा कपिला अपनी नई शॉर्ट फिल्म व्यर्थ के साथ दर्शकों का दिल जीतने को तैयार हैं। फिल्म का ट्रेलर रिलीज़ हो चुका है और इसने दर्शकों में उत्सुकता बढ़ा दी है। फिल्म 19 जुलाई को रिलीज़ होने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह प्रोजेक्ट उनके अभिनय करियर में एक महत्वपूर्ण कदम है और साथ ही उन्होंने इसमें को-प्रोड्यूसर की भूमिका भी निभाई है। कॉमेडी की दुनिया से पहचान बना चुकी कुशा इस बार एक बिल्कुल अलग अंदाज़ में नज़र आएँगी। व्यर्थ उनके लिए एक भावनात्मक और रचनात्मक स्तर पर एक नई दिशा है, जो उन्हें एक सशक्त कहानी कहने का अवसर देता है। व्यर्थ की कहानी भूमि नाम की एक एक्ट्रेस के इर्द-गिर्द घूमती है, जो बार-बार टाइपकास्ट की जा रही है। जब उसे माँ की भूमिका का प्रस्ताव मिलता है, तो उसकी उम्मीदें टूट जाती हैं। लेकिन कहानी में ट्विस्ट तब आता है, जब उसकी यंग रूममेट मीनाक्षी उसी रोल के लिए उसकी मदद माँगती है। ट्रेलर में इस कहानी की जटिलता, महत्वाकांक्षा और संघर्ष की झलक मिलती है, जिसमें ट्रैजिक एलिमेंट्स के साथ-साथ ह्यूमर भी है। कुशा कहती हैं, जब मुझे व्यर्थ की स्क्रिप्ट मिली, जो कि सिर्फ 17 पन्नों की थी, तो मुझे उसी समय महसूस हुआ कि यह कहानी मेरे भीतर गहराई से गूँज रही है। यह सिर्फ एक किरदार नहीं था, जिसे मैं निभाना चाहती थी, बल्कि एक कहानी थी, जिसे मुझे जरूर दुनिया के सामने लाना था। इसकी थीम में कुछ बेहद सार्वभौमिक है और मुझे पूरा विश्वास है कि दर्शक खुद को या अपने किसी करीबी को इसमें जरूर पहचानेंगे। व्यर्थ इंडस्ट्री के कई पहलुओं को छूती है। यह फिल्म इंडिपेंडेंट फिल्ममेकर्स की जद्दोजहद, कास्टिंग डायरेक्टर्स का संघर्ष और उन एक्टर्स की सच्चाई को बखूबी पेश करती है, जो बार-बार कोशिश करने के बावजूद नाकाम हो जाते हैं।

टाइगर श्रॉफ ने बागी 4 को लेकर दी अहम जानकारी

टाइगर श्रॉफ इन दिनों अपनी आगामी फिल्म बागी 4 को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। आज टाइगर ने फिल्म बागी 4 को लेकर एक अहम जानकारी सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर की है। टाइगर श्रॉफ ने अपना बेहद ही खूंखार लुक शेयर किया और कैप्शन में लिखा, प्रिय आर्मी, आप सभी को इंतजार कराने के लिए मुझे बहुत अफसोस है। मैं हर रोज आपके संदेश और पोस्ट देख रहा हूं और यकीन मानिए, मैं इसे जल्द से जल्द आपके साथ साझा करने के लिए बहुत उत्सुक हूं! मैं वादा करता हूं कि यह इंतजार के लायक है! मैं आपको जल्द ही पहले प्रोमो पर एक आधिकारिक अपडेट दूंगा। बहुत-बहुत धन्यवाद। लगभग समय आ गया है। टाइगर की इस पोस्ट पर आयशा श्रॉफ ने लाल दिल वाले इमोजी बनाए हैं। वहीं एक्ट्रेस शीबा आकाशदीप साबिर ने फायर और स्माइली इमोजी बनाए हैं। विजय ठक्कर ने लिखा, बड़ी घोषणा का इंतजार नहीं कर सकता। सेलेब्स के अलावा कई फैंस ने भी टाइगर की इस पोस्ट पर जमकर कमेंट किए हैं।

सेल्फकेयर सिर्फ ग्लैमर नहीं, एक तरह का अनुशासन है

बॉलीवुड अभिनेत्री रकुल प्रीत अपनी फिल्मों और खूबसूरती के लिए जानी जाती हैं। वह पॉजीटिव सोच और हेल्दी लाइफस्टाइल के लिए भी चर्चाओं में बनी रहती हैं। उन्होंने बुधवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए योग के महत्व पर प्रकाश डाला। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट करके बताया कि कैसे योग उन्हें भावनात्मक, मानसिक और शारीरिक रूप से संतुलित रखने में मदद करता है। उन्होंने सेल्फकेयर का सही मतलब भी समझाया और इस बात पर जोर दिया कि यह हमेशा ग्लैमरस नहीं होता, यह एक तरह का अनुशासन है, जिसमें थोड़ी सी सहजता भी शामिल है। रकुल ने इंस्टाग्राम पर दो तस्वीरें साझा कीं, जिनमें वह हेड स्टैंड करती नजर आ रही हैं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, हम अक्सर सेल्फ-लव और सेल्फ-केयर जैसे शब्द सुनते हैं, लेकिन इनका असली मतलब क्या है? सेल्फ-केयर हमेशा ग्लैमरस नहीं होता, बल्कि यह एक तरह का अनुशासन है।

आखिर क्यों धड़क 2 का हिस्सा बनना चाहते थे सिद्धांत चतुर्वेदी? एक्टर ने किया खुलासा

अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी ने बताया कि यह जानने के बाद भी कि धड़क2 की तुलना धड़क से की जाएगी उन्होंने फिल्म में काम करने का फैसला लिया। एक्टर ने ऐसा क्यों किया इसकी खास वजह भी बताई है! सिद्धांत चतुर्वेदी ने कहा, मुझे इस फिल्म पर गर्व है। जैसे ही मैंने इसकी कहानी सुनी, मुझे तुरंत एहसास हुआ कि मुझे इस फिल्म का हिस्सा बनना चाहिए। मुझे ज्यादा सोचने की जरूरत ही नहीं पड़ी, ये कहानी मेरे लिए बहुत मायने रखती है, और जब हमने इस पर काम शुरू किया, तो सब कुछ बहुत अच्छे से और आसानी से होता चला गया। यह फिल्म मेरे दिल के बहुत करीब है, और मुझे लगता है कि यह कहानी लोगों तक पहुंचनी चाहिए। सिद्धांत ने फिल्म की डायरेक्टर और टीम के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, हमारी डायरेक्टर शाजिया इकबाल कमाल की इंसान हैं। पूरी कास्ट और टीम शानदार है। ये अनुभव मेरे लिए बहुत खास रहा। मुझे सच में लगता है कि जब ये फिल्म रिलीज होगी, तो दर्शक भी इससे वैसे ही जुड़ाव महसूस करेंगे जैसे मैंने किया। तृप्ति डिमरी के साथ ऑफ-स्क्रीन बॉन्ड के बारे में सिद्धांत ने कहा, हमने बहुत मजे किए। हम अच्छे दोस्त हैं और एक-दूसरे से बिना झिझक कुछ भी कह देते हैं। ये रवैया ही पर्दे पर हमें ईमानदारी से किरदार निभाने की सहूलियत देता है। कई बार तो ऐसा लगा जैसे मैं उसका स्कूल में चिढ़ाने वाला कोई पुराना दोस्त हूं! उन्होंने आगे कहा, जब कैमरा चालू होता था, हम पूरी तरह अपने किरदार में आ जाते थे। हमारी डायरेक्टर हमें जमीन से जोड़े रखती थीं। हम मस्ती तो करते थे, लेकिन हमें पता था कि कब सीरियस होना है, क्योंकि फिल्म की कहानी संवेदनाओं से भरी हुई और गंभीर है। जब मुझे कोई इमोशनल सीन करना होता था, तो डायरेक्टर माहौल को हल्का बना देती थीं। इस तरह हम सभी चीजों को बैलेंस करते हुए आगे बढ़े।

मेरे पैदा होने पर वो खुश नहीं थे....

तृप्ति डिमरी उत्तराखंड की रहने वाली हैं। उन्होंने इस इंटरव्यू में बताया कि जब वो मुंबई आईं तो उन्हें कुछ भी नहीं पता था, कोई जानकारी नहीं थी। उन्होंने अपनी फैमिली के बारे में भी बात की, जो उनके जन्म के बाद खुश नहीं थी, क्योंकि वो लड़की थीं। उत्तराखंड से मुंबई तक का सफर तृप्ति डिमरी के लिए आसान नहीं था, मगर आज वे अपने करियर ग्राफ से संतुष्ट हैं। लैला मजनूं, बुलबुल, कला जैसी फिल्मों में अभिनय और एनिमल में ग्लैमर दिखाने के बाद अब वे धड़क 2 में एक परफॉर्मेंस-बेस्ड भूमिका से चर्चा में हैं।

आपके करियर में सबसे कठिन समय कौन-सा था?

मेरे लिए सबसे कठिन दौर तो वही था, जब मैंने दिल्ली से मुंबई आने का फैसला किया था। मुझे तो पता ही नहीं था कि इंडस्ट्री में चीजें कैसे होती हैं? मैंने तो बस बस्ता उठाया और चली आई। ऐसा भी नहीं था कि मेरे पास काफी पैसे थे या ऑप्शन थे। ये भी नहीं था कि मुझे एक्टिंग आती थी। मैं तो फिगर आउट ही कर रही थी कि क्या चीज वर्क करेगी और क्या नहीं? मेरी कोई जान -पहचान भी नहीं थी यहां। मगर मैं खुद को बहुत लकी मानती हूं कि मुझे कुछ ऐसे लोग मिले, जिन्होंने मेरा साथ दिया। जैसे मेरे एक्टिंग कोच, मेरे निर्देशक जिन्होंने मुझे संवारा, मगर वो मौका मिलने तक तो राह बहुत मुश्किल थी क्योंकि मैं पहली बार घर से दूर थी और मुझे घर की बहुत याद आती थी। मैं लगातार ऑडिशन देती थी और मुझे याद है, जब ऑडिशन नहीं होता था, तो बहुत अकेलापन महसूस होता था। सुबह निकलना होता था, मैं ऑडिशन के लिए आराम नगर जाती थी। पूरा दिन वहीं पर निकल जाता था और फिर मैं वहीं के एक छोटे-से रेस्टोरेंट में खाना खाती थी। शाम को लौटती, जहां हम चार-पांच लोगों ने शेयरिंग पर एक घर लिया था, जिसमें हम रहते थे। वो वाकई बहुत मुश्किल दौर था।

उस मुश्किल दौर में आपका सबसे ज्यादा साथ किसने दिया?

होता क्या था, ऑडिशन के दौरान हमें एक मेसेज आता था, रिलीज यॉर शूट डेट बस उसके बाद हमें काम पर लग जाना पड़ता था। मगर कई बार ऐसा होता था कि महीनों कोई काम या ऑडिशन नहीं है, तो बहुत ही डिप्रेसिंग लगने लगता था। कई बार हिम्मत भी टूटती थी और दिल भी। ऐसे समय में मेरी बहन ने मेरा बहुत साथ दिया। वो लगातार मेरा हौसला बढ़ाती थी। वो कहती, अब तूने ये रास्ता चुना है, तो कुछ करके ही दिखाना।

आपकी फिल्म न केवल प्यार-मोहब्बत के जुनून को लेकर है बल्कि जातीय भेदभाव के मुद्दे पर भी वार करती है। आपने असल जिंदगी में डिस्क्रिमिनेशन कब महसूस किया?

हमारे आस -पास हम रोजमर्रा की जिंदगी में बहुत सारा डिस्क्रिमिनेशन महसूस करते हैं, मगर हम औरतों ने तो कितने तरीके का भेदभाव देखा है। पैदा होते ही बचपन से कई तरह के डिस्क्रिमिनेशन देखते हैं। मैंने अपने परिवार में देखा है। मैं जब थोड़ी बड़ी हुई, तो मुझे पता चला कि जब मैं पैदा हुई थी, तब लोग खुश नहीं थे। उनका रवैया था, अरे लड़की पैदा हो गई (वे मुंह बिगाड़ कर कहते) कई बार हम अपने रिश्तेदारों में सुनते हैं कि अगर परिवार में लगातार दो-तीन बेटियां हो जाएं तो फिर अगले बच्चे के लिए बहुत दबाव होता है। बेटा होना जरूरी है, वरना वंश आगे कैसे बढ़ेगा? आज के जमाने में भी जब पढ़े-लिखे होने के बावजूद लोग इंसान को इंसान नहीं समझते या फिर दूसरों को कमतर समझते हैं, तो वो ईगो से ही आता है। ये तमाम चीजें आपके नियंत्रण में नहीं होतीं, मगर कई बार पढ़कर और देख कर लगता है कि ये चीजें कब खत्म होंगी?

आज के दौर में इश्क-मोहब्बत के रिश्तों में पॉकेटिंग, सिंपिंग, ब्रेडक्रबिंग, घोस्टिंग जैसे लफ्ज आ गए हैं, तो ऐसे में आपके लिए प्यार क्या है?

मैं ये बात पहले भी कह चुकी हूं कि मेरे लिए प्यार दोस्ती है। एक-दूसरे को समझना, एक-दूसरे की बातों को समझना। सबसे ज्यादा इमोशन को समझना, क्योंकि हम इंसान हैं। कई मौके ऐसे होते हैं, जब हमारा दिन अच्छा नहीं जाता, काम का स्ट्रेस होता है। अगर कोई इंसान आपके मूड को समझ पाए, आपकी जरूरतों को समझ पाए कि आज शायद ये मुझे हंड्रेड पर्सेंट न दे पाए। वो रूप देख कर भी वो आपको उतना ही प्यार करे। ये नहीं कि हल्की-सी कोई मुसीबत आए या लड़ाई हो, तो वो अपना रास्ता नापने लगे। आजकल ये चीजें बहुत देखने को मिलती हैं। हम अपने माता-पिता को देख कर बड़े हुए हैं। हमने उनकी लड़ाइयां देखी हैं, उनका गुस्सा देखा है और ये भी देखा है कि वो सुबह लड़ते हैं और शाम को साथ में चाय पी रहे होते हैं। उनके बीच एक कप चाय में सुलह हो जाती है। मेरे लिए वही प्यार है, जहां नोक-झोंक और लड़ाई हो, मगर साथ में डीप अंडरस्टेंडिंग भी हो एक -दूसरे के लिए। सबसे बड़ी बात रिस्पैक्ट हो क्योंकि जहां सम्मान नहीं है, वहां कुछ भी नहीं है।

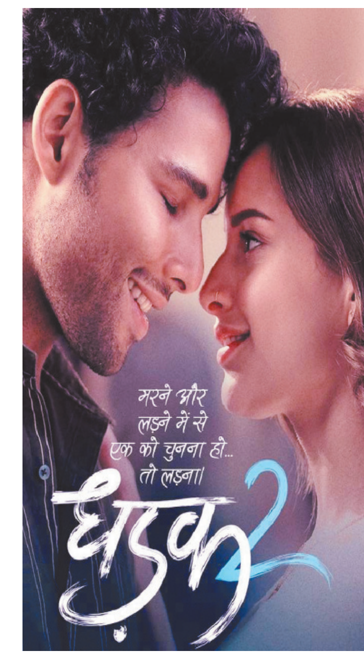

इंग्लैंड के खिलाफ भारत कर सकता है सीरीज बराबर: मोहम्मद कैफ

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने युवा भारतीय टीम का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि टीम इंडिया इंग्लैंड में चल रही टेस्ट सीरीज में वापसी कर सकती है। उन्होंने ये भी माना कि हार के बाद घबराहट से टीम का लय बिगड़ सकता है। के साथ खास बातचीत में कैफ ने विराट कोहली, रोहित शर्मा, मोहम्मद शमी और आर. अश्विन जैसे सीनियर खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी के बावजूद भारतीय टीम की मजबूती की तारीफ की और कप्तान शुभमन गिल के नेतृत्व और बल्लेबाजी की सराहना की। कैफ ने टीम के सिलेक्शन की वकालत की और टीम प्रबंधन को हार के बाद जल्दबाजी में फैसले न लेने की सलाह दी। उन्होंने करुण नायर जैसे खिलाड़ियों पर भरोसा और मौजूदा प्लेइंग इलेवन को समर्थन देने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा, आपने चार दिन तक अच्छा क्रिकेट खेला और पांचवें दिन हार गए। इसका मतलब यह नहीं कि आप अपनी योजनाएं बदल दें।

कैफ ने जसप्रीत बुमराह के अगले महत्वपूर्ण टेस्ट में खेलने की संभावना और बल्लेबाजी टीम के फॉर्म में होने पर कहा, 2-2 से सीरीज बराबर होने की अच्छी संभावना है, भारत को बस शांत रहकर समझदारी से खेलना होगा। सीरीज में भारत के प्रदर्शन पर कैफ ने कहा, भारत ने पिछले 15 में से 12-13 दिन तक दबदबा बनाए रखा। उन्होंने बल्ले और गेंद दोनों से शानदार क्रिकेट खेला। जब यह टीम इंग्लैंड पहुंची, तो ज्यादातर लोग 0-4 या 1-4 से हार की भविष्यवाणी कर रहे थे, लेकिन इस युवा टीम ने सभी को चौंका दिया। कोहली, रोहित, शमी और अश्विन के बिना इस टीम ने शानदार प्रदर्शन किया। दो करीबी मैच हारे– हेडिंग्ले भारत की पहुंच में था और 193 रनों का पीछा करते हुए आखिरी टेस्ट भी। शुभमन गिल ने कप्तान और बल्लेबाज के रूप में शानदार प्रदर्शन किया। इंग्लिश परिस्थितियों में उनकी क्षमता पर सवाल थे, लेकिन उन्होंने बल्ले से जवाब दिया। थोड़ी सी किस्मत के साथ भारत तीनों टेस्ट जीत सकता था। लॉर्ड्स में आखिरी मैच के रन-चेज और रवींद्र जडेजा पर बात करते हुए

कैफ ने कहा, जडेजा ने शानदार पारी खेली और उन्हें पूरा श्रेय जाता है, लेकिन अगर वे 10 प्रतिशत अधिक आक्रामक होते, तो नतीजा अलग हो सकता था। यह 5वां दिन का पिच था और गेंद रिवर्स हो रही थी, उछाल असमान था, और परिस्थितियां मुश्किल थीं। जब यशस्वी जायसवाल बल्लेबाजी करने आए, तो उन्होंने केवल तीन गेंदें खेलीं। उस समय स्ट्राइक मैनेज करना जरूरी था और यह ध्यान देना कि बुमराह या सिराज जैसे टेलएंडर कितनी गेंदें खेल रहे हैं। जडेजा ने 90 प्रतिशत काम कर दिया था। बस 10 प्रतिशत और कुछ जोखिम भरे शॉट्स और चेज पूरा हो सकता था। लेकिन, बाहर से कहना आसान है। उस पल का दबाव केवल बल्लेबाज ही समझ सकता है। फिर भी, यह यादगार पारी थी।

भारत की फील्डिंग पर बात करते हुए कैफ ने कहा, कुल मिलाकर, भारत की फील्डिंग अच्छी रही। कुछ मिसफील्ड और ड्रॉप कैच हुए, लेकिन यह हर सीरीज में होता है। करुण नायर ने मुझे बहुत प्रभावित किया- मजबूत हाथ, साफ कैच और शानदार तकनीक। ऋषभ पंत की कमी खली। अगर पंत पूरी तरह फिट होते, तो विकेट के पीछे बड़ा अंतर पड़ता। जायसवाल ने आखिरी मैच में एक महत्वपूर्ण कैच छोड़ा, जो टर्निंग पॉइंट था। ऐसे क्षण मैच का रुख बदल सकते हैं। फिर भी, कैचिंग काफी हद तक ठीक रही। शुभमन गिल और केएल राहुल ने कुछ शानदार कैच लिए। कैफ ने फील्डिंग, टेपिंग और तकनीक पर कहा, मैं जोरदार टेपिंग का समर्थक नहीं हूं। इससे उंगलियां सुन्न हो जाती हैं और लचीलापन कम हो जाता है। ज्यादा टेपिंग से उंगलियों का हिस्सा मोटा हो जाता है। जब गेंद लगती है, तो टेप स्पंज की तरह काम करता है और प्रभाव को कम करता है, और गेंद हाथ से निकल सकती है। जब मैं फील्डिंग करता था, तो मैं अपनी हथेलियों पर थूक का इस्तेमाल करता था, इससे गेंद को पकड़ने में मदद मिलती थी। फील्डिंग में दर्द सहना पड़ता है। आप इससे बच नहीं सकते और इसे सहना पड़ता है। जायसवाल एक अच्छे फील्डर हैं, हमने यह आईपीएल और टेस्ट में देखा है। लेकिन, उंगलियों पर ज्यादा टेपिंग से अपनी स्वाभाविक पकड़ और फीलिंग को देते हैं। शायद यही उनके कैच छूटने का कारण रहा।

भारतीय टीम के चयन के दृष्टिकोण पर मोहम्मद कैफ ने कहा, मैंने देखा है कि जब भारत हारता है, तो वे घबरा जाते हैं। लेकिन जब जीतते हैं, तो वे उसी प्लेइंग इलेवन के साथ बने रहते हैं। पहला टेस्ट हारने के बाद उन्होंने 2-3 बदलाव किए। लेकिन बर्मिंघम में जीत के बाद सिर्फ बुमराह को शामिल किया, कोई और बदलाव नहीं। यही पैटर्न रहा है। तीसरा टेस्ट हारने के बाद भी मेरा मानना है कि उन्हें मैनचेस्टर में उसी टीम के साथ उतरना चाहिए। करुण नायर ने 30-40 रन की शुरुआत की है, लेकिन वे रन नहीं बना पा रहे हैं। फिर भी, उन्हें एक और मौका मिलना चाहिए। मेरे लिए यह इंग्लैंड का पिछले कई सालों में सबसे कमजोर गेंदबाजी आक्रमण है। कोई ब्रॉड, कोई एंडरसन नहीं, और आर्चर अभी पूरी तरह वापस नहीं आए हैं। मैंने कभी इतना हल्का इंग्लैंड का आक्रमण नहीं देखा। फिर भी, हम 193 रनों का पीछा नहीं कर पाए। यहीं हम खेल हार गए। यह शुभमन गिल और गौतम गंभीर दोनों के लिए एक परीक्षा है। करीबी हार के बाद क्या वे घबराएंगे और बदलाव करेंगे? या खिलाड़ियों पर भरोसा रखेंगे?

टीम के मनोबल पर कैफ ने कहा कि सबसे पहले, घबराएं नहीं। घबराहट से दबाव बनता है और दबाव से गलतियां होती हैं। हां, भारत को अब बचे दोनों टेस्ट जीतने की जरूरत है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि आप अपना संयम खो दें। शांत रहना सबसे जरूरी है।

कैफ ने भारत की बल्लेबाजी पर बात करते हुए कहा कि मुझे लगता है कि भारतीय बल्लेबाजी क्रम का 80-90 प्रतिशत हिस्सा अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। गिल फॉर्म में हैं, जायसवाल ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। पंत आत्मविश्वास से खेल रहे हैं और जडेजा लगातार रन बना रहे हैं। सुंदर ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है। अगर बल्लेबाजी चल रही है, तो उसे बदलने की कोई जरूरत नहीं है। बस वही तरीका दोहराते रहिए।

चौथे टेस्ट से पहले मैनचेस्टर में दिखे विराट कोहली

नई दिल्ली, एजेंसी। लॉर्ड्स टेस्ट में हार के बाद टीम इंडिया जहां मैनचेस्टर में चौथा टेस्ट जीतने के लिए जोरदार तैयारी कर रही है, वहीं सोशल मीडिया पर विराट कोहली एक बार फिर छा गए हैं. भले ही विराट अब टेस्ट क्रिकेट से रिटायर हो चुके हैं, लेकिन इंग्लैंड में उनका जलवा कम नहीं हुआ है. चौथे टेस्ट से ठीक पहले मैनचेस्टर में विराट कोहली की मौजूदगी ने फैंस को हैरान कर दिया है. दरअसल, वो खुद मैनचेस्टर नहीं पहुंचे हैं, लेकिन उनका विशाल पोस्टर ओल्ड ट्रैफर्ड स्टेडियम की दीवारों पर नजर आया है. इस पोस्टर में विराट के साथ साउथ अफ्रीका के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा और भारतीय महिला टीम की उपकप्तान और ओपनर स्मृति मंधाना की भी तस्वीरें लगी हैं.यह पोस्टर इंग्लैंड और भारत के बीच 23 जुलाई से शुरू हो रहे चौथे टेस्ट के प्रमोशन के लिए लगाया गया है. इसके साथ ही इस पोस्टर में भविष्य में होने वाले मैचों की तारीखें भी दी गई हैं. विराट कोहली की तस्वीर ने फैंस को रोमांचित कर दिया है और इंग्लैंड में उनकी लोकप्रियता एक बार फिर साबित हुई है.जहां विराट कोहली का चेहरा मैनचेस्टर में चमक रहा है, वहीं टीम इंडिया का प्रदर्शन इस स्टेडियम में काफी निराशाजनक रहा है. भारत ओल्ड ट्रैफर्ड में अब तक 9 टेस्ट मैच खेल चुका हैं, लेकिन टीम को एक भी जीत नसीब नहीं हुई है. इनमें से 4 मैच हारे हैं और 5 मैच ड्रॉ रहे हैं. इस मैदान पर सिर्फ आठ भारतीय बल्लेबाज ही शतक बना पाए हैं. आखिरी बार सचिन तेंदुलकर और मोहम्मद अजहरुद्दीन ने 1990 में इस मैदान पर शतक जड़ा था. विराट कोहली जैसे दिग्गज भी इस मैदान पर कभी शतक नहीं बना पाए हैं. साल 2021 में विराट ने इसी मैदान पर भारत की कप्तानी भी की थी, लेकिन उस मुकाबले में भी भारत को हार का सामना करना पड़ा था.

301 विकेट ले चुके इस गेंदबाज ने अचानक किया संन्यास लेने का ऐलान, फैन्स में मचा हड़कंप

नई दिल्ली, एजेंसी। ग्लूस्टरशायर के दिग्गज गेंदबाज टॉम स्मिथ ने टी-20 ब्लास्ट में अपनी टीम के अभियान की समाप्ति के साथ ही पेशेवर क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी. चेल्टेनहैम कॉलेज में विटैलिटी ब्लास्ट में ससेक्स शार्क्स के खिलाफ ग्लूस्टरशायर का मैच उनका आखिरी मैच होगा. टॉम स्मिथ ने 2015 में टीम के रॉयल लंदन वनडे कप और पिछले सीजन में टी-20 ब्लास्ट जीतने में अहम भूमिका निभाई थी. वह क्लब के लिए टी20 में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर हैं. ग्लूस्टरशायर के लिए टॉम स्मिथ ने करियर की शुरुआत 12 साल पहले ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ हुए एक अभ्यास मैच से की थी. क्लब के लिए सभी प्रारूपों में वह अब तक 301 विकेट ले चुके हैं. टी20 में उनके नाम 154 विकेट दर्ज हैं.क्लब की वेबसाइट के लिए लिखे एक पत्र में स्मिथ ने लिखा, ऐसा लगता है कि यह सही समय है. पिछले कुछ सीजन में, मुझे खेलने के साथ-साथ कोचिंग करियर बनाने का सौभाग्य मिला है और अब मैं उस पर अपना पूरा ध्यान केंद्रित करने के लिए तैयार हूं. उन्होंने लिखा, ग्लूस्टरशायर का मुझ पर विश्वास करने के लिए शुक्रिया. पिछले 13 सीजन मेरे और मेरे परिवार, दोनों के लिए बेहद खास रहे हैं. क्लब को डिवीजन वन में पहुंचाने से लेकर दो व्हाइट-बॉल ट्रॉफी जीतने तक, ये क्रिकेट के मैदान पर मेरे सबसे बेहतरीन दिन रहे हैं.ग्लूस्टरशायर के मुख्य कोच मार्क एलेन ने स्मिथ के पूरी तरह से कोचिंग की भूमिका में आने पर बधाई दी. एलेन ने कहा, टॉम ने 50 से ज्यादा प्रथम श्रेणी मैच खेले हैं, लेकिन उन्होंने व्हाइट-बॉल क्रिकेट में बेहतरीन प्रदर्शन किया है.उन्होंने कहा, कोचिंग में एक नए अध्याय की शुरुआत करते हुए, हमें पूरा विश्वास है कि वह उसी ऊर्जा और कौशल के साथ आगे बढ़ेंगे, जिसने उनके खेल करियर को परिभाषित किया है. वह इस क्षेत्र में पहले ही काफी प्रगति कर चुके हैं. हम ग्लूस्टरशायर क्रिकेट में उनके योगदान को कभी नहीं भूलेंगे.

पंत मैनचेस्टर में विकेटकीपिंग नहीं कर सकते तो बतौर बल्लेबाज न खेलें: शास्त्री

नई दिल्ली, एजेंसी। मैनचेस्टर टेस्ट मैच से पहले भारतीय टीम के उप-कप्तान और विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की उपलब्धता को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। भारतीय टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री का मानना है कि टीम के उप-कप्तान को तब तक एक बल्लेबाज के रूप में नहीं

खेलना चाहिए, जब तक कि वह चौथे टेस्ट से पहले मैच के लिए विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी लेने के लिए आश्वस्त न हो जाएं। तीसरे टेस्ट में पंत ने 74 और 9 रन की पारी खेली थी। खेल के दौरान उन्हें बाएं हाथ की तर्जनी उंगली में चोट लगी थी, जिसके बाद वह मैदान से बाहर चले गए थे। वह मैच के बाकी समय विकेटकीपिंग नहीं कर पाए। उनकी अनुपस्थिति में विकेटकीपर ध्रुव जुरेल ने विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभाली। शुक्रवार को आईसीसी के इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में शास्त्री ने कहा, मुझे नहीं लगता कि अगर पंत विकेटकीपिंग नहीं कर सकते तो उन्हें विशेषज्ञ बल्लेबाज के तौर पर मैदान में उतरना चाहिए, क्योंकि उन्हें क्षेत्ररक्षण करना होगा, और अगर वह क्षेत्ररक्षण करते हैं, तो स्थिति और खराब हो जाएगी। ऐसा इसलिए है क्योंकि दस्तानों के साथ कम से कम कुछ सुरक्षा तो मिलती है। बिना दस्तानों के, अगर उन्हें कोई ऐसी चीज लग जाती है जो उन्हें चुभती है, तो यह बहुत अच्छा नहीं होगा। इससे चोट और बिगड़ जाएगी।

वैभव-आयुष करेंगे ओपन, दूसरे टेस्ट के लिए इंडिया 19 की प्लेइंग इलेवन, टेस्ट सीरीज जीतने का मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडिया अंडर 19 क्रिकेट टीम और इंग्लैंड अंडर 19 क्रिकेट टीम के बीच 2 मैचों की यूथ टेस्ट सीरीज खेली जा रही है। इस सीरीज का दूसरा यानी आखिरी मैच 20 जुलाई से काउंटी ग्राउंड, चेम्सफोर्ड में खेला जाएगा। भारतीय समय के मुताबिक ये मैच दोपहर 3.30 बजे से शुरू होगा।

आयुष महात्रे की कप्तानी में इंडिया ने पहले टेस्ट मैच में इंग्लैंड के खिलाफ काफी अच्छा प्रदर्शन किया था और टीम जीतने की स्थिति में भी थी, लेकिन आखिरी दिन भारतीय गेंदबाज विरोधी टीम के सभी 10 विकेट लेने में विफल रही थी और मैच ड्रॉ पर खत्म हुआ था। इंडिया का जिस तरह का प्रदर्शन पहले मैच में रहा उसके बाद इस टीम के पास इस टेस्ट सीरीज को अपने नाम करने का अच्छा मौका है। पहले टेस्ट मैच में इंडिया के बल्लेबाजों व गेंदबाजों ने इंग्लैंड पर अपना शिकंजा पूरे मैच के दौरान कसे रखा था और एक समय पर ऐसा लग रहा था कि टीम जीत जाएगी, लेकिन मेजबान टीम ने मैच किसी तरह से ड्रॉ करा लिया। हालांकि इस टीम के कुछ खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया और

ये टीम भी जीत के साथ सीरीज का अंत करना चाहेगी, यानी दोनों टीमों के बीच दूसरे मैच में कड़ी टक्कर होने की पूरी उम्मीद है।

दूसरे टेस्ट मैच के लिए जहां तक भारतीय प्लेइंग इलेवन की बात है तो इसमें शायद ही कोई बदलाव किया जाए। भारत के लिए पारी की शुरुआत वैभव और आयुष करेंगे। ये दोनों अच्छी लय में हैं और पहले टेस्ट में वैभव ने दूसरी पारी में अर्धशतक लगाया था जबकि कप्तान आयुष ने पहली पारी में शतक लगाया था। विहान तीसरे नंबर पर रहेंगे जिन्होंने पहले टेस्ट मैच की दोनों पारियों में अर्धशतक लगाया था। बल्लेबाजी क्रम में इनके बाद मौल्यराज सिंह चावड़ा, राहुल कुमार और फिर अभिज्ञान कुंडू होंगे। पहले टेस्ट में मौल्यराज ने निराश किया था और दोनों पारियों में बड़ा स्कोर नहीं कर पाए थे, लेकिन इसके बावजूद उन्हें प्लेइंग इलेवन में रखा जा सकता है। वहीं गेंदबाजी की बात करें तो इसमें अंबरीश, एनान, दीपेश, हेनिल और अनमोलजीत सिंह होंगे।

जडेजा को कोस रहे लोगों को गौतम गंभीर ने दिया मुंहतोड़ जवाब, बीसीसीआई ने रिलीज किया वीडियो

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में भारतीय टीम 1-2 से पीछे चल रही है. 23 जुलाई से मैनचेस्टर में शुरू होने वाले चौथे टेस्ट मैच में टीम इंडिया सीरीज बराबरी करने के इरादे से उतरेगी. इसके लिए खिलाड़ी मैदान पर जमकर पसीना बहा रहे हैं. इस बीच टीम के हेड कोच गौतम गंभीर का ड्रेसिंग रूम का एक वीडियो भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने रिलीज किया है, जिसमें वो टीम इंडिया के ऑलराउंडर खिलाड़ी रवींद्र जडेजा की तारीफ कर रहे हैं और उनको कोस रहे लोगों को मुंहतोड़ जवाब दे रहे हैं. लॉर्ड्स टेस्ट मैच में टीम इंडिया को 22 रनों से हार का सामना करना पड़ा था.

लॉर्ड्स टेस्ट मैच में हार के बाद बीसीसीआई ने ड्रेसिंग रूम का एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है, जिसमें टीम इंडिया के हेड कोच खिलाड़ियों से बात करते हुए रवींद्र जडेजा की तारीफ कर रहे हैं. गंभीर ने कहा, उन्होंने अविश्वसनीय लड़ाई लड़ी, जड्डू ने जो संघर्ष किया, वाकई में बहुत शानदार पारी थी. रवींद्र जडेजा ने लॉर्ड्स टेस्ट मैच की दूसरी पारी में नाबाद 61 रनों की पारी खेली थी. टीम इंडिया 193 रनों का पीछा करते हुए टीम इंडिया 170 रनों पर ऑल

आउट हुई, लेकिन जडेजा नाबाद रहे थे.टीम इंडिया के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने भी रवींद्र जडेजा की तारीफ की है. उन्होंने कहा, जड्डू भैया जैसा खिलाड़ी मिलना मुश्किल है. फील्डिंग, बॉलिंग और बैटिंग हर चीज में उन्होंने खुद को बेहतर किया है. वो टीम के लिए मुश्किल हालात में रन बनाते हैं. हम लकी हैं कि हमारे पास उनके जैसा खिलाड़ी है. लॉर्ड्स टेस्ट मैच की दूसरी पारी में रवींद्र जडेजा ने मोहम्मद सिराज के साथ मिलकर आखिरी विकेट के लिए 13.2 ओवर 23 रनों की साझेदारी की थी, लेकिन शोएब बशीर ने सिराज को आउट करके इंग्लैंड को 22 रनों से जीत दिला थी.

पांच राज्यों में खेले जाएंगे मैच और 24 टीमें लेंगी हिस्सा, उद्घाटन 23 को; 3 करोड़ से अधिक के इनाम

कोलकाता, एजेंसी। इस वर्ष प्रतियोगिता का कुल इनामी राशि 3 करोड़ तक बढ़ा दिया गया है, जो अब तक की सबसे बड़ी राशि है। उद्घाटन मैच 23 जुलाई को ईस्ट बंगाल और साउथ यूनाइटेड के बीच युवभारती क्रीड़ांगन, कोलकाता में खेला जाएगा। फाइनल 23 अगस्त को खेला जाएगा। एशिया की सबसे पुरानी फुटबॉल प्रतियोगिता डूरंड कप इस वर्ष नए रिकॉर्ड और भव्य आयोजनों के साथ होने जा रही है। गुरुवार को कोलकाता के एओआई विजय दुर्ग में आयोजित ट्रॉफी अनावरण समारोह के दौरान 134वें इंडियन ऑयल डूरंड कप के आयोजन समिति ने इसकी घोषणा की। इस वर्ष प्रतियोगिता का कुल इनामी राशि 3 करोड़ तक बढ़ा दिया गया है, जो अब तक की सबसे बड़ी राशि है। उद्घाटन मैच 23 जुलाई को ईस्ट बंगाल और साउथ यूनाइटेड के बीच युवभारती क्रीड़ांगन, कोलकाता में खेला जाएगा। फाइनल 23 अगस्त को खेला जाएगा।

इस अवसर पर प्रतियोगिता की तीन प्रतिष्ठित ट्रॉफियों डूरंड कप, शिमला ट्रॉफी (1904 से) और प्रेसिडेंट्स

कप (स्थायी रूप से विजेता के पास रहता है) का अनावरण किया गया। कार्यक्रम में पश्चिम बंगाल सरकार के मंत्री अरूप विश्वास मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थे। उनके साथ थे आईएएस राजेश कुमार सिन्हा, आयोजन समिति के चेयरमैन लेफ्टिनेंट जनरल मोहित मल्होत्रा और उपाध्यक्ष, डूरंड आयोजन समिति मेजर जनरल राजेश अरुण मोगे उपस्थित थे।इस मौके पर पश्चिम बंगाल सरकार के मंत्री अरूप विश्वास अरूप विश्वास ने कहा, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी उद्घाटन और 23 अगस्त को फाइनल मुकाबले में मौजूद रहेंगी। चार बड़े क्लब मोहन बागान, ईस्ट बंगाल, मोहम्मडन एससी और डायमंड हार्बर एफसी के लिए 5000-5000 टिकट आरक्षित किए गए हैं, ताकि प्रशंसकों की भागीदारी अधिकतम हो सके।इस मौके पर आईएएस राजेश कुमार सिन्हा ने कहा, डूरंड कप ने पिछले छह वर्षों में कोलकाता में फिर से अपनी गरिमा प्राप्त की है। राज्य सरकार ने आयोजन के लिए 15 करोड़ खर्च किए हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व में सभी विभागों का सहयोग सराहनीय है।लेफ्टिनेंट जनरल मोहित मल्होत्रा ने घोषणा की कि इस बार 3 करोड़ से अधिक इनामी राशि रखी गई है, जो पहले के 1.2 करोड़ से कहीं अधिक है। तीन व्यक्तिगत पुरस्कार विजेताओं को एसयूवी गाड़ियां दी जाएंगी। यह भारतीय फुटबॉल प्रतिभाओं को सम्मान और प्रोत्साहन देने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

24 टीमें, छह समूह में बंटी हैं : मोघे

खेल के बारे में जानकारी देते हुए मेजर जनरल राजेश अरुण मोगे ने कहा, प्रतियोगिता लीग-कम-नॉकआउट फॉर्मेट में होगी। 24 टीमें, छह समूहों में बंटी हैं, और देश के पांच राज्यों में खेलेंगी। कोलकाता दो ग्रुप के 15 मैच, एक क्वार्टर फाइनल, सेमीफाइनल और फाइनल की मेज़बानी करेगा।

डूरंड कप 2025 के मैच देश के 5 राज्यों में आयोजित होंगे

बंगाल की राजधानी कोलकाता के युवभारती और किशोर भारती स्टेडियम, कोकराझार (असम) मणिपुर (इंफाल), मेघालय (शिलांग) और झारखंड के जमशेदपुर में मैच खेले जाएंगे। कोलकाता में होंगे 15 लीग मैच खेले जाएंगे। इसके अलावा एक क्वार्टर फाइनल, सेमीफाइनल और 23 अगस्त को फाइनल मैच खेला जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

बेस्ट मक्खन वाली दाल खाओ... दोस्त ने गहरी नींद में सुलाकर उड़ाया 1.3 किलो सोना

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के पहाड़गंज में एक हैरान करने वाली चोरी की वारदात ने सबको चौंका दिया। एक 40 साल के सोना व्यापारी को उसके दोस्त ने 'मक्खन वाली दाल' के चक्कर में ऐसा चूना लगाया कि वह सोना, दोस्त और दाल सब खो बैठा। दोस्त सोना व्यापारी से 1.3 किलो सोना लेकर फरार हो गया। अमृतसर के सोना व्यापारी प्रदीप कुमार को उनके पुराने परिचित प्रभ सिंह ने दिल्ली में एक बड़े सौदे का लालच दिया। दोनों मंगलवार को पहाड़गंज के एक होटल में ठहरे। प्रभ ने प्रदीप को रात में दिल्ली की 'बेस्ट दाल' का लालच दिया, जिसमें ढेर सारा मक्खन हो। पहले तो प्रदीप ने मना किया, लेकिन प्रभ के बार-बार जोर देने पर वह मान गया। प्रभ ने दावा किया कि उसने यह स्वादिष्ट दाल दरीयागंज के एक मशहूर रेस्तरां से मंगवाई। प्रदीप ने जैसे ही दाल खाई, वह गहरी नींद में चला गया। जब सुबह उनकी आंख खुली, तो न तो कमरे में 1.3 किलो सोना था, न दोस्त प्रभ, और न ही वह मक्खन वाली दाल। पुलिस के मुताबिक, दाल में नशीला पदार्थ मिलाया गया था, जिसके कारण प्रदीप बेहोश हो गए। डीसीपी निधिन वल्सन ने बताया कि प्रदीप के पास 1,340 ग्राम सोने के गहने थे, जिनकी कीमत करीब 13.33 लाख रुपये थी। चोरी का यह मामला भारतीय न्याय संहिता की धारा 123 (नशीले पदार्थ से नुकसान) और 305ए (इमारत में चोरी) के तहत दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी प्रभ सिंह ने अपना फोन बंद कर लिया है, और उसकी तलाश में दिल्ली और पंजाब में टीमें भेजी गई हैं।

दिल्ली के कई इलाकों को जाम से राहत दिलाएगा यूईआर-2, हवा की गुणवत्ता में भी होगा सुधार

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के लोक निर्माण विभाग मंत्री प्रवेश वर्मा और पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने गुरुवार को अर्बन एक्सटेंशन रोड 2 (यूईआर-2) और नेशनल हाईवे (दिल्ली-गुरुग्राम-जयपुर) के इंटरसेक्शन (शिवमूर्ति चौक) पर निर्माणाधीन अंडरपास एवं फ्लाईओवर का दौरा किया। यूईआर-2 का निरीक्षण के बाद प्रवेश वर्मा ने बताया कि यहां काम तेजी चेल रहा है। इस काम के पूरा होने से मुंडका, बवाना, महिपालपुर जैसे इलाकों को जाम से राहत मिलेगी। वहीं, सिरसा ने कहा कि हमारा लक्ष्य प्रदूषण को नियंत्रित करना है, जो भारी ट्रैफिक के कारण लगातार बढ़ता जा रहा है। ऐसी योजना सिर्फ ट्रैफिक ही नहीं, बल्कि दिल्ली की वायु गुणवत्ता सुधारने में भी अहम भूमिका निभाएंगे। यह परियोजना नजफगढ़, द्वारका, रोहिणी और एचएच-8 जैसे महत्त्वपूर्ण इलाकों को जोड़ने वाले इस चौराहे पर निर्बाध यातायात सुनिश्चित करेगी और वैकल्पिक मार्गों पर मौजूद दबाव को भी कम करेगी। यह महत्त्वपूर्ण योजना पश्चिमी और बाहरी दिल्ली के उन लाखों लोगों के लिए राहत लेकर आएगा, जो रोजाना इस जंक्शन पर लगने वाले भीषण जाम से जूझते हैं।

दिल्ली में पत्नी से नाराज पति ने लगाई फांसी, मौत का बनाया लाइव वीडियो

नईदिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली के निहाल विहार इलाके में पत्नी की किसी और से करीबी के शक में एक युवक ने पंखे से फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। मौत से पहले युवक ने इसका एक लाइव वीडियो भी बनाया, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। मृतक का नाम विकास था। आत्महत्या से पहले युवक द्वारा बनाए गए एक वीडियो में पत्नी के साथ बीते पांच साल में गुजारे गए पलों के बारे में बताया। इसी वीडियो में युवक ने पत्नी की करीबी किसी और से होने की बात कही। साथ ही अपने चार साल के बेटे को पत्नी से अलग परिवार के किसी भी सदस्य को सौंपने की सरकार व पुलिस से गुजारिश भी की है। इसके बाद पंखे से फंदा लगाकर खुदकुशी करने तक का 6 मिनट 21 सेकेंड का लाइव वीडियो बनाया। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजन को सौंप दिया गया है। पुलिस के मुताबिक, निहाल विहार इलाके में गुरुवार सुबह पुलिस को विकास नामक एक युवक के घर में सुसाइड करने की जानकारी मिली थी।

शांति के प्रतीक कबूतर दिल्लीवालों के लिए हो रहे जानलेवा, एमसीडी ने उठाया बड़ा कदम

नईदिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली की सड़कों पर एक समय शांति के प्रतीक माने जाने वाले कबूतर अब परेशानी का सबब बन गए हैं। अनियंत्रित भोजन और सड़क किनारे अनाज बेचने वालों की वजह से इनकी तादाद बेतहाशा बढ़ रही है। कबूतरों की बीट से न सिर्फ गंदगी फैल रही है, बल्कि स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए गंभीर खतरे भी पैदा हो रहे हैं।

8 जुलाई को एमसीडी के पब्लिक हेल्थ विभाग ने पशु चिकित्सा विभाग को पत्र लिखकर कबूतरों की बढ़ती संख्या पर लगाम लगाने की मांग की। यह कदम 27 जून को हुई एमसीडी की स्थायी समिति की बैठक में उठाए गए मुद्दों के बाद आया, जहां कबूतरों की बीट से होने वाली बीमारियों और गंदगी पर चिंता जताई गई थी। पत्र में कहा गया, 'कबूतरों से होने वाली बीमारियों का कोई ठोस आंकड़ा तो उपलब्ध नहीं है, लेकिन उनकी बढ़ती तादाद और अनाज बेचने वालों की वजह से यह गतिविधि नियंत्रित करना जरूरी है।'

पूर्वी दिल्ली की पूर्व मेयर और समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा ने बताया कि स्वच्छता बनाए रखने और इस समस्या से निपटने के लिए एक ढांचा तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा, कई चौराहों पर पक्षियों के दाने और बीट से गंदगी फैल रही है। यह न सिर्फ बदसूरत है, बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी खतरनाक है। एमसीडी के सीनियर अधिकारियों का कहना है कि फुटपाथ, चौराहों और सड़कों पर कबूतरों को खाना खिलाने की प्रथा ने उनकी प्रजनन दर को बेकाबू कर दिया है। एक अधिकारी ने बताया, ट्रैफिक जंक्शनों पर आसानी से मिलने वाला भोजन कबूतरों की संख्या को तेजी से बढ़ा रहा है।

दिल्ली में सबसे आम रॉक कबूतर साल में छह बार तक बच्चे दे सकते हैं। ये कबूतर भूरे रंग के होते हैं, जिनकी गर्दन पर बैंगनी-हरी चमक और पूंछ पर काली पट्टी होती है। लेकिन जहां ये इकट्ठा होते हैं, वहां बीट का ढेर लग जाता है। एक कबूतर सालाना करीब 11.5 किलो बीट पैदा करता है, जिसमें सैल्मोनेला, ई. कोलाई और यहां तक कि इन्फ्लूएंजा वायरस जैसे रोगजनक बैक्टीरिया हो सकते हैं। एक अधिकारी ने चेतावनी दी, यह सिर्फ स्वच्छता की समस्या नहीं है। कबूतरों की बीट से सिटाकोसिस, ऑर्निथोसिस, क्रिप्टोकोकोसिस और हाइपरसेंसिटिविटी न्यूमोनाइटिस जैसी गंभीर सांस की बीमारियां हो सकती हैं। इसके अलावा, बीट की अम्लीय प्रकृति इमारतों, ऐतिहासिक धरोहरों और सार्वजनिक ढांचों को भी नुकसान पहुंचाती है।

एनजीटी ने हाल ही में एक स्कूली छात्र की याचिका के बाद दिल्ली सरकार और नागरिक निकायों को नोटिस जारी किया। याचिका में कबूतरों की बीट से होने वाले पर्यावरणीय और स्वास्थ्य खतरों, खासकर हाइपरसेंसिटिविटी न्यूमोनाइटिस के जोखिम को रेखांकित किया गया था। जैव विविधता पार्क कार्यक्रम के प्रभारी वैज्ञानिक फैयाज खुरसार ने बताया, कृत्रिम भोजन स्थलों की वजह से कबूतरों की संख्या बढ़ रही है, जबकि प्राकृतिक भोजन सीमित है।

इससे गौरैया जैसे छोटे पक्षियों के लिए जगह और भोजन की कमी हो रही है। उन्होंने यह भी चेताया कि कबूतरों के पंख और उनमें मौजूद बेड बग्स या पीले कीड़े जैसे परजीवी भी बीमारियां फैला सकते हैं।

एमसीडी अब कबूतरों की आबादी और उनके भोजन स्थलों को नियंत्रित करने के उपाय तलाश रही है। पशु चिकित्सा विभाग से इस मामले की जांच और व्यवहारिक समाधान सुझाने को कहा गया है। दिल्लीवासियों को भी जागरूक होने की जरूरत है कि कबूतरों को खिलाना भले ही नेक काम लगे।

सिंगर फाजिलपुरिया पर फायरिंग से पहले 4 बार की गई रेकी, तीन फरार आरोपियों की तलाश तेज

नईदिल्ली, एजेंसी। गुरुग्राम पुलिस ने एसपीआर रोड पर हरियाणवी सिंगर और रैपर राहुल यादव उर्फ फाजिलपुरिया पर हुई फायरिंग मामले में तीन अन्य आरोपियों की तलाश तेज कर दी है। पुलिस ने बुधवार देर रात सोनीपत से 25 वर्षीय विशाल को गिरफ्तार किया था। उसने गुरुग्राम आकर चार बार राहुल फाजिलपुरिया की रेकी की थी।

अपराध शाखा सेक्टर-40 की टीम ने आरोपी विशाल को गुरुवार को कोर्ट में पेश कर पांच दिन के रिमांड पर लिया है। रिमांड के दौरान पुलिस आरोपी से अन्य साथियों के बारे में जानकारी जुटाएगी, ताकि उन्हें भी गिरफ्तार किया जा सके। पुलिस की पूछताछ में आरोपी विशाल ने खुलासा किया कि उसने सोनीपत से गुरुग्राम आकर चार बार राहुल फाजिलपुरिया की रेकी की थी। 14 जुलाई को हुई वारदात में वह भी शामिल था। इस मामले में पुलिस को वारदात के दौरान कार में शामिल अन्य तीन आरोपियों की भी तलाश है। जल्द गिरफ्तारी की बात कही जा रही है।

फायरिंग मामले के बाद फाजिलपुरिया बुधवार शाम को पुलिस सुरक्षा और कुछ दोस्तों के साथ वृंदावन पहुंच गए। उन्होंने प्रेमानंद महाराज से मुलाकात की। इसके बाद वृंदावन में बांके बिहारी मंदिर के दर्शन करने के साथ वहां पर मंदिर में साफ-सफाई भी की। पुलिस की जांच में सामने आया है कि फाजिलपुरिया का दीपक नांदल के साथ पुराना व्यावसायिक संबंध भी रहा है। दोनों एक साथ काम कर चुके हैं। बता दें कि दीपक नांगल वही शख्स है, जिसका नाम हमले की जिम्मेदारी लेने वाले सुनील सरधानिया ने लिया है। सुनील ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर फाजिलपुरिया से कहा था कि दीपक नांदल के पांच करोड़ रुपये लौटा दो।

बच्चे के बाप की पहचान को जबरन ले सकते हैं डीएनए सैंपल, दिल्ली हाईकोर्ट का पुलिस को आदेश

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट ने दुष्कर्म के एक मामले में महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। कोर्ट ने दुष्कर्म से जन्मे बच्चे के पिता की पहचान के लिए आरोपी का जबरन डीएनए सैंपल लेने के आदेश दिए हैं। हाईकोर्ट ने दिल्ली पुलिस के जांच अधिकारी को कहा है कि यदि आरोपी डीएनए सैंपल देने में आनाकानी करता है तो पुलिस को उचित बल प्रयोग कर सैंपल लेने का अधिकार होगा। जस्टिस नीना बंसल कृष्णा की बेंच ने सत्र अदालत के उस आदेश को खारिज कर दिया है, जिसमें आरोपी की इच्छा के बगैर उसका डीएनए सैंपल देने पर रोक लगा दी गई थी। बेंच ने अपने आदेश में कहा है कि सिर्फ इस मामले में नहीं बल्कि इस तरह के सभी मामलों में पुलिस को यह अधिकार होगा कि वह अपने मुकदमे को मजबूत बनाने एवं अजन्मे अथवा जन्मे बच्चे के पिता की पहचान के लिए बल प्रयोग कर सकता है।

इस मामले में बेंच ने कहा कि इससे पहले कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता (जिनकी अब मौत हो चुकी है) के डीएनए सैंपल से ही दशकों बाद उनके बेटे को इंसाफ मिल पाया था। इसलिए बलात्कार के कारण गर्भवती हुई लड़की/महिला के बच्चे के पिता की पहचान के लिए पुलिस को यह अधिकार है कि वह आरोपी का जबरन डीएनए सैंपल ले। बेंच ने टिप्पणी की कि आरोपी की मर्जी की वजह से जन्मे बच्चे को नाजायज घोषित करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। पति से सात साल पहले हो चुका है तलाक : इस मामले की सुनवाई के दौरान पुलिस ने बताया कि इस महिला का अपने पति से वर्ष 2018 में तलाक हो चुका है। इस पर बेंच ने कहा कि बेशक महिला ने अन्य लोगों पर भी दुष्कर्म का आरोप लगाया हो। लेकिन यहां एक बच्चे के पिता की पहचान का मामला है। इसे अदालत कतई हल्के में नहीं ले सकती। बच्चा नाजायज नहीं कहलाया जा सकता। आरोपी को अपना डीएनए टेस्ट के लिए सैंपल देना ही होगा। बेंच ने यह भी कहा कि अदालत में पेश दस्तावेज के हिसाब से महिला सात साल से अपने पति से अलग रह रही है।

दिल्ली वाले फिर आंधी-तूफान और बारिश के लिए रहें तैयार

नईदिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में आज फिर गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग (आईएमडी) के पूर्वानुमान के अनुसार, आज दिन का अधिकतम तापमान 33-35 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 24-26 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान जताया गया है। इसके साथ ही बादल छाए रहने और गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश संग तूफानी हवाएं चलने के आसार हैं। बता दें कि 23 जुलाई तक दिल्ली में मौसम ऐसा ही बने रहने की उम्मीद है। सुबह न्यूनतम तापमान 23.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जबकि अधिकतम तापमान 35 डिग्री के आसपास रहने की संभावना है। सुबह साढ़े आठ बजे सापेक्षिक आर्द्रता 80 प्रतिशत रही। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के सुबह 9 बजे के बुलेटिन के अनुसार दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 61 रहा जो ''संतोषजनक'' की श्रेणी में आता है। सीपीसीबी के अनुसार, शून्य से 50 के बीच एक्यूआई को अच्छा, 51 से 100 को संतोषजनक, 101 से 200 को मध्यम, 201 से 300 को खराब, 301 से 400 को बहुत खराब और 401 से 500 को गंभीर माना जाता है। बादल छाए रहेंगे और गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश संग तूफानी हवाएं चल सकती हैं। इस दौरान अधिकतम तापमान 33-35 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 24-26 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है। आमतौर पर बादल छाए रहेंगे और बहुत हल्की बारिश हो सकती है। इस दौरान अधिकतम तापमान 34-36 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 24-26 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है। आमतौर पर बादल छाए रहेंगे और बहुत हल्की बारिश हो सकती है। इस दौरान अधिकतम तापमान 34-36 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 25-27 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है। बादल छाए रहेंगे और गरज के साथ बहुत हल्की से हल्की बारिश संग तूफानी हवाएं चल सकती हैं। इस दौरान अधिकतम तापमान 33-35 डिग्री और न्यूनतम तापमान 26-28 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है। बादल छाए रहेंगे और गरज के साथ बहुत हल्की से हल्की बारिश संग तूफानी हवाएं चल सकती हैं। इस दौरान अधिकतम तापमान 32-34 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 25-27 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है। 23 जुलाई 2025 :- बादल छाए रहेंगे और गरज के साथ बहुत हल्की से हल्की बारिश संग तूफानी हवाएं चल सकती हैं। इस दौरान अधिकतम तापमान 32-34 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 25-27 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है।

संयुक्त अरब अमीरात शादी के लिए दे रहा 10 दिन की पेड छुट्टी

अबुधावी, एजेंसी।
शादी एक ऐसा मौक़ा होता है जब लोगों को तैयारियों और रीति-रिवाजों के लिए कई दिन की छुट्टी की ज़रूरत पड़ती है। हालांकि अक्सर लोग लंबी छुट्टी लेने से कतराते हैं क्योंकि कई जगह शादी के लिए छुट्टी मिलती ही नहीं और जहाँ मिलती भी है वहाँ सैलरी कट जाती है लेकिन अब संयुक्त अरब अमीरात के एक शहर ने इस विषय में एक बड़ा और स्वागतयोग्य फैसला लिया है। यह सवाल स्वाभाविक है कि किस देश में शादी के लिए इतनी उदार छुट्टी देने की व्यवस्था की जा सकती है। यह पहल एक मुस्लिम देश में होने जा रही है। वर्क-लाइफ बैलेंस और पारिवारिक मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए,श्व में कई सुधार किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में दुबई ने शादी के लिए छुट्टी देने की योजना बनाई है। दुबई सरकार ने हाल ही में ऐलान किया है कि,श्व नागरिक कर्मचारियों को शादी के लिए पूरे 10 दिन की छुट्टी दी जाएगी। यह फैसला कर्मचारियों के लिए बड़ी राहत लेकर आया है। दुबई का यह फैसला सिर्फ़ छुट्टी देने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह और भी ज़्यादा आकर्षक है। शादी के लिए दी गई इन 10 दिनों की छुट्टी के दौरान सैलरी में कोई कटौती नहीं होगी। कर्मचारियों को पूरी सैलरी तो मिलेगी ही, साथ ही उन्हें अन्य सभी भत्ते और वित्तीय लाभ भी मिलेंगे। यह सुनिश्चित करेगा कि कर्मचारी बिना किसी आर्थिक चिंता के अपनी शादी का पूरा आनंद ले सकें। यह प्रावधान वर्कर्स के कार्यस्थल पर लागू मानव संसाधन कानूनों के अनुसार लागू होगा। वर्कर्स 10 दिन की इस छुट्टी को शादी की तारीख के एक साल के भीतर कभी भी इस्तेमाल कर सकते हैं, चाहे वे इसे एक साथ लें या टुकड़ों में। यदि किसी विशेष परिस्थिति में वर्कर्स छुट्टी का पूरा लाभ तय समय में नहीं ले पाते हैं, तो ठोस कारण और अपने प्रत्यक्ष पर्यवेक्षक की अनुमति के आधार पर इसे अगले वर्ष तक बढ़ाया जा सकता है। यह कदम दुबई सरकार की अपने कर्मचारियों के कल्याण और उनके निजी जीवन को महत्व देने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इससे कर्मचारियों की संतुष्टि बढ़ने और कार्यस्थल पर बेहतर माहौल बनने की उम्मीद है।

हवस और ब्लैकमेलिंग का महा-स्कैंडल: महिला ने 9 बौद्ध भिक्षुओं से बनाए यौन संबंध फिर वीडियो बनाकर...

बैंकाक एजेंसी।
थाईलैंड में एक सनसनीखेज़ स्कैंडल सामने आया है जिसने पूरे देश की धार्मिक आस्था को झकझोर दिया है। एक 30 वर्षीय महिला ने कथित तौर पर 9 बौद्ध भिक्षुओं के साथ यौन संबंध बनाए और फिर उनके आपत्तिजनक फोटो और वीडियो बनाकर उन्हें ब्लैकमेल किया। इस तरीके से महिला ने करोड़ों रुपये ठगे। पुलिस ने अब इस आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है। यह मामला थाईलैंड का है। ठगी करने वाली इस महिला की पहचान विलावान एम्सावत के रूप में हुई है जिसकी उम्र लगभग 30 वर्ष है। उसे मंगलवार को बैंकॉक के नोनथाबुरी प्रांत से गिरफ्तार किया गया। पुलिस का मानना है कि विलावान ने कम से कम नौ भिक्षुओं के साथ शारीरिक संबंध बनाए थे। जांच में सामने आया है कि उसने पिछले तीन वर्षों में ब्लैकमेलिंग के ज़रिए लगभग 10.2 मिलियन यूरो (जो लगभग 102 करोड़ रुपये के बराबर हैं) हासिल किए हैं। हालांकि गिरफ्तारी के बाद विलावान की तरफ से इस संबंध में कोई भी आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है लेकिन गिरफ्तारी से पहले स्थानीय मीडिया से बात करते हुए उसने एक रिश्ते की बात स्वीकार की थी और कहा था कि भिक्षुओं ने उसे पैसे दिए थे। इस कांड ने थाईलैंड में बौद्ध संस्थाओं को हिलाकर रख दिया है और पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींचा है। बताया जा रहा है कि इस मामले में शामिल सभी भिक्षुओं को उनके भिक्षुणी पद से हटा दिया गया है।

6000 करोड़ के घोटाले! आम आदमी पार्टी के बड़े नेताओं पर ईडी ने कसा शिकंजा, 3 केस दर्ज

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में आम आदमी पार्टी (आप) के बड़े नेताओं की मुश्किलें बढ़ने जा रही हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने तीन कथित घोटालों में केस दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। आरोप है कि आप सरकार के दौरान इन घोटालों को अंजाम दिया गया, जिनमें 6 हजार करोड़ से अधिक की वित्तीय अनियमितताएं हुईं। इन्फोर्समेंट केस इन्फॉर्मेशन रिपोर्ट्स (श्वष्टढ्ढक्रह्य) दर्ज की है जो स्नढ्ढक्र के बराबर है। रिपोर्ट के मुताबिक, ईडी ने अस्पताल निर्माण, शेल्टर होम और सीसीटीवी लगवाए जाने के काम में कथित घोटालों को लेकर केस दर्ज किया है। आरोप है कि इनमें करीब 6368 करोड़ का घोटाल हुआ है। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि आप नेताओं को जल्द ही पूछताछ के लिए समन किया जा सकता है। पूर्व स्वास्थ्य मंत्रियों सौरभ भारद्वाज और सत्येंद्र जैन से जल्द सवाल-जवाब किए जा सकते हैं। इससे पहले एक अन्य मनी लॉन्ड्रिंग केस में सत्येंद्र जैन को लंबे समय तक जेल में रहना पड़ा।

16 साल छोटे लड़के से प्यार, शादी करने पाकिस्तान पहुंच गई महिला

फिर इस्लाम किया कबूल

इस्लामाबाद एजेंसी।
अमेरिका के इलिनॉय राज्य की रहने वाली 47 वर्षीय मिंडी रास्मुसेन ने पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा के अपर दीर जिले के निवासी सजिद ज़ेब खान से शादी कर ली है। दोनों की मुलाकात करीब एक साल पहले फेसबुक के माध्यम से हुई थी, जो धीरे-धीरे दोस्ती से प्यार में बदल गई।

डॉन अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, मिंडी और सजिद की ऑनलाइन चैट और वीडियो कॉल्स के जरिए नजदीकियां बढ़ीं। कई महीनों की बातचीत के बाद मिंडी ने सजिद को शादी का प्रस्ताव दिया। जब दोनों परिवारों ने इस रिश्ते पर सहमति दी, तो मिंडी पाकिस्तान पहुंचीं और दोनों ने शादी कर ली।

मिंडी रास्मुसेन इस महीने की शुरुआत में 90 दिन के विजिट वीजा पर पाकिस्तान आईं। इस्लामाबाद एयरपोर्ट पर सजिद ने फूलों से उनका स्वागत किया। इसके बाद मिंडी ने इस्लाम धर्म अपना लिया और अपना नाम जुलेखा रख लिया।

सजिद अपनी पत्नी जुलेखा को लेकर अपने गांव अपर दीर पहुंचे, जहां गांव वालों ने दोनों का पारंपरिक अंदाज़ में स्वागत किया। शादी इस्लामिक रीति-रिवाज़ों के अनुसार हुई। स्थानीय लोगों ने जश्न मनाया और नवविवाहित जोड़े को ढेर सारी शुभकामनाएं दीं।

स्थानीय पुलिस और दोनों परिवारों ने इस शादी को पूरी तरह से वैध और आपसी सहमति से बताया। शादी के बाद जुलेखा ने पाकिस्तान की तारीफ करते हुए कहा कि यह एक खूबसूरत और शांतिपूर्ण देश है। यहां के लोग बहुत ही मेहमाननवाज़ हैं।

जुलेखा ने बताया कि उनके अमेरिका में पिता, बहन और भाई को उनके फैसले की पूरी जानकारी थी और वे इस रिश्ते के समर्थन में हैं। उन्होंने पति सजिद की तारीफ करते हुए उन्हें एक ईमानदार और आदर देने वाला व्यक्ति बताया।सजिद ज़ेब खान ने कहा कि जुलेखा ने इस्लाम अपनाने और शादी का फैसला खुद लिया है। वह एक आत्मनिर्भर महिला हैं जो अपने फैसले खुद लेती हैं। जुलेखा ने दुनियाभर के लोगों से पाकिस्तान आने की अपील की और कहा कि यहां की संस्कृति, मेहमाननवाज़ी और प्राकृतिक सौंदर्य को जरूर अनुभव करना चाहिए।

ट्रंप की लोकप्रियता में आई गिरावट

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने करीब छह माह पहले ही जोरदार बहुमत पाकर सत्ता हासिल की थी, लेकिन ट्रंप अपनी उस लोकप्रियता को बरकरार नहीं रख पाए हैं और ताजा सर्वे में उनकी लोकप्रियता में भारी गिरावट देखी गई है। खासकर अप्रवासन नीति, सरकारी खर्च में कटौती और मेडिकेड जैसे मुद्दों पर लोगों में भारी नाराजगी है। यह सर्वे एसोसिएटेड प्रेस-एनओआरसी सेंटर द्वारा किया गया है। इस साल की शुरुआत में अप्रवासन के मुद्दे पर ट्रंप की जो रेटिंग थी, अब उसमें भी गिरावट आई है, जबकि अप्रवासन ऐसा मुद्दा है, जो ट्रंप की ताकत रहा है। ट्रंप प्रशासन की नीतियों से उनके रोजमर्रा के जीवन पर कोई सकारात्मक असर नहीं हुआ है, बल्कि कई लोगों का मानना है कि उनकी नीतियों से उनकी परेशानी बढ़ी है या उन्हें दुख पहुंचा है। सिर्फ एक तिहाई लोग ही मानते हैं कि ट्रंप के आने से उन्हें राहत मिली है। विपक्षी पार्टी डेमोक्रेटिक पार्टी के समर्थक और आधे स्वतंत्र लोगों ने बताया कि ट्रंप की नीतियों का उनके जीवन पर बुरा असर पड़ा है। कई रिपब्लिकन समर्थक भी ऐसा ही मानते हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव प्रचार के दौरान कामकाजी वर्ग की रोजमर्रा जरूरतों की लागत कम करने, सामाजिक कल्याण योजनाओं जैसे मेडिकेड आदि को जारी रखने, विदेशी युद्धों को समाप्त कराने और सरकार के खर्च में कटौती करने जैसे वादे किए थे।

New page 9_page 12 29.05.2025.qxd 18-07-2025 21:52 Page 1

जनता दरबार में डीडीसी ने लोगों की सुनी फरियाद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार ने आयोजित जनता दरबार में आम जनता से जुड़ी समस्याओं पर क्रमवार सुनवाई की। इस दौरान शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों से पहुंचे 51 से ज्यादा लोगों की क्रमवार समस्याओं/शिकायतों पर सुनवाई किया। साथ ही संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को प्राप्त आवेदनों को अग्रसारित करते हुए अविलंब जांच कर जल्द समाधान करने का निर्देश दिया। इसके अलावा कई मामलों का ऑन स्पॉट निष्पादन किया। जनता दरबार में भूमि अतिक्रमण, भूमि पर कब्जा, सिविल सर्जन कार्यालय, अपर नगर आयुक्त चास, बीएसएल, श्रम अधीक्षक कार्यालय, सामाजिक सुरक्षा, राजस्व, जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय, जिला कृषि कार्यालय, डीवीसी चंद्रपुरा, पीएम आवास, जिला कल्याण पदाधिकारी, डीसीएलआर चास/बेरमो, अबुआ आवास, अनुमंडल पदाधिकारी चास, अंचल कार्यालय चंद्रपुरा, प्रखंड विकास पदाधिकारी नावाडीह, अंचल कार्यालय चंदनकियारी, जिला ग्रामीण विकास अभिकरण आदि से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए थे। मौके पर डीपीएलआर निदेशक मेनका, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा पियूष, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह आदि उपस्थित थे।

मुख्य सचिव ने की रिवाइज्ड झरिया मास्टर प्लान की समीक्षा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। मुख्य सचिव अलका तिवारी ने समाहरणालय के सभागार में रिवाइज्ड झरिया मास्टर प्लान की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान उन्होंने भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल), झरिया पुनर्वास एवं विकास प्राधिकार (जेआरडीए) तथा जिला प्रशासन से बेलगड़िया में की जा रही विविध गतिविधियों की विस्तार से जानकारी प्राप्त की। समीक्षा के बाद मुख्य सचिव ने कहा कि भारत सरकार ने भू-धंसान व अग्नि प्रभावित क्षेत्र में रहने वाले लोगों के पुनर्वास के लिए रिवाइज्ड झरिया मास्टर प्लान विकसित किया है। इसमें उनका सही तरीके से पुनर्वास, रोजगार, कौशल विकास, व्यवसाय के लिए वित्त प्रबंधन, बेलगड़िया टाउनशिप में पोस्ट ऑफिस, बैंक, एटीएम, स्कूल, स्वास्थ्य केंद्र, आंगनवाड़ी केंद्र, रोड

कनेक्टिविटी, स्ट्रीट लाइट, यातायात व्यवस्था, टाउनशिप की साफ सफाई, सुरक्षा सहित अन्य सुविधाएं प्रदान करना का उद्देश्य है।

उन्होंने कहा कि एक विशेष जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को रिवाइज्ड झरिया मास्टर प्लान में दी जाने वाली सारी सुविधाओं के बारे में विस्तार पूर्वक बताया जाएगा।

उन्होंने कहा कि पूर्व के झरिया मास्टर प्लान में जो भी खामियां सामने आई थी उसे दूर करके रिवाइज्ड झरिया मास्टर प्लान बनाया गया है। इसके अलावा जेआरडीए को और अधिक मजबूती प्रदान की गई है।

मुख्य सचिव ने कहा कि लोगों को जिस क्षेत्र में रुचि है उसमें उनका कौशल विकास करें। जिला प्रशासन के साथ मिलकर जेआरडीए एक रणनीति बनाएं और ईको सिस्टम विकसित करें। स्थानीय जनप्रतिनिधियों तथा हितधारकों को शामिल करें। इसका सुखद परिणाम सामने आएगा।

बैठक के दौरान उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन ने बताया कि बेलगड़िया के लोगों की सुविधा के लिए वहां से धनबाद रेलवे स्टेशन व झरिया के लिए बस सर्विस शुरू की गई है।

खान निदेशक राहुल कुमार सिन्हा ने कहा कि बेलगड़िया के लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए भारत सरकार एवं राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं से जोड़ें। बैठक में मुख्य सचिव अलका तिवारी, खान निदेशक राहुल कुमार सिन्हा, उत्तरी छोटा नागपुर प्रमंडल, हजारीबाग, के आयुक्त पवन कुमार, उपायुक्त आदित्य रंजन, बीसीसीएल के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक समीरन दत्ता, निदेशक संजय कुमार सिंह, निदेशक] मनोज कुमार अग्रवाल, निदेशक मुरली कृष्ण रमैया, झरिया मास्टर प्लान के महाप्रबंधक राजीव चोपड़ा, जेआरडीए सलाहकार डीएन महापात्रा सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

सार्वजनिक स्थलों पर नशा की तो होगी कार्रवाई

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। उपायुक्त अजय नाथ झा के आदेशानुसार अपर आयुक्त नगर निगम चास के निर्देश में सभी नगर प्रबंधक व कर वसूली कर्ता के साथ सभी प्राधिकृत पदाधिकारियों द्वारा कोटपा-2003 के अनुपालन हेतु एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन चास नगर निगम के सभागार में आयोजित किया गया। कार्यशाला का शुभारम्भ सहायक नगर आयुक्त जयपाल सिंह एवं नगर प्रबंधक चास नगर निगम के अनुप गुंजन टोपनो के द्वारा किया गया। कार्यशाला में सहायक नगर आयुक्त ने बताया कि प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य है कि नगर निगम क्षेत्र में कोटपा-2003 की धारा 4, 6ए व 6बी का अनुपालन और अच्छे से हो। साथ ही कोटपा कानून में हुए बदलाव के बारे में सभी को जानकारी देना। प्रशिक्षण में बताया गया कि झारखण्ड नगरपालिका अधिनियम 2011 का सख्ती से अनुपालन करते हुए सिगरेट और अन्य तम्बाकू उत्पाद अधिनियम 2003, खाद्य संरक्षण अधिनियम 2006 एवं बाल विकास मंत्रालय का किशोर न्याय अधिनियम 2015 का उल्लंघन नहीं करेंगे तथा तम्बाकू उत्पाद की दुकानों पर टॉफी, कैन्डी, चिप्स, बिस्किट, पेय पदार्थ इत्यादि की बिक्री नहीं करेंगे। चास नगर निगम संजीव कुमार ने जानकारी दी कि निगम क्षेत्र अंतर्गत सभी होटल मालिकों व दुकानदारों को सुझाव दिया कि होटल मालिक होटल में गैर धूम्रपान क्षेत्र का बोर्ड जरूर लगाएं अन्यथा 1000 रू० का जुर्माना लग सकता है। साथ ही नगर निगम क्षेत्र में यदि किसी भी दुकानदार द्वारा खुला सिगरेट बेचा गया तो नये संशोधित कानून के अनुसार 1000 रू० का जुर्माना देना होगा। जिला परामर्शी तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम मो असलम द्वारा सभी प्रतिभागियों को बताया गया कि कोटपा संशोधन अधिनियम के अनुसार कोई भी व्यक्ति सरकारी दफ्तर, कोर्ट, स्कूल एवं अस्पताल के 100 मीटर के दायरे मे तम्बाकू उत्पाद का सेवन अथवा थूक नहीं सकता है।

पशु प्रेमियों को अदालत से मिली अग्रिम जमानत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। बोकारो के अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश तृतीय दिवेश कुमार त्रिपाठी की अदालत ने आज एक महत्वपूर्ण मामले में सुनवाई करते हुए पशु प्रेमी नेहा सिंह, भारती सिंह, पवन कुमार सिंह, मिता सिंह और अन्नू सिंह को अग्रिम जमानत प्रदान कर दी। यह मामला चास नगर निगम की डॉग कैचर टीम के साथ हुए विवाद से संबंधित है, जिसमें मालती लक्जरियस सिटी के रहने वाली कविता कुमारी ने प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

प्राथमिकी के अनुसार, कविता कुमारी ने कहा कि सोसाइटी के लोगों के अनुरोध पर नगर निगम की डॉग कैचर टीम आवारा कुत्तों को पकड़ने आई थी। इस दौरान नेहा सिंह, भारती सिंह, पवन सिंह, निश्चित कुमार, सुशांत शेखर दूबे, मिता सिंह, अन्नू सिंह और अन्य ने निगम की टीम के साथ विवाद शुरू कर दिया। कविता ने आरोप लगाया कि कारण पूछने पर आरोपियों ने गालियां दीं और निगम के चालक के साथ मारपीट की। कविता ने पुलिस से सभी आरोपियों के खिलाफ चास थाना में आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की थी, जिसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और प्राथमिकी संख्या 65/25 दर्ज की।

आज इसी मामले में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश तृतीय की अदालत में नेहा सिंह एवं अन्य के मामले में अग्रिम जमानत याचिका संख्या 627/25 पर सुनवाई हुई। बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता रणजीत गिरि ने प्रभावी ढंग से बहस की, जिसके बाद अदालत ने नेहा सिंह, भारती सिंह, पवन कुमार सिंह, मिता सिंह और अन्नू सिंह को अग्रिम जमानत दे दी।

पुलिस इस मामले में आगे की जांच कर रही है, और स्थानीय लोगों के बीच यह मामला चर्चा का विषय बना हुआ है। पशु प्रेमी और स्थानीय निवासियों के बीच तनाव को लेकर यह मामला और भी संवेदनशील हो गया है।

ग्राउंड में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन

बोकारो। आज मुख्य महाप्रबंधक (नगर प्रशासन) कुंदन कुमार की अगुवाई में बोकारो शहर के अंदर हरियाली और जैव-विविधता बढ़ाने तथा पर्यावरण के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से बीएसएल के ट्रेनीज हॉस्टल में सेल फुटबॉल एकेडेमी के ग्राउंड में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाप्रबंधक (संपर्क एवं प्रशासन) सी आर के सुधांशु, सहायक महाप्रबंधक (स्पोर्ट्स) सुभाष रजक एवं कर्मचारीगण के साथ सेल फुटबॉल एकेडेमी के बच्चे उपस्थित थे।

कुड़माली पढ़ने की मांग करेगा संगठन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। राढ़ कुड़मालि छात्र संगठन का गठन सचिन कुमार महतो की अध्यक्षता में की गई। जिसमें संगठन के संयोजक मंडली के 21 सदस्य के साथ - साथ तमाम छात्र- छात्राएं उपस्थित थे। जिसमें यह निर्णय लिया गया कि बृहद झारखंड के प्रत्येक विश्वविद्यालय एवं उसके अंतर्गत अंगीभूत कॉलेज में कुड़माली विषय में यूजी (स्नातक) एवं पीजी की पढ़ाई शुरू करने की मांग की जाएगी। आगामी जातीय जनगणना में अधिक से अधिक कुड़मालि भाषा दर्ज करने के लिए गांव-गांव में जन जागरण अभियान चलाई जाने की निर्णय ली गई। इसमें उपस्थित सदस्यों एवं छात्र-छात्राओं में आकाश महतो, अश्विनी महतो, जनार्दन त्रिवेणी महतो, राहुल महतो, हीरालाल महतो, विक्रम महतो, मिथुन, अमर, राजीव, शांतो कुमारी, प्रीति कुमारी, अष्टमी मनज्योति महेश, अक्षय, दीपक, फूलचंद के साथ-साथ कुड़मालि के सैकड़ो छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

राष्ट्रपति के कार्यक्रम को लेकर रूट का किया निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। राष्ट्रपति के आईआईटी आईएसएम में निर्धारित कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन को लेकर आज उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन एवं वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने एयरपोर्ट से लेकर आईआईटी आईएसएम कार्यक्रम स्थल तक का रूट निरीक्षण किया। इसके अलावा कार्यक्रम में शामिल होने हेतु राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री के रूट हेतु बिरसा स्पोर्ट्स कंपलेक्स से आईआईटी आईएसएम तक का निरीक्षण किया गया। एयरपोर्ट निरीक्षण के दौरान उपायुक्त आदित्य रंजन ने एयरपोर्ट परिसर की साफ सफाई, रनवे की स्थिति, एयरपोर्ट अंतर्गत अतिथि विश्राम ग्रह का निरीक्षण कर समुचित व्यवस्था सुदृढ़ करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए।वहीं रूट निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने निर्बाध ट्रैफिक की व्यवस्था, बैरिकेडिंग की व्यवस्था,

साफ सफाई, सुरक्षा व्यवस्था, सड़को से अतिक्रमण हटाने समेत अन्य बिंदुओं पर दिशा निर्देश दिए। इसके अलावा आईआईटी आईएसएम पहुंचकर मुख्य कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त एवं एसएसपी ने सुरक्षा की दृष्टि से की जाने वाली तैयारी का अवलोकन किया। इस दौरान पहुँच पथ, पंडाल निर्माण, स्टेज निर्माण, प्रवेश द्वार, निकास द्वार, बैरिकेडिंग, ग्रीन रूम, बैठने की व्यवस्था समेत पूरे परिसर की सुरक्षा व्यवस्था समेत कार्यक्रम की रूप रेखा पर आईआईटी आईएसएम के डायरेक्टर के साथ समीक्षा की गई। उपायुक्त ने पथ निर्माण विभाग, पीएचईडी, भवन प्रमंडल, नगर निगम सहित आईआईटी आईएसएम एवं सभी विभागों को आपस में समन्वय बनाते हुए सभी व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए। मौके पर उपायुक्त आदित्य रंजन, वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार, ग्रामीण एसपी कपिल चौधरी, सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव, नगर आयुक्त रवि राज शर्मा, अपर समाहर्ता विनोद कुमार, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर हेमा प्रसाद, अनुमंडल पदाधिकारी राजेश कुमार, निदेशक डीआरडीए राजीव रंजन, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी राम नारायण खालको, जिला परिवहन पदाधिकारी दिवाकर सी द्विवेदी, सहायक नगर आयुक्त प्रसून कौशिक, आईआईटी आईएसएम के डायरेक्टर प्रो सुकुमार मिश्रा, आईआईटी आईएसएम के रजिस्ट्रार प्रबोध पांडेय, मयंक यादव, डीएसपी सीसीआर सुमित कुमार, डीएसपी मुख्यालय 1 शंकर कामती, डीएसपी लॉ एंड ऑर्डर नौशाद आलम के अलावा अन्य विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

कर्मियों को कार पास की सुविधा देने की मांग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। बीएसएल अनाधिशासी कर्मचारी संघ ने अधिशासी निदेशक एचआर को पत्र लिखकर सभी कार्मिको को कार पास की सुविधा देने की माँग की है। गौरतलब है कि सेल के राउरकेला इस्पात संयंत्र, इस्को इस्पात संयंत्र ,भिलाई इस्पात संयंत्र तथा वीआईएसएल भद्रावति के सभी गैर कार्यपालक कर्मचारियों को अपने निजी कार से ड्युटी आने जाने की सुविधा दी गई है। राउरकेला इस्पात संयंत्र द्वारा हाल ही में इसके लिए सर्कुलर निकाला गया है। वही बोकारो इस्पात संयंत्र में कार से ड्युटी जाने वाले सभी गैर कार्यपालक कर्मियों को यह सुविधा नही दी गई है । सर्वाधिक बरसात , भीषण गर्मी तथा कड़ाके की ठंड के साथ आवारा पशुओं से बचते हुए भी हर एक काम देश के नाम करने की प्रतिबद्धता के साथ हर मौसम में ड्युटी जाने में कर्मियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

जांच को ले मांगी सूचना

बोकारो। गोमिया थाना क्षेत्रान्तर्गत बिरहोरडेरा में पुलिस एवं माओवादी संगठन के बीच हुई मुठभेड़ में माओवादी संगठन के एसजेडसीएम सदस्य कुवर मांझी उर्फ सहदेव मांझी उर्फ सदे, पिता करमा मांझी, ग्राम-बिरहोरडेरा, थाना-गोमिया, जिला-बोकारो एवं एक मृत व्यक्ति बलदेव मांझी, थाना पेंक नारायणपुर, प्रखंड नावाडीह, जिला बोकारो की मृत्यु हुई थी।

पुलिस अधीक्षक कार्यालय द्वारा प्राप्त अनुरोध के अनुसार मृत दोनों व्यक्तियों का मैजिस्ट्रियल इनक्वायरी, हाथ धुलाई, मैजिस्ट्रेट की उपस्थिति में वीडियोग्राफी सहित मेडिकल बोर्ड द्वारा पोस्टमार्टम, मैजिस्ट्रियल जाँच की प्रक्रिया की गई है।

उक्त घटना की सम्यक जाँच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से अनुमण्डल पदाधिकारी, बेरमो (तेनुघाट) मुकेश मछुआ द्वारा सूचित किया जाता है कि उक्त घटना से संबंधित कोई भी साक्ष्य, सूचना, जानकारी अथवा आपत्ति 06 सितंबर तक मौखिक अथवा लिखित रूप में अनुमण्डल कार्यालय, बेरमो (तेनुघाट) में प्रस्तुत किया जा सकता है।

संकुल स्तरीय विज्ञान एवं वैदिक गणित प्रतियोगिता

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। सरस्वती विद्या मंदिर,3 सी में आज संकुल स्तरीय विज्ञान एवं वैदिक गणित प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। प्रतियोगिता के उद्घाटन सत्र में विद्या विकास समिति के विभाग निरीक्षक विवेक नयन पांडे, विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति के सचिव राजकुमार सिंह एवं प्राचार्य संजीव कुमार ने मां भगवती के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्प अर्पित किया।

वंदना के पश्चात प्रतियोगिता आरंभ की गई जिसमें विज्ञान विषय के शिशु वर्ग में सरस्वती शिशु विद्या मंदिर 9 डी ने तृतीय, सरस्वती शिशु विद्या मंदिर 2 ए के छात्र-छात्राओं ने द्वितीय एवं विद्या मंदिर 3 सी के छात्र-छात्रा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

वही बाल वर्ग में सरस्वती विद्या मंदिर 3 की श्रेया कुमारी अंश कुमार सिंह एवं अंतरा कुमारी ने प्रथम स्थान प्राप्त कियो इसी प्रकार किशोर वर्ग में विद्या मंदिर 3 के सुमित कुमार मिश्रा आयुष राज एवं विश्वनाथ भट्टाचार्य ने प्रथम स्थान एवं तरुण वर्ग में विद्या मंदिर 3 सी की प्राची सिंह अभिनव राज एवं प्रवीण मोदी ने प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय को गौरवान्वित किया। वैदिक गणित विषय में शिशु वर्ग में विद्या मंदिर 3 सी के अंकित कुमार गौरव कुमार आनंद प्रकाश ने प्रथम स्थान प्राप्त किया वहीं बाल वर्ग में विद्या मंदिर 3 सी के हर्ष राज ऋषभ कुमार सिंह आकाश अंशु ने प्रथम स्थान प्राप्त किया वहीं किशोर वर्ग में विद्या मंदिर 3 के रणवीर प्रकाश गौरव सिंह एवं प्रिंस पांडे एवं तरुण वर्ग में 3 सी के यतिश राज आयुष सिंह एवं प्रिंस प्रसाद ने प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय को गौरवांवित किया।

विद्यालय के प्राचार्य ने सभी प्रथम स्थान प्राप्त किए हुए छात्र-छात्राओं को विभाग स्तर पर होने वाली प्रतियोगिता के लिए ढेर सारी शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

नामांकन की अंतिम तिथि 29 जुलाई

बोकारो। पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय तेनुघाट में कक्षा छह में प्रवेश हेतु चयन परीक्षा के लिए आनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। आवेदन की अंतिम तिथि 29 जुलाई निर्धारित की गई है। शुक्रवार को विद्यालय प्रबंधकारणी समिति अध्यक्ष सह उपायुक्त अजय नाथ झा ने जरूरतमंद/आहतार्पूर्ण करने वाले जिले के छात्रों को तय तिथि तक आवेदन करने का अपील किया है। विद्यालय प्राचार्य विपिन कुमार ने बताया कि इस बार आवेदन की पूरी प्रक्रिया आनलाइन रहेगी। इच्छुक विद्यार्थी नवोदय विद्यालय समिति की वेबसाइट पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों की सुविधा के लिए परीक्षा केंद्र ब्लाक स्तर पर बनाए जाएंगे। जिससे दूर दराज के गांवों के बच्चों को भी परीक्षा देने में परेशानी न हो। परीक्षा 13 दिसंबर को होगी। पात्रता शर्तों के अनुसार, आवेदन करने वाला छात्र बोकारो जिले का मूल निवासी होना चाहिए और सत्र 2025 - 26 में बोकारो के सरकारी या मान्यता प्राप्त विद्यालय में कक्षा पांच का छात्र होना अनिवार्य है। साथ ही कक्षा तीन, चार और पांच की पढ़ाई लगातार और नियमित की हो।

आपराधिक घटनाओं पर अंकुश लगाने को एसपी ने दिया निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। बोकारो जिले में हो रहीं आपराधिक घटनाओं पर अंकुश को अपराध गोष्ठी में विचार विमर्श की गई। बोकारो एसपी हरविंदर सिंह ने आज बोकारो जिले के मासिक क्राइम मीटिंग में सभी थाना प्रभारी को आवश्यक दिशा निर्देश दिया।

एसपी हरविंदर सिंह ने कार्यालय सभागार कक्ष में सभी डीएसपी इंस्पेक्टर और थाना प्रभारी के साथ बैठक कर जिले में हो रहे अपराध को रोकने का कड़ा निर्देश दिया है। एसपी ने पिछले दिनों मामलों के हुए उद्भेदन को लेकर अधिकारियों और जवानों को भी सम्मानित करने का काम किया है। एसपी हरविंदर सिंह ने बताया कि आम लोगों के जीवन में अपराध किस रूप में चैलेंजिंग है इसको लेकर लोगों के फीडबैक के आधार पर अधिकारियों को दिशा निर्देश दिया गया है।चोरी की घटनाएं जो घट रही हैं उसको रोकने के लिए कड़े कदम उठाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों कई थाना क्षेत्र में अच्छे उद्वेदन भी हुए हैं ,जिसको लेकर संबंधित पदाधिकारी और जवानों को भी सम्मानित करने का काम किया जा रहा है।

दो दिवसीय खेल का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। डीएवी सेक्टर-4 में दो दिवसीय खेल का आयोजन किया गया। आज पहले दिन समारोहपूर्ण उद्घाटन हुआ। प्रतियोगिता में जोन से जुड़े विद्यालय 8 बी,9 इ ,2 सी,12 इ,सेक्टर 6 एवं डीएवी सेक्टर -4 के खिलाडी हिस्सा ले रहे हैं। इन विद्यालयों के खिलाड़ियों के अलावा डीएवी सिजुआ और महुदा के भी खिलाड़ी विभिन्न इवेंट्स में शिरकत कर रहे हैं। आयोजित इवेंट्स में -क्रिकेट, हैंडबॉल,योगा,कबड्डी, खो-खो,वॉलीबॉल,चेस,फुटबॉल, ताइक्वांडो, कराटे,उशू,जूडो, बास्केटबॉल,स्केटिंग,बैडमिंटन, टेबल टेनिस ,रेसलिंग,वेट लिफ्टिंग,बॉक्सिंग और रोप स्पीकिंग हैं । खेलों की श्रृंखला में डीएवी सेक्टर-4 लॉन टेनिस और रोप स्किपिंग में निर्विघ्न रूप से स्टेट लेवल के लिए चयनित हुआ।

कार्यक्रम की शुरूआत स्वागत गान तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शानदार प्रस्तुति के साथ हुई ।विद्यालय के प्राचार्य जोन इंकेर के ए आर ओ एस के मिश्रा ने सभी विशिष्ट अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ देकर किया ।

मुख्य अतिथि वीरेन्द्र कुमार तिवारी डायरेक्टर इन-चार्ज,बी एस एल,झारखंड के द्वारा मशाल जलाकर खेलों की विधिवत शुरूआत की गई।

डीएवी सेक्टर-4 के विशाल प्रांगण में लगभग साढ़े तीन सौ खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए माननीय वीरेंद्र कुमार तिवारी महोदय ने कहा कि -सर्वप्रथम मैं यहां के संस्कृति कला संकाय को नमन करता हूँ। डीएवी एक ऐसा संस्थान है जो अपने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु सतत क्रियाशील है और डीएवी स्पोर्ट्स के द्वारा राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी तैयार किए जाते हैं। उन्होंने आगे कहा कि खेलों के लिए निरंतर अभ्यास ,संयम,आत्म - नियंत्रण को आत्मसात करना एक बेहतर खिलाड़ी के उद्दात गुण होने चाहिए। जीत -हार से ऊपर उठकर खेल को खेल -भावना से खेलने की शपथ बच्चों को लेनी चाहिए।

इस खास मौके पर अनेक विशिष्ट अतिथिगण अजयनाथ सहदेव प्रेसिडेंट, झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन, पीएन सिंह फार्मर ज्वाइंट सेक्रेटरी झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन तथा कई गणमान्य बीएसएल पदाधिकारीगण नीता बा सीजीएम एच आर,एल एंड डी, राजश्री बनर्जी ईडी एच आर तथा मीनम मिश्रा जीएम शिक्षा विभाग के साथ-साथ विभिन्न विद्यालयों से आए प्राचार्य गण, जोन के एआरओ की इस महाआयोजन में गरिमामयी उपस्थिति रही।

एमके सिन्हा स्टेट कोऑर्डिनेटर डीएवी स्पोर्ट्स झारखंड ने अपने वक्तव्य में कहा कि वर्तमान परिप्रेक्ष्य में खेल - कूद क्रीड़ा कैरियर निर्माण का एक प्रगतिशील पर्याय हैं साथ ही साथ बच्चों के अंदर नेतृत्व शक्ति, धैर्य ,साहस तथा तत्काल निर्णय की क्षमता का विकास भी खेल के द्वारा ही संभव होता है।

अजयनाथ सहदेव प्रेसिडेंट क्रिकेट एसोसिएशन, झारखंड ने खिलाड़ियों को अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि निष्पक्ष भाव से खेल को संचालित करना तथा खेलना दोनों ही महत्वपूर्ण होता हैं। इस अवसर पर प्राचार्य सह डीएवी स्पोर्ट्स क्लस्टर-6 के इंचार्ज एस के मिश्रा ने कहा कि खेल द्वारा जीवन में संयम सकारात्मकता , समन्वयात्मकता ,संघर्ष और सामाजिकता जैसे गुण विकसित होते है।

राष्ट्रीय स्तर तक अपनी पहचान ये बच्चे बना सके इसलिए इनका निरंतर अभ्यास होना विद्यालय में जरूरी है । अपने उद्बोधन में उन्होंने आगे कहा कि इस दो दिवसीय आयोजन को मुर्त रूप प्रदान करने में पद्मश्री डॉ पूनम सुरी प्रेसिडेंट डीएवी सीएमसी तथा वीर सिंह डायरेक्टर पब्लिक स्कूल एवं नेशनल कोऑर्डिनेटर तथा आर के सेठी का विशेष मार्गदर्शन रहा है। एम के सिन्हा स्टेट कोऑर्डिनेटर डीएवी स्कूल झारखंड, अजय गोस्वामी तथा बीएस जायसवाल , ब्रह्मदेव आदि की गरिमामय उपस्थिति ने कार्यक्रम को नव आयाम प्रदान किए हैं।

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर के छात्रों ने लहराया परचम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। विद्या भारती विद्यालयों में संस्कृति ज्ञान महाअभियान संस्कृति बोध परियोजना के तहत सरस्वती शिशु विद्या मंदिर 9 डी बोकारो में संगणक एवं अंग्रेजी विषयों की प्रश्न मंच प्रतियोगिता संपन्न हुई। जिसमें शिशु वर्ग,बाल वर्ग, किशोर वर्ग और तरुण वर्ग में बोकारो 3 सी संकुल के चार विद्यालयों सरस्वती शिशु विद्या मंदिर 3 सी ,9 डी,2 ए और बालीडीह ने भाग लिया । सभी विद्यालयों से कुल 69 प्रतिभागियों ने भाग लिया। विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति के सह सचिव जीपी सिंह ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताओं से विद्या भारती बालकों की प्रतिभाओं को निखारने का काम करती है इसीलिए विद्या भारती ने बालकों के सर्वांगीण विकास का लक्ष्य रखा है जो इन प्रतियोगिताओं में मुखर होकर दिखती है। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य राजेंद्र कामत ने बताया कि विद्या भारती योजना के तहत वैदिक गणित, विज्ञान, संस्कृति बोध, संगणक, अंग्रेजी संस्कृत विषयों के प्रश्न मंच, आशु भाषण,आचार्य पत्र वाचन, कथा कथन जैसे कई प्रतियोगिताएं संस्कृति बोध परियोजना के तहत होती हैं। जिसका उद्देश्य भैया - बहनों के अंदर छुपी हुई प्रतिभाओं को निखारना है। यह प्रतियोगिता प्रत्येक वर्ष 16 जुलाई से 30 जुलाई के बीच में पूरे झारखंड प्रांत में होती है। जिसमें संकुल स्तर से होते हुए विभाग, प्रांत, क्षेत्र और अखिल भारतीय स्तर तक संपन्न होती है।

आज की प्रतियोगिता में संगणक प्रश्न मंच में शिशु,बाल एवं किशोर वर्ग तीनों में सरस्वती शिशु विद्या मंदिर 9 डी प्रथम स्थान प्राप्त कर अव्वल रहा,वहीं अंग्रेजी प्रश्न मंच में शिशु वर्ग और तरुण वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त कर 9 डी ने अपना दबदबा कायम किया।प्रतियोगिता से संबंधित नियमों की जानकारी एवं मंच संचालन आचार्या नीलिमा पांडेय ने किया।इस अवसर पर विद्यालय के प्रभारी आचार्य चंदन सरकार, तीनों विद्यालयों से आए संरक्षक आचार्य एवं दीदी जी के साथ-साथ सभी प्रतिभागी भैया - बहन उपस्थित रहे ।सभी ने इस प्रकार के प्रतियोगिताओं की भूरी - भूरी प्रशंसा की।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी.कॉर्प.लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लॉट नंबर 31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार),
स्थानीय संपादक: मनोज विशाल
फोन नंबर: 9431145865, 8210783623,
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या: JHAHIN/2017/72655,
Email : bokaronbt@gmail.com

C M Y K